



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 19, 1981 (अग्रहायण 28, 1903)

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 19, 1981 (AGRAHAYANA 28, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकरन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. ए. 32013/1/81-प्रशा. 1—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानान्तर रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क्रम नाम
सं.

मंदिर

सर्वश्री

- एच. एम. विश्वाम 20-8-81 से 19-11-81 तक
- य० रा० गांधी 27-8-81 से 26-11-81 तक
- पी० सी० गुप्ता 19-8-81 से 18-11-81 तक
- प्रा० रा० सहाय 1-9-81 से 30-11-81 तक
- एस० एस० नाराय ॥—वही—
- प्रा० जी० पुरुष ॥—वही—
- एम० पी० जन ॥—वही—

एच. सी. जाटव
संयुक्त सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

विनांक 24 नवम्बर 1981

सं. ए. 12024/2/80-प्रशा. 1—इस कार्यालय की सम- संख्यक अधिसूचना दिनांक 9-4-81 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा श्री रामाभद्रम, सी. ई. एस. (कार्यालय के लो. नि. वि. 1971) को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 19-11-1981 से आगामी आदेशों तक उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य. रा. गांधी
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. सु. विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. आर./95/65-प्रशा. 5—केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत के कार्यालय से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री आर. एन. कौल, पूलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 17-11-1981 के पूर्वान्तर से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उसी पद पर कार्यभार प्राप्त कर लिया।

सं. श्री./2/70-प्रशा.-5—नागार्लैण्ड सरकार से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री श्री. एन. सिंहा, पुलिस उपाधीकार, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो ने दिनांक 1-11-1981 के पूर्वान्तर से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में अपने उसी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया।

की. ला. श्रेवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय, के. रि. पु. बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. ओ-दो-325/69-स्थापना—श्री के. डी. यस., दूल्हत कमांडेंट 52 वाहिनी के. रि. पु. बल ने के. औ. सूरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति के कारण वे 16-11-81 (ए. एन.) को अपने कार्यभार से विमुक्त हो गये हैं।

सं. ओ-दो-1455/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर अनिल कौशल को 18 नवम्बर 1981 के पूर्वान्तर से कैबिन तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. एफ-8/4/81-स्थापना (के. रि. पु. बल)—राष्ट्रपति जी ने रंजीत गिंह भाटी उपाधीकार 66वीं वाहिनी का त्यागपत्र दिनांक 31-10-81 से मंजूर कर दिया है।

2. अफिसर उसी तारीख से यूनिट की संस्था से निकल जायेंगे।

दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. ओ-दो-15/9/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. ग्रेड-11) डा. (श्रीमती) एस. प. देवीकर, बैस ब्राइंप्टल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाइ देवा नियमावली), 1965 के नियम 5(1) के अन्सार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 23 नवम्बर 1981 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 1 विसम्बर 1981

सं. ओ-दो-1613/81-स्थापना—राष्ट्रपति, डा. शिव प्रसाद काकमान को अस्थाइ रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल डिटर्नी अफिसर ग्रेड-11 (डी. एस. पी./कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 20 नवम्बर 1981 के पूर्वान्तर से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी
महानिदेशक, (स्थापना)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. ए-12012/1/80-प्रशासन—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के तकनीकी अधीक्षक (बीजलेस) श्री आर. के.

कोटनिश को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में 28-2-82 तक या विशेषता को नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी कम हो, तदर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेस) के पद पर वेतनमान रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-880-40-1000-द. रो.-40-1200/- पर तारीख 3 नवम्बर, 1981 के पूर्वान्तर से पदोन्नति ही गई है।

छप्पति जोशी
निदेशक
पुलिस दूर-संचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. पी./आई. (1)-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, नागलैण्ड सिविल सेवा के अधिकारी और नागलैण्ड, कोहिमा में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री ए. सी. बल को तारीख 26 अक्टूबर, 1981 के पूर्वान्तर से नागलैण्ड सरकार को सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं। इसके परिणामस्वरूप श्री बल की सेवाएं तारीख 26-10-1981 से नागलैण्ड सरकार के सुपुर्द की जाती हैं।

सं. 11/119/79-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, अरुणाचल प्रदेश सरकार के अधिकारी और अरुणाचल प्रदेश, शिलांग में जनगणना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एच. सी. शर्मा को तारीख 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से अरुणाचल प्रदेश सरकार को सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी सेवाएं उक्त तारीख से अरुणाचल प्रदेश सरकार के सुपुर्द की जाती हैं।

सं. 10/4/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के कन्सोल आपरेटर और पहले जामिया सरकार में सिस्टम एनालिस्ट के रूप में विवेश सेवा पर श्री एन. सी. शर्मा को उसी कार्यालय में तारीख 15 अक्टूबर, 1980 से अर्थात वह तारीख जिससे उनसे कनिष्ठ श्री आर. एन. तलवार को सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पदोन्नत किया गया था; मौलिक नियम 30(1) (उनसे नीचे का नियम) के परन्तुक 2 के अधीन सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष प्रोफार्मी पदोन्नति देते हैं।

2. जामिया सरकार में सिस्टम एनालिस्ट के रूप में विवेश सेवा और इस कार्यालय द्वारा भंजूर की गई छट्टी की अवधि की समाप्ति पर श्री एन. सी. शर्मा ने तारीख 19 अगस्त, 1981 के पूर्वान्तर से इस कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद का कार्यभार सम्भाला।

3. श्री शर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं. 11/8/80-प्रशा.-।—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्रीमती य. बसक को उसी कार्यालय में तारीख 19 अक्टूबर, 1981 के पूर्वान्तर से 1 वर्ष से अनधिक अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि कम हो, पूर्णतः अस्थाइ और तदर्थ आधार पर 700-40-900-द. रो.-40-1100-50-1300 रु. के वेतनमान में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पदोन्नति द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्रीमती बसक का मुख्यालय बम्बई में होगा।
 3. उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति सम्बन्धित अधिकारी को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तबर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तबर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रख किया जा सकता है।

सं. 11/9/81-प्रश्ना-।—राष्ट्रपति, केरल सरकार के संवाद निवृत्त अधिकारी और केरल शिवेन्द्रभ में जनगणना कार्य निदेशालय में पूर्णतयोजन के आधार पर उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री एम. कृष्णमूर्ति की सेवाएं तारीख 31 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से संमाप्त करते हैं।

दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. 11/10/78-प्रश्ना-।—इस कार्यालय की तारीख 3 दिसम्बर, 1980 की समसंस्थांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, मणिपुर सिविल सेवा के अधिकारी श्री मोहम्मद अब्दुस सत्तार को मणिपुर, इम्फाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 30 जून, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर, स्थानान्तरण इवारा, तदर्थ आधार पर, उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सत्तार का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

पी. प्रभानाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय, देवास: म. प्र.म.

देवास, दिनांक 20 नवम्बर 1981

फा. क्र. बी. एन. पी./सी./43/80—इस कार्यालय के समसंस्थक अधिसूचना दिनांक 12-10-80 के तारसम्य में श्री के. एम. सक्सेना, प्रशासन अधिकारी की प्रतिनियुक्ति की नियुक्ति अवधि दिनांक 22-9-82 तक उन्हीं शर्तों पर बढ़ाई जाती है।

वै. आर
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई विल्ली-2, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. प्रश्ना. 1/का. आ. सं. 336—इस कार्यालय के लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जगदीश प्रसाद कांशिक वार्धक्य आप्राप्त करने के परिणामस्वरूप भारत सरकार की सेवा से 30 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त होंगे।

उनकी जन्मतिथि 5-11-1923 है।

सं. प्रश्ना. 1/का. आ. सं. 331—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री जीत सिंह वार्धक्य आप्राप्त करने के परिणामस्वरूप भारत सरकार की सेवा से 30 नवम्बर, 1981 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त होंगे।

उनकी जन्मतिथि 10-11-1923 है।

(ह.) अपठनीय
संयुक्त निदेशक ले. प. (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय-। आन्ध्र प्रदेश

हैवरावाद-500476, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. प्रश्ना. 1/8-312/81-82/382—श्री एम. एन. प्रभाकरन, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश-।, का देहान्त दिनांक 17-11-1981 को हो गया है।

रा. हरिहरन
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. प्रश्ना. 1/सामान्य/31 - खण्ड ।।।/सी. ।(1)6—महालेखाकार, महाराष्ट्र-।, बम्बई अधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सर्वस्यों के उनके नामों के सम्बूख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक, नाम और दिनांक

- श्री सी. एन. पिटकर—17-11-81 (पूर्वाह्न से)
- श्री एस. एस. कुडाककर—17-11-81 (पूर्वाह्न से)

(ह.) अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा

दक्षिण पूर्व रेलवे, गार्डनरीच

कलकत्ता-700043, दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. प्रश्ना. 33-2 ए/75/3814—निदेशक लेखा परीक्षा, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के सदस्य, श्री पूलीन बिहारी राय को दिनांक 31-10-1981 के पूर्वाह्न से एक स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश तक पदोन्नत किया गया।

अ. ना. अम्बिका
निदेशक लेखा परीक्षा

कार्यालय, संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

बम्बई-400039, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) के अधीन जारी सेवा समाप्ति का नोटिस

सं. 1875/इ. 3/आर. जे. एम.—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में, मैं, आर. ए. बोरकर, संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, बम्बई इसके द्वारा श्री आर. जे. मोरे को नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस को तामील होने की तिथि से एक महीने की अवधि समाप्त होने की तिथि से अथवा जैसे मामला उनको प्राप्त हो, उनकी सेवाएं समाप्त हो जायेंगी।

श्री आर. जे. मोरे
बेरैक नं. 1397, सेक्शन 32,
उल्हासनगर, जिल्हा: ठाणे

र. अ. बोरकर
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं, बम्बई

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5(1) अधीन जारी सेवा समाप्ति का नोटिस

बम्बई-400039, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

सं. 1898/इ. 3/एस, सी. श.—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में, मैं, आर. ए. बोरकर, संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, बम्बई इसके द्वारा श्री एस. सी. शर्मा को नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस को तामील होने की तिथि से एक महीने की अवधि समाप्त होने की तिथि से अथवा जैसे मामला उनको प्राप्त हो, उनकी सेवाएं समाप्त हो जायेंगी।

श्री एस. सी. शर्मा,
मार्फत एच. पी. शर्मा, ग्राम खोर्ली हफोस्कापुर,
पोर्ट आफीस गुरुकुल सिकन्दराबाद,
बुलंदशहर ज़िला, उत्तर प्रदेश
पिन : 203202

र. अ. बोरकर,
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं, बम्बई

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 नवम्बर 1981

अधिकृतमा में संशोधन

सं. प्रशा.-11/2603/81-।—इस कार्यालय की विनांक 26 अक्टूबर 1981 की अधिसूचना संख्या प्रशा-।।/2603/81 में अधिक आशोधन करते हुए क्रम संख्या 74 के सम्बन्ध वर्णाये गये

अधिकारी के यथा अधिसूचित नाम सोहन लाल नन्हा के स्थान पर सोहन सिंह नन्हा पढ़े।

ए. के. बोष,
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (परिवर्जना)

वाणिज्य भंगालम

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1981

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं. 6/723/64-प्रशासन 'राज'/6449-ए—सेवा-निवृत्ति की आय होने पर, श्री डी. डी. सूजा, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, बम्बई का 31 अक्टूबर 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

ए. एन. काल
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियर्ति
कृत मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियर्ति

उद्योग भंगालम

(ओद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. ए-19018/448/79-प्रशा. (राज.)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, त्रिवृत्र के लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण) श्री के. सी. वर्गीज को दिनांक 12 अक्टूबर, 1981 (पूर्वान्तर) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-2) (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राम
उप निदेशक (प्रशा.)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. प्र-1/1(1066)—राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक पूर्ति निदेशक (ग्रेड-11) को विनांक 7-11-1981 के पूर्वान्तर से छः मास के लिए अथवा संघ लोक सेवा आयोग से नामित अधिकारियों के उपलब्ध हो जाने तक जो भी पहले हों, सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रप ए के ग्रेड-111) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं :

1. श्री जी. एम. राऊद
2. श्री एस. गणपति

उपरोक्त अधिकारियों ने सहायक निदेशक, पूर्ति (ग्रेड-11) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 7-11-80 के पूर्वान्तर से पूर्ति निदेशक (वर्ष) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) का पदभार सम्भाल लिया।

सं. प्र-1/1 (1185)/81—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वयारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में कानिष्ठ अधिकारी श्री एस. बी. पण्डे को दिनांक 9-11-81 के अपराह्न से और आगामी आवेषों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) के रूप में स्थानायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री पण्डे की सहायक निदेशक (प्रेड-11) के रूप में तदर्थ पवानेन्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति का कोई वादा नहीं होगा और तदर्थ आधार पर की गई सेवा ग्रेड में वरीयता और पदोन्नति और स्थायीकरण की पात्रता के लिए नहीं गिनी जायेगी।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. प्र-1/1/(1058)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक चिदं-पूर्ति (प्रेड-11) को उनके नाम के सामने लिखी तारीख से छः माह की अवधि अथवा संधि तारीख सेवा आयोग द्वारा नामित अधिकारियों के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हों (भारतीय पूर्ति सेवा शुपु 'ए' के ग्रेड-11) में तदर्थ आधार पर स्थानापन सहायक निदेशक (प्रेड-1) के रूप में नियुक्त करते हैं:—

1. एम. एल. आर. रामकृष्णन	6-11-81 (पूर्वाह्न)
2. सी. अरुणगम	6-11-81 (पूर्वाह्न)
3. एल. लक्ष्मीनारायण	10-11-81 (पूर्वाह्न)

उपरोक्त अधिकारियों ने सहायक चिदेशक (पूर्ति) (प्रेड-11) का पद भार छोड़ दिया और उनके नाम के सामने लिखी तारीख से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, मद्रास में सहायक निदेशक (प्रेड-1) के पद का पवार ग्रहण कर लिया।

एस. एल कपूर
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1981

सं. ए-32013/9/80-प्र-6—राष्ट्रपति, सर्वश्री डी. रामानुजम् तथा एस. सेनगुप्ता को दिनांक 22-9-1981 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा शुपु 'ए' के ग्रेड-11 की भातृ-कर्म शास्त्र में नियमित आधार पर सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री रामानुजम् तथा सेनगुप्ता दिनांक 22-9-1981 से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

पी. डी. सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. 3/4/62-इ (1)—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने फिल्म प्रभाग बम्बई के स्थायी कैमरामैन श्री एन. नरसिंह राव को 2 नवम्बर 1981 के पूर्वाह्न से लेकर अगला आदेश होने तक उसी कार्यालय में, श्री एम. एम. देवेश स्थायी मुख्य कैमरामैन की भारतीय फिल्म और दूरदर्शन संस्थान, पुना में प्रतिनियुक्त हो जाने से तानके स्थान पर, स्थानापन मुख्य कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 23 नवम्बर 1981

मं. 5/30/60 इ. (1)—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने फिल्म प्रभाग, दिल्ली के श्री डी. डी. कृष्ण स्थानापन अनुरक्षण अभियंता को श्री वाय. जे. केन्द्री प्रयोगशाला अभियंता के स्वेच्छादिवक्त

होने से उनके स्थान पर 1 अक्टूबर 1981 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में प्रयोगशाला अभियंता के पद पर नियुक्त किया है।

एस. के. राय
सहा. प्रशा. अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. ए. 32013/1/80(एच. क्यू.) प्रशासन-।—राष्ट्रपति जी ने कृतारी एल. एम. रंबेलो को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 5 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से उप महानिदेशक (डी. एच. ई.) के पद पर नियुक्त किया है।

2. केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में उप सहायक महानिदेशक (डी. एच. ई.) के पद पर नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप न्यूमारी एल. एम. रंबेलो ने 5-6-81 (पूर्वाह्न) से सी. एच. ई. बी. से उप सहायक महानिदेशक (जार) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

आ. पी. बाली,
उप निदेशक प्रशासन (आौ. एच.एम.)

नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. ए. 12025/25/80-(एन.एम.ई.पी.)/प्रशासन-।—राष्ट्रपति ने श्री के. के. माथुर को 14 अक्टूबर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में सहायक निदेशक (एण्टोमोलाजी) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय के अधीन सहायक निदेशक (एण्टोमोलाजी) के पद पर अपनी नियमित के फलस्वरूप श्री के. के. माथुर ने 13-10-1981 (अपराह्न) से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली से उप सहायक निदेशक (एण्टोमोलाजी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए. 31014/6/80 (एन.आई.सी.डी.)/प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम. एल. वधवा को 1 सितम्बर 1979 से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए. 31013/4/81-प्रशासन-।—राष्ट्रपति ने श्री एम. बी. सिंह को 14 फरवरी, 1980 से राजकुमारी अमृत कौर उपर्याय महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक, बाल प्रागविवरण क्लीनिक के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 32014/4/80(जिप) प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एल. नवनीत कृष्णन को 19 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पार्णिष्ठारी में पूर्णतया तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एल. नवनीत कृष्णन ने 19 अक्टूबर, 1981 के अपराह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पार्णिष्ठारी से सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए. 32014/4/80 (जिष्ठ)/प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री टी. वेनगदासामी को 21 अक्टूबर 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पारिष्ठक्षरी में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए. 32014/4/80 (जिष्ठ)/प्रशासन-।—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के. गणन् स्वामी को जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पारिष्ठक्षरी में 19 अक्टूबर, 1981 (अपराह्न) से आगामी आदेशों तक पूर्णतया तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

त्रिलोक चन्द जैन
उप निदेशक प्रशासन (पी. एच.)

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

दर्द दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. 2-10/81-स्था. (1)—श्री हरिशंकर गोतम, अधीक्षक (प्रेष्ठ-1) को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग में हिन्दी अधिकारी समूह "बी" (जी.सी.-एस.) (राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय) के रूप में कार्य करने हेतु रुपये 650-30-740-35-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ रूप में 12 नवम्बर 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त किया गया।

के. जी. कृष्णामूर्ति
निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पूर्निमाण मंत्रालय

किपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1981

सं. ए. 19023/9/81-प्र.त.—इस निवेशालय के अधीन बम्बई में श्री एन. जे. पिल्ले की किपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 31-12-1981 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

बी. एल. मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि किपणन सलाहकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. पीए/79(4)/80 आर-।।।—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सहायक

कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) के पद पर इस अनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

कर्मिक नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न	समयावधि
रूप में	से	तक
1. श्री जे० ए० लासने	सहायक	5-10-81 13-11-81
2. श्री एस० आर० रिंगे	एस०जी०सी०	12-10-81 13-11-81

दिनांक 23 नवम्बर 1981

सं. पीए/76(3)/80 आर-।।।—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, पश्चिम रेलवे, बम्बई के अनुसार अधिकारी, श्री नवनीतलाल भनसुललाल शाह को सहायक लेखा अधिकारी पद पर भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र में रुपये 650-30-740-880-द. रो.-40-960 के वेतन क्रम में 13 नवम्बर 1981 (पूर्वाह्न) से 12 नवम्बर 1983 (अपराह्न) अथवा अथवा अग्रिम आदेश जो भी पहले हों तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. पीए/73 (13)/81 आर-4—निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा. प्रमोद जगदीशचन्द्र शर्मा को नियासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में 21 अक्टूबर 1981 (पूर्वाह्न) से 22 नवम्बर 1981 (अपराह्न) तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमार मंनोन
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. जे/425/स्थापना ।।/4615—इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री चेरम्बूडे पृतनबीड जेस्स, एक आर 56(के) के अधीन स्वीच्छक रूप से 4 अगस्त 1981 (अपराह्न) को सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हुए।

कु. एच. बी. विजयकर
उप स्थापना अधिकारी

(परमाणु उर्जा विभाग)

कर्य एवं भूमार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. क. भ. नि./21/1(2)/78-स्थापना/22558—कर्य एवं भूमार निदेशालय के निदेशक ने श्री वामोदर देवप्पा नायक स्थायी कर्य सहायक को दिनांक 16-11-1981 (पूर्वा.) से अस्थायी सहायक कर्य अधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200/- के वेतन क्रम में अग्रिम आदेशों तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त किया है।

के. पी. जोसफ
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हंदराबाद-500016, दिनांक 24 नवम्बर 1981

सं. प. स. प्र. 1/37/80-भरी—परमाणु उर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री जगत कुमार

वास को परमाणु खनिज प्रभाग में 23 नवम्बर, 1981 के दर्शन में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. प. स. प्र.-1/1/81-भर्ती—परमाणु उत्तर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री सत्य देव राय को परमाणु खनिज प्रभाग में 18 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 नवम्बर 1981

सं. प. स. प्र.-1/1/81-भर्ती—परमाणु उत्तर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री राजेन्द्र प्रसाद बलधान को परमाणु खनिज प्रभाग में 13 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. प. स. प्र.-1/7/79-प्रशासन—इस कार्यालय के दिनांक 21 अगस्त, 1980 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में परमाणु उत्तर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखा-पाल श्री जे. के. शर्मा को उसी प्रभाग में 10-2-1981 से 23-3-1981 तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

सं. प. स. प्र.-4/2/81-भर्ती—परमाणु उत्तर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री डी. के. गृष्ट, स्थायी प्रारूपकार को उसी प्रभाग में 1 अगस्त, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. प. स. प्र.-1/1/81-भर्ती—परमाणु उत्तर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री अभिराम मिंहं सच्चन को परमाणु खनिज प्रभाग में 19 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

म. स. राव
वर्षिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

फलपाकक्रम-603102, दिनांक 2 नवम्बर 1981

सं. ए. 32013/13/81/11988—निदेशक, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र ने इस केन्द्र के उन अधिकारियों को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, 1 अगस्त, 1981 से अगला आदेश होने तक के लिए 650-30-740-35-810-ईबी-35-880-40-100-ईबी-40-1200 नम्बरों के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

क्रम सं.	नाम	वर्तमान स्थिति
1. श्री ए० ई० वर्धन	स्थायीवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन	

1	2	3
2. श्री ए० ई० पालानीश्वरन	स्थायीवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन	
3. श्री आर० वेलुस्वामी	स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) तथा स्थानापन्न फोरमैन	
4. श्री ए० ई० ईश्वरन	स्थायीवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन।	

एस. प्रमाणनाथ
प्रशासनिक अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

(सिविल इंजीनियरी प्रभाग)

बंगलौर-560009, दिनांक 24 नवम्बर 1981

सं. 9/58/81-सि. इं. प्र. (मुख्या.)—अंतरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता तमिल-नाडु सरकार के राज्य लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर श्री पी. मुहम्मद मलुक मोहम्मद को प्रतिनियुक्ति पर इंजीनियर एस. बी. के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 9 नवम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एम. पी. आर. पाणिकर
प्रशासन अधिकारी-1।
कृते मुख्य अभियन्ता

बंगलौर-560009, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 6/2/81-सि. इं. प्र. (मुख्या.)/9428—अंतरिक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में तकनीकी सहायक 'सी' श्री एस. के. अब्दुल जलील की इसी प्रभाग में इंजीनियर 'एस. बी.' के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक अक्टूबर 1, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करते हैं।

एम. पी. आर. पाणिकर
प्रशासन अधिकारी-1।

इसरो उपराह केन्द्र

ए 1-6, पीन्या औद्योगिक क्षेत्र

बंगलौर-560058, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 020/3(061)/क/81—इसरो मुख्यालय के कार्यालय आदेश सं. मुख्या. प्रशा. 4-20(5)-3 दिनांक अप्रैल 15, 1981 के अनुसार तथा विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में स्थानान्तरित होने पर श्री के. श्रीनिवासन ने इसरो उपराह केन्द्र, बंगलौर में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार दिनांक 8 मई, 1981 के पूर्वाह्न से शरण किया है।

एस. सुब्रह्मण्यम
प्रशासन अधिकारी-1।

पर्यटन एवं नागर विमानन मंशालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

दहू विल्ली-3, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. ए. 32014/4/81-स्था.-1—मौसम विज्ञान के महा-निदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक

सहायकों को उनके नामों के सामने उल्लिखित तिथि से आगामी आदेशों तक इसी विभाग में स्थानापन सहायक मीसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री टी० कै० बसु	27-4-81
2. श्री एस० चक्रवर्ती	15-4-81 दिनांक 4-3-81 से ग्रन्थावधि के लिये स्थानापन सहायक मीसम विज्ञानी पद पर कार्य करने के लिये अनुमति
3. श्री विष्णु सहाय	1-10-81
4. श्री रविन्द्र मोहन	8-6-81
5. आर० सी० गन्धा	1-10-81
6. पी० सी० वत्तप	15-4-81 दिनांक 3-3-81 से ग्रन्थावधि के लिये स्थानापन सहायक मीसम विज्ञानी के पद पर कार्य करने के लिये अनुमति।
7. जी पी० शी० मंजूमवार	1-10-81
8. श्री रंगी लाल	11-6-81
9. श्री एस० आर० हंसदर	1-10-81
10. श्री मोतीलाल सरकार	1-7-81
11. श्री एस० आर० राय	29-6-81
12. श्री भजत लाल	13-8-81

के. मूलजी
मीसम विज्ञानी (स्थाना-
पन सहायक मीसम
विज्ञानी के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. ए-12040/1/81-स्था.-।—राष्ट्रपति, श्री एल. आर. मीना को 30 सितम्बर, 1981 के पूर्वान्त से आगामी आदेशों तक भारत मीसम विज्ञान विभाग में मीसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए-12040/1/81-स्था.-।—राष्ट्रपति निम्नलिखित को भारत मीसम विज्ञान विभाग में 30 सितम्बर, 1981 के पूर्वान्त से आगामी आदेशों तक मीसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

1. श्री एल. एस. राठोड़
2. श्री आर. पी. समुद्र
3. श्री एस. कृष्णश्याह
4. श्री बजू भूषण
5. श्री बी. मुख्यार्पाध्याय
6. डा. एस. आर. एच. रिजवी
7. श्री बी. एस. जादान
8. डा. ओ. पी. सिंह
9. श्री वार्द. ई. ए. राज

एस. के. दास
मीसम विज्ञान के अपर महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. ए-32014/5/80-इ०. सी.—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, वारिशम के श्री एम.

कट्टरमल, तकनीकी सहायक को दिनांक 5-11-81 (अपराह्न) से सहायक तकनीकी अधिकारी के शेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और इसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं. ए-38013/1/81-इ०. सी.—निदेशक संचार, वै-मानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कायालिय के श्री एम. के. गोरे, सहायक तकनीकी अधिकारी ने निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-10-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग किया है।

प्रेम चन्द्र
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन तथा सीमाशुल्क समाहतालिय, उडीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 25 नवम्बर 1981

सं. 12-81—सेवा निवृति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क के समाहतालिय, भुवनेश्वर में स्थापित हुए श्री पूर्णोत्तम साहू, अधीक्षक, दिनांक 31 अक्टूबर, 1981, दोपहर को इस विभाग से अवसर लिये।

सं. 13/81—सेवा निवृति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क के समाहतालिय, कटक प्रभंडल में स्थापित हुए श्री रामाकांत नाइक, अधीक्षक, दिनांक 31 अक्टूबर, 1981, दोपहर को इस विभाग से अवसर लिये।

पि. एन. घड़ंगी
सहायक समाहता (मुख्या.)
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाशुल्क, भुवनेश्वर

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 28 नवम्बर 1981

सं. 2-एस. एच. (1)/80—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्री महेन्द्र सिंह को तारीख 8 जूलाई, 1981 (पूर्णाह्न) से अगले आदेशों तक, अस्थायी तीर पर, जल परिवहन विभाग, बम्बई में इंजीनियर और पोत सर्वेक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस. एम. ओचाणी
नौवहन बर्इल उपमहानिदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड, कम्पनीयों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 और पारिनियर सेविंग्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. जी. पी./1504(560) (3)/2197-98—कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वयारा यह सचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान परं कीनी सेवा प्राइवेट लिमिटेड को नाम इसके प्रतिकूल कारण विनियोग किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फारोनो पैनेसिशर प्राइवेट, लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. जी. पी./1600/560(3)/2201-02---कम्पनी अधिनियम 1956 की भारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के आवसान पर पार्यनियर सेविंग्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया। तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा।

एस. आर. कौम
कम्पनियों का रजिस्टर
आमाम, शिलांग

कम्पनी अधिनियम, 1956 और 'राम मोहन फिल्म प्राइवेट लिमिटेड' के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 26 नवम्बर 1981

सं. 95/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि 'राम मोहन फिल्म प्राइवेट लिमिटेड' का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी. कोटेश्वर राव
कम्पनियों का रजिस्टर
पांडिचेरी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 रामकृष्ण एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1981

सं. 422/टी. ए. आई./560---कम्पनी अधिनियम 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि रामकृष्ण एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वि. एस. राजू
कम्पनियों का रजिस्टर
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
 नं. ११०००२ दिल्ली-१

नहर्द दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ.आ/एक्वीजीसन-2/एस-आर-1/3-
 81/7510—चूंकि मैं, विमल विशिष्ट,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 7976 है एवं जो मोहला शेखन, बारा हिन्दू
 राव, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनु-
 सूची में विद्या गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में
 दिनांक मार्च 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाक्ता सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, एसे उत्तमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हाफिज उल्लाह राफिक उल्लाह, जमिन उल रहमान सुपुत्र रारीयत उल्लाह, श्रीमती अशिया बोगम विधवा पत्नी सरीयत उल्लाह 6544, 7974, बारा हिन्दू राव दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद नफिज सुपुत्र हाफिज उल्लाह, 7976, मोहला शेखन, बारा हिन्दू राव, दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता है।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड़ भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहूद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रसूची

मकान नं. 7976, मोहला शेखन, बारा हिन्दू राव, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रोड-2, नहर्द दिल्ली

तारीख : 1-12-1981
 मोहर :

प्ररूप ग्राही दी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के परीक्षण

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 वि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4283—सूचिकी में विमल विशिष्ट,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लाट नं. 62, है एवं जो राजारी गाड़ेन
में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16 अंश) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के द्विली स्थित
कार्यालय में विनांक मार्च 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
पूर्वोक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कठित
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वादत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
जनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या लिपाने में
सुविधा के लिए;बहु: बहु, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए के, कल्पना
में, जो उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए की उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षतः—1. श्री राम किशन हल्डा सुपुत्र एल. श्री बिटा मल,
निवासी-जे-5/62, राजारी गाड़ेन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)2. श्री हरकिशन लाल सभरवाल, सुपुत्र लक्ष्मण दास
निवासी - 16/1022, मेन आर्या समाज रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)करो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पार लिखित
में किए जा सकें।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु
पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 62, ब्लाक जे-5, राजारी गाड़ेन, नई दिल्ली।

प्रिमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत जाइ. डी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

आइट दिल्ली

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नहर दिल्ली-110002

नहर दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीएन-2/एस-आर-2-3-81/4296—चूंकि मैं विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पारंपारिक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
आंदोलन की संघर्षकों द्वारा आयकर आयुक्त द्वारा
मैं स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16 दा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा-
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय मा किसी भाव या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा
के लिए;

जल्द: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असति: ।

1. श्री ओम प्रकाश, हरी प्रकाश और जय भगवान,
सुपुत्र मलखान, निवासी-ग्राम और पो. होलम्बी कलां
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. चौ. केहर सिंह सुपुत्र सालीग राम नियासी-
ग्राम - शाहपुर, गढ़ी, पोस्ट-नरेला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के 20-क में परिभाषिक हैं, वही
अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि-ग्राम-होलम्बी कलां, दिल्ली ।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नहर दिल्ली

दिनांक: 19-11-1981

माहर :

प्रमुख आई. टी. पर. पर्स.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42^{वीं} संव.
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सदर्म 3 नि. म. आ. आ. /एकवीजीशन-2/एस-आर-2-3-
81/4301—चूकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या क्रूपी भूमि है एवं जो ब्लॉक अलीपुर में स्थित
है जिनका अधिक विस्तृत विवरण मंलग्न अनुमूली में दिया
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक भार्व,
1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर¹
हस्तांतरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
के निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिये के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
जीर्ण/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

क्रूपी भूमि ब्लॉक अलीपुर, दिल्ली।

विमल विश्वास
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की अपेक्षा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा 3—

1. श्री सच्चा नन्द, सूपूर्ण माया राम, निवासी 4/12,
हस्त पट्टने नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री शाम नाल गायल सूपूर्ण बंशी राम, निवासी
17/16, शक्ति नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्सवीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4312—जून की में, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ए के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर उपकरण जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी मौ. सी-13-ए, है एवं जो न्यू मूलतात नगर, मेन
राहतक रोड में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीतु/या

(एस) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीणों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवी दास सरखाना पत्नी श्री नंदू राम सरखाना,
निवासी-नं. 963, फरास लाना, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री जय कुमार गोयल, सुप्रति मोजी राम, निवासी
7055, गली टॉकी वाली, पहारी धीरज, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का
नामोल या 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ वाकित द्वारा, अध्रोदरगाधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

साझेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्रो. नं. सी-13/ए, न्यू मूलतात नगर, मेन राहतक रोड,
दिल्ली।

विमल विशिष्ट
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7633—चूंकि मैं, विमल बैशाष्ट,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 662 (पुरानी) 1863 (नई) है, एवं जो
चीरा खाना, मालीबाजार, बाड़े नं. 5 में स्थित है (जिसकी अधिक
विस्तृत विवरण मंत्रालय अनुसूची में दिया गया)
को पंजीकरण अधिनियम, (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपारेंट कल्नीडरेशन) पर वृस्तांतरित कर दी गई है।

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

इतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान:—

(1) मुख्यमंत्री कमार एलीयस भूर्णेन्द्र मह, पालीयम
मना बाबू एलीयस कान्ती कमार मूर्ति एल. मरदार
सिंह निवासी-हन्तरी स्पाइनीग एण्ड नीविंग मिल्स
जीवन मंडी, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शालीनी गकिया पत्नी शान्ती कमार गकिया,
निवासी 1863, चारा खाना, दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के उक्त के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी वापरेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमध्ये
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अन्तरक

प्रो. नं. 662 (पुरानी) 1863 (नई), चीरा खाना, दिल्ली,
बाड़े-5, दिल्ली।

विमल बैशाष्ट
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आहुः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, हम्प्रस्थ स्टेट,
नहर दिल्ली

नहर दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7690—चूंकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ज के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या 3618 है, एवं जो चावरी बाजार, वार्ड नं.
6, में स्थित है (जिसकी अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन पंजीकरण अधिकरण के दिल्ली कार्यालय में दिनांक
मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्ट कल्नीडरेशन) पर¹
हस्तांतरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त भंगित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तित्व
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दिये जे अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए;
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिथों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पक्ट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था लिपाते में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः:—

(1) श्री पंवने कुमार सुप्रत सुमन चन्द्र एण्ड अर्द्द, अन्तरक
निवासी-रांशन महल, मोहला में अत्यावालन-पानीपत,
करनाल।

(अन्तरक)

(2) श्री लाल चन्द्र सुप्रत कांशी राम सुराना एण्ड अर्द्द,
निवासी-मकान नं. 2, सीलवर पार्क, शिवप्री,
कृष्ण नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, अहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 3618, चावरी बाजार, वार्ड नं. 6, दिल्ली।

विमल विश्वास
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नहर दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7626—चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 981-982 है, एवं जो राजावाली गली,
फरास खाना, में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इसने प्रकट प्रतिफल
(अपार्टें कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ही प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—376GI/81

(1) श्री एल. श्री कृष्ण गुप्ता सुपुत्र पीयारे लाल गुप्ता
एण्ड अदर्स, निवासी 982, राजा वाली गली, फरास
खाना, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मखन लाल पीयारे लाल, एच-यू-एक, कर्ता
राम अवतार गुप्ता एण्ड अदर्स, निवासी-981, राजा
वाली गली; फरास खाना, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 981-982, राजा वाली गली, फरास खाना,
दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक ३ 19-11-1981
माहूर ३

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेटे,
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7615—चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 13-ए है, एवं जो कूतब रोड फ्लैट, दिल्ली
में स्थित है (जिसका अधिक विम्त्रा विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में
दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सी-
डरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त लिखित में
वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ दूर किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तायों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया आय या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री सुरेन्द्र कुमार पाल सुप्रब्ल राम दास पाल,
निवासी-2-सी/29, नई रोहतक रोड, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जैन कुमार जैन, सुप्रब्ल छोटे लाल, निवासी-
4799, डीपूटी गंज, सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 13-ए, प्रथम मंजील, कूतब रोड, फ्लैट, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

दिनांक 19-11-1981
माहूर

प्रूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रूप, "एच" ब्लॉक, विभास भवन, इन्डप्रेस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7809—चूंकि मैं, विभास विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 2453, वार्ड-5, है एवं जो मोहला नई बारा, चावरी बाजार, में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विर सिंह सुप्रत जीता सिंह, निवासी-2565, मोहला नई बारा, चावरी बाजार, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री तारा चन्द भां, एण्ड अदर्स सुप्रत श्री राम प्रसाद भां, मुकान नं. 2453, मोहला नई बारा, चावरी बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुकान नं. 2453, वार्ड नं. 5, मोहला नई बारा, चावरी बाजार, दिल्ली।

विभास विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रूप-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

प्रकल्प धाई० टो० एव० एव०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रू०ज, “एच” ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7555—चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या 843-44 है एवं जो कटराधी, नाहर सदत खान, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है।

फोर्मार्क सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का फट्टह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री विजय कुमार जयपुरीया सुप्रत्त एल. श्री चौरंजी लाल जयपुरीया, निवासी 340, नया कटरा, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया देवी पत्नी सूरज भान और अदर्स निवासी 1938, कटरा सुबेदार खान, लाल कुंआ, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीद्वारा शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 843-44, कटरा धी, नया खदसखान, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रू०ज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लौक, विमल भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
न्है दिल्ली।

नहै दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्चीजीशन-2/एस-आर-1/
3-81/7490—चूंकि मैं, विमल विशेष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
जिसकी संख्या 841-842, वार्ड नं. 3 है एवं जो कटराषी,
नाहर सबत खान, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण
अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को
इतने प्रकट प्रतिफल (अपारैट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित
कर दी गई है
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीदित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(1) श्री विजय कुमार जयपरीया सुपुत्र सेठ श्री
चौरंजी लाल जयपरीया, निवासी 340, नया
कटरा, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरज भान सुपुत्र राधे किशन, निवासी
1038, लाल कुआ कटरा सुबेदार खान, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वाहू भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृध्दि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 841-842, वार्ड नं. 3, कटरा घी, नहर
सदत खान, दिल्ली।

विमल विशेष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नहै दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लॉक, विमल विश्वास, इन्प्रेस्थ स्टेंड
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/
3-81/7617—बूँदी में, विमल विश्वास
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 309, 309-ए है एवं जो कर्ता गोरी
शंकर, चान्दनी चौक में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत
संलग्न अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इन्हें
प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर
दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री बनारसी दास, सुपुत्र कहेया लाल, निवासी
421, हवेली हैवर कुली, चान्दनी चौक,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरन माला, पत्नी तनुलाल, निवासी
2/3, वरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यांकन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 309 और 309-ए, कर्ता मुन्शी गोरी शंकर,
चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
माहूर : ।

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

(1) श्री आर. पी. शर्मा, सुपुत्र पं. राम चन्द्र, निवासी 36, श्रीनगर कालानी, दिल्ली।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री जय राम शर्मा, सुपुत्र पं. उदय सिंह एण्ड अदर्स, निवासी आम स्कर्का, जिला राहतक, हरियाणा।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रुज्ज, "एच" ब्लैक, विमल भवन, इन्डप्रेस्ट स्टेट न्हू विल्ली

नहू विल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7507—चूंकि मैं, विमल विश्वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

जिसकी संख्या 11568 है एवं जो शक्ति नगर में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न बनूसूची में दिया गया) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (बपारैट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देखे के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनूसैरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ---

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनूसूची

मकान नं. 11568, शक्ति नगर, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रुज्ज-2, नहू विल्ली

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 'एच' ब्लौक, विमल भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नहूँ दिल्ली

नहूँ दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/
3-81/7575—बूँकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी संस्था 1892 है एवं जो चान्दनी चौक में स्थित
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी को विली कार्यालय में
दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परम्परागत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रीरथा;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः शब्द; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, प्रनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात:—

(1) श्री किर्ति प्रसार, निवासी 51, फ्रेंड्स कालोनी,
नहूँ विल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

(2) श्री सुखबीर मरण अग्रवाल, एच. यू. एफ. 2003
निवासी, कर्ता लल्लू सिंह डा. मेन रोड, फैसलन
रोड, दिल्ली।

(हस्तांतरणकर्ता)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूर्नीनसीपल नं. 1892, चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नहूँ विल्ली

दिनांक: 12-11-1981
मोहर

प्रकृष्ट आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नहर दिल्ली

नहर दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीपन-2/एस-आर-1/
3-81/7498—चूंकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारबूह है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैजिसकी संख्या 5005 से 5008 है एवं जो वार्ड नं. 41,
कुच्चा रहमान, चान्दनी चौक में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के दिल्ली कार्यालय में दिनांक भारा, 1981 को इतने
प्रतिफल (आपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर
दी गई हैको पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और बन्सरक (बन्सरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—(क) अन्तरण से हृदय किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
पायित में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा
की जिए; और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन्सरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूचिधा की जिए;प्रत: धर्म, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
4-376GI/81(1) अबदुल मजीद, 5412, कुच्चा रहमान, चान्दनी
चौक, दिल्ली।
(हस्तान्तरणकर्ता)(2) मास्टर लोगी ओली बी, मेहफूज़ अली सुलाउदीन,
2351, शारज मस्जीद, दिल्ली।
(हस्तान्तरणकर्ता)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या सूत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि यों भी
अवधि आव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मूलिकीपल नं. 5005 से 5008, वार्ड नं. 41, कुच्चा
रहमान, चान्दनी चौक, दिल्ली।विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नहर दिल्ली

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12. नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-1/
3-81/7577—चूंकि मैं, विमल वर्षाष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 1892 है एवं जो आन्दनी चौक में स्थित
है जिसका अधिक दिस्तत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में
दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टें
कल्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण
है कि इथार्गोवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) उक्तारा में हुई जिसी बार को बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी हरने या उससे बचने में मुविधा के लिए;
शीर/पा

(ख) ऐसी किसी बार पा किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधित्यों, अवधि :—

(1) श्रीमती अनन्पूर्णी देवी पत्नी राम परसाद, निवासी
81, फ्रेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखबीर सरण अग्रवाल, निवासी 2003,
कर्ता लछु सिंह डा. सेन रोड, फैन्टेन रोड,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
यी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी
में में किसी अवधि वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी प्रथा अस्ति द्वारा, प्रबोहस्ताशीरी
के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ शोगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पृनिसीप्ल नं. 1892, आन्दनी चौक, दिल्ली।

विमल वर्षाष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-11-1981
मोहर :

प्रदेश आई० डी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-1/
3-81/7608—चूंकि मैं, विमल विशेष्य,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भावा योग्य है), की धारा
269-प(1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक हैजिसकी संख्या 437/487, वाड़ नं. 3 है एवं जो कटरा
इक्वर भवन, खारी बाबली विल्ली में स्थित है जिसका अधिक
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण
अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981
को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारटेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्त-
रित कर दी गई हैको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी दाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अण्डा आस्तियों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुवान में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधितियों अर्थात् :—(1) श्री काशी राम एड्स्टेड सुपूत्र श्री नन्द मल और
अवर्स, निवासी 185, वाड़ नं. 10, मोहला
दमदमा, झजर, रोहतक, हरियाणा।
(अन्तरक)(2) श्री सुरेश कुमार गुप्ता सुपूत्र श्री बगराज गुप्ता,
निवासी 27/26, शक्ति नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमध्यधी अविक्षियों पर
सूचना जी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अविक्षित हारा, प्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित गंगे किए जा सकेंगे।

उपर्योग—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्राह वर्दि का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वह अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मूलनियम नं. 437/487, कटरा इक्वर भवन, खारी
बाबली, वाड़ नं. 3, विल्ली।विमल विशेष्य
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्लीदिनांक : 16-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत थाई, टी. एन. एस.-----
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना
भाइत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, 'एच' ब्लौक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नहर दिल्ली

नहर दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एकीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7578--सूचिक मै, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं. 1892, है एवं जो आन्ध्रनी ओक, मैं स्थित
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मैं दिया
गया का पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय मैं दिनांक मार्च,
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाता गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिव
में कमी करने या उससे बचने में तुषिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों अधितः—

(1) श्रीमती रजनी प्रसाद, निवासी-51, फैन्ह
कालोनी, नहर दिल्ली।

(अन्तरित)
(2) श्री सखबीर सरण अग्रवाल एच. यू. - एफ.
निवासी-2003, कर्ता लछु सिंह डा. सेन रोड
फैन्टन, दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यालयांशु करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि नाथ म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षितामारी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपबोक्तरणः—इसमें प्रदृष्ट भव्यों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अन्याय 20-ए में परिवर्तित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में लिया
गया है।

अनुसूची

मुनिसीपल नं. 1892, आन्ध्रनी ओक, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नहर दिल्ली

तारीख 21-11-1981

मोहरः

प्रकाश शाही दीप देव एवं
आवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रोज-11, 'एच' ब्लैक, विकास भवन, इन्डप्रेस्ट स्टेट
नहर विल्ली
नहर विल्ली, दिसंबर 19 ब्रह्मद्वारा 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्टीजीवन-2/एस-आर-1/3-
81/7616—चूंकि मैं, विमल विशेष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); भी भारा
269-व के अधीन सधाम प्राधिकारी को, पहुँच विवाह करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तार सुचित बाजार
मूल्य 25,000/- कम्ये से अधिक है

और जिसकी सं. 11/2805, है एवं जो कुच्छा भेलन, दरिया
गंज, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया का पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981

को नूर्भूक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्तके बृहयमान प्रतिफल से, प्रेसे दृष्टिपान प्रतिफल के पन्द्रह
ग्रामिण से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा
पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया जाया है :—

(1) भी राम शरण द्वास श्रमज्जी भी द्वासा राम
निवासी 2804, कुच्छा भेलन, दरिया गंज, विल्ली
(अन्तरक)
(2) श्रीमती प्रेम लता त्रिपाठी पत्नी राज किशोर त्रिपाठी,
निवासी-2805, कुच्छा भेलन, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के
लिए कार्याद्वयों शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि लालने वाला पूर्ण होती है, के भीतर पूर्णकृत
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति ये द्वितीय
द्वय किसी अन्य अविक्षय द्वारा, अवधिलिखित अविक्षयों के
पाल लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें अवृद्धों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही शार्दूलोग जो इस सम्पत्ति में हिता
माय हैं।

(क) अस्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

ब्रह्मद्वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आदाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन्हीं
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

प्रो. नं. 11/2805, कुच्छा भेलन, दरिया गंज, दिल्ली।

विमल विशेष्ठ
संभव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रोज-11, नहर विल्ली

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
संभीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अवतः :—

तारीख : 19-11-1981
लैटर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, "एच" ब्लैक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं.-3 नि. सं. आ. आ./एक्सीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4310—चूंकि मैं, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. सं अधिक है
और जिसकी सं. एच-93/1, है एवं जो शिवाजी पार्क, ग्राम-
मादीपुर, दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के द्विली
कार्यालय में दिनांक मार्च 1981
के पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरदारी लाल मेहरा सुपुत्र शाम दास मेहरा,
सौ/ओ-सन्ट्रल बैंक बाफ इण्डिया, पठानकटोरे,
पंजाब।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती कमला वती सन्देशा, पत्नी कृष्ण चन्द्र
संघदेश निवासी, एच-93/1, शिवाजी पार्क,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख सद्वदों और पक्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. एच-93/1, शिवाजी पार्क, ग्राम-मादीपुर
दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981

महेश :

प्रख्य आई० दी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नहू दिल्ली

नहू दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संकर्भ-3 नि. स. आ. आ./एकीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/4311—खंडिक मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संरक्षित जिमता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. 6187 से 6189, वार्ड-12, प्लाट नं.-3,
एवं जो ब्लॉक-एफ, कमला नगर, एस/मंडी, में स्थित है
जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया
की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन
पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च 81
को इतने प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित
कर दी गई है

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक
कृप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भ्रमण में हुई किसी आय की वापत उक्त प्रथि-
तिफल के अधीन नहीं है अन्तरण के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1932 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, प्रथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्त:—

(1) श्रीमती महारानी देवी पत्नी हनुमान गीरी, नं.,
डी-43, कमला नगर, दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्री जोगिन्दर सिंह सुप्रत सरलप सिंह
निवासी-8/5, सिंह सभा रोड, विल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही प्रथ होता, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मूलिकीप नं. 6187 से 6189, वार्ड नं. 12, प्लाट नं.
3, ब्लॉक 'एफ' कमला नगर, एस/मंडी, दिल्ली।

विमल विश्वास
सभाम अधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नहू दिल्ली

तारीख : 19-11-1981
मोहर :

उक्त राई-ही १० एवं १८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार
203-व(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग-11, 'एच' इलाका, विकास भवन, हन्द्रप्रस्थ स्टेट
नहूँ दिल्ली

नहूँ दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संखर्म-3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीएस-2/एस-आर-1/3-
81/7538—चूंकि मैं, विभल विशेष,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विल इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन तत्वात् प्राधिकारी को, यह विवरण करने का कारण
है कि लावर नदानि, नियमका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
हजार से अधिक है।

आर-जिसकी सं. 3/7, हूँ एवं जो वेस्ट पटेल नगर, नहूँ दिल्ली
में स्थित हूँ जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16णा)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक
मार्च 1981 को इतने प्रकट प्रतिकाल (आपार्ट कम्प्लीटेशन) पर
हस्तान्तरित कर दी गई है।

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकूल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि याचूपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का
एक्स्ट्रा प्रतिकूल से अधिक है और अलाक (अन्तर्रक्तों)
और अनुरिती (अनुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकूल निम्नान्वित उत्तर से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया तूँ :—

(ब) उक्त राई की वाय की वायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप के
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी उन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें वार्ताव वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए था, जिनमें
सुविधा के लिए;

वर्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधीक्षतः—

(1) श्रीमती राजा व्यारी देहगल, विभवा पत्नी श्री
चूनीलाल सेहगल, लेसी प्रो. नं. 3/7, वेस्ट पटेल
नगर, नहूँ दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द्र सुपूत्र छांगों भल, निवासी-सी-37,
वेस्ट पटेल नगर, नहूँ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित
वार्ताविधिया वरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उत्तमवार्षी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
अधिकारी में से किसी अस्तित्वात;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी भव्य अस्ति द्वारा, अद्योत्तवाक्षरी के पास
प्रिलिपि में लिया जा सके।

उपलोक्त इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के वार्ताव 26-व में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 3/7, वेस्ट पटेल नगर, नहूँ दिल्ली।

विभल विशेष
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग-11, नहूँ दिल्ली

तारीख : 19-11-1981
मोहर ३

प्रकृष्ट बाईं० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-11, "एच" ब्लॉक, विभाग भवन, इन्हेप्रस्थ स्टेट
नहर दिल्ली

नहर दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीटीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7567—चूंकि मैं, विभाग विभाग,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
प के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 3499, है एवं जो फैज बाजार, वरिया
गंज, दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहर दिल्ली
कार्यालय में दिनांक मार्च 1981 को इसने प्रकट प्रतिफल (अपार्टें
कम्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई हैक्वां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कृपा से कठित नहीं किया गया है:—(1) श्री के. के. शर्मा, एलीयास किशन कुमार सुप्रति
ओम प्रकाश, निवासी-3491, कूचा लालमैन,
दिल्ली गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधा देवी पत्नी किरण पंकर शास्त्री,
निवासी-255, दिल्ली गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन और भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क. में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(ब) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की वाक्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोग्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

प्रो. नं. 3499, कूचा मेन, फैज बाजार, वरिया गंज,
नहर दिल्ली।

विभाग विभाग

संक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-11, नहर दिल्ली

जह: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसुचणा
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-376GT/81

तारीख : 19-11-1981

माहूरा

प्ररूप जाह्न. टो. एन. एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री सीरी राम शर्मा, निवासी-डी. सी. एम. क्वाटर नं. 5, बारा हिन्दु राव, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मिस आशा कुमारी अग्रवाल, निवासी-2003,
कटरा लछु सिंह, फैन्टने दिल्ली
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7554--चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2115, 2116, 2117 हैं एवं जो चाह इन्द्रा, जुबली सिनेमा नई दिल्ली में स्थित हैं जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च-1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारेंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वासा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्रे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूर्मिसीपल नं. 2115, 2116 और 2117 चाह इन्द्रा, जुबली सिनेमा, दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख : 12-11-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री इकबाल नाथ, सुपत्र श्री दीना नाथ, बी-82,
वृजीर पुर इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी, पत्नी सुरज भान, निवासी-
कोठी नं. 15, रोड नं. 6, बैजाबी बाग, दिल्ली
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आर-1/3-
81/7644-ए—चूंकि मैं, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है:-

और जिसकी संख्या बी-82, 90/100 है एवं जो वजीरपुर
इन्डस्ट्रीयल एरिया दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च-81 को इतने प्रकट प्रतिफल
(अपार्टें कंसीडेरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है।
को पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

के यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

90/100, प्लाट नं. 82, वजीपुर, इन्डस्ट्रीयल एरिया,
दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-11, नई दिल्ली

तारीख : 12-11-1981
माहर :

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नहूं दिल्ली

नहूं दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्टीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4323--बूँकि भौं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
69-ग के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-होलम्बी लुद्दी,
में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी दिल्ली कार्यालय में
दिनांक भारा-81 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारांट कन्सीडरेशन)
पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को प्रयुक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरुण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हूँ लिखी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) दूसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जानी था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्--

(1) श्री राम पत और मांशी सुपुत्र जीत राम, ग्राम-होलम्बी
लुद्दी, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जीत कौर पत्नी महीपाल सिंह, निवासी-
ग्राम-बलीपुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-होलम्बी लुद्दी, दिल्ली।

विमल विश्वास
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-11, नहूं दिल्ली

तारीख : 19-11-1981
मोहूर श्री

प्रस्तुत बाबू, दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुनिकार

(1) श्रीमती पवना पंजाबी पत्नी श्री ओम प्रकाश पंजाबी, निवासी-1870-बी, श्रीनगर, दिल्ली
(अन्तरक)
(2) श्री राजेन्द्र कुमार सुप्रत्न श्री हरी शंकर, निवासी-88-ए, कमला नगर, दिल्ली
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7597—चूंकि मैं, विमल विश्वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 6514, सोप नं. 2, वार्ड-12, एवं जो कमला नगर, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च-81, को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सिलेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि दूर्यमान संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूंह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आयोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अद्युत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिलसिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सोप नं. 2, पी. नं. 6514, वार्ड-12, कमला नगर, दिल्ली।

अनुसूची

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981
माहर :

प्रृष्ठ पाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-1/3-81/7576-धूंकि में, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सकाम ग्राहिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1892, है एवं जो आनंदनी चीक, में स्थित
है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में विद्या
गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च-
81, को इतने प्रकट प्रतिफल (अपारांट कन्सीडेरेशन) पर
हस्तान्तरित कर दी गई है
को प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अधारित :—

(1) श्री महाबीर प्रसाद, निवासी-51, फेन्डस कालोनी.
नई दिल्ली

(अन्तरिती)
(2) श्री सुखबीर सरण अग्रवाल एच-यू-एफ, निवासी-
2003, कर्ता लछु सिंह फॉन्टेन, दिल्ली
(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुनिसीपल नं. 1892, चान्दनी चौक, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, 'एच' ब्लौक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ-3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/3-
81/4336—चूंकि मैं, विमल विशेष्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम-पालम, किला
नं. 3 और 4, में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली
कार्यालय में दिनांक मार्च-81, को इतने प्रकट प्रतिफल अपा-
र्टमेंट्स कानूनीहोरेशन) पर हस्तालित कर दी गई है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

(1) श्री जग लाल और जग लाल सुपुत्र गोवर्धन, निवासी-
ग्राम पालम, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत कुमार डेय, सुपुत्र एल. सी. एच. डे,
निवासी-11/6, मालविदा नगर एक्स., नई
दिल्ली

(अन्तरक)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी आवश्यकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि किला नं. 3 और 4, ग्राम-पालम, नई दिल्ली ।

विमल विशेष्य
सक्षम आधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख : 19-11-1981
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रु०-11, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/
3-81/4376—चूंकि मैं, विमल विशेष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम टिकरी कलां में
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय
में दिनांक मार्च, 1981 को इन्हें प्रकट प्रतिफल (अपारेंट
कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है

को खूबीकर्ता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पूर्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीरती
(अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री राम धारी सूपुत्र जेत राम, ग्राम और पोस्ट
टिकरी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता देवी पत्नी इम्पर तिंह, निवासी
डल्ली, जड़-1817, मुल्तानी मोहल्ला, दिल्ली।
(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूछोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूछोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम टिकरी कलां, दिल्ली।

विमल विशेष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रु०-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981

मोहर :

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुप आर्द्ध. ट्री. एन. एस. ——————

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन दुर्ज-11, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नहर दिल्ली

नहर दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/
3-81/4324—चूकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन पंजीकरण अधिनियम 1908 का अधीन यह विषयात् करने का
कारण है कि स्थानीय समाज, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैजिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम होलम्बी लॉर्ड में
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण जनसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय
में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (विपारीट
कंसीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई हैजो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात्
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
क्षम निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कौपित गढ़ी किया गया है:—(क) अन्तरण से हड्ड किसी आय की बाबत, उक्त संपत्ति के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
संपत्ति, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;बहु: बहु, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसर
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ५—
—37601/51(1) श्री राम पाल और मंशी सूपूत्र जीत राम, ग्राम
होलम्बी लॉर्ड, दिल्ली।(अन्तरक)
(2) श्री महिपाल सिंह सूपूत्र धरम सिंह, निवासी
ग्राम अलीपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी मानेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में ग्रामान की तारीख से 45
दिन भी अवधि या तस्मयन्वय व्यक्तियों पर सूचना
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में ग्रामान की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध विद्यु शन्य द्वितीय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा रहें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्बिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम होलम्बी लॉर्ड, दिल्ली।

विमल विश्वास
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
बर्जन दुर्ज-2, नहर दिल्लीदिनांक 19-11-1981
मोहर :

महम आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, "एस" ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीएन-2/एस-आर-2/
3-81/4325—पूर्कि में, विश्व विशेष,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है और
जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम होलम्बी खुदर्द में
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनंतरी
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के विली कार्यालय
में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टें
कंसीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री राम पाल और मुंशी सुपुत्र जीत राम, ग्राम
होलम्बी खुदर्द, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. ओगीन्द्र सिंह सुपुत्र राम पत और
राहुताश सिंह सुपुत्र मुंशी राम, निवासी होलम्बी
खुदर्द, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

मनूसूची

कृषि भूमि ग्राम होलम्बी खुदर्द, दिल्ली।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तायों
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

विमल विशेष
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

दिनांक : 19-11-1981
माहेर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) को अधीन सूचना

प्रारंभ संरक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, "एच" ब्लूक, विकास भवन, इन्डप्रस्थ स्टेट
नहर दिल्ली

नहर दिल्ली, विनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन-2/एस-आर-2/
3-81/4367—चूंकि मैं, विमल विशेष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है और

जिसकी संस्था डब्ल्यू. जेड. 125-ए है एवं जो नारायण,
दिल्ली राज्य में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के दिल्ली कार्यालय में विनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपारंट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है की

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितिश) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्रम से काम कर्ता किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वापित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री महेश चन्द्र सुपुत्र विन्दा मल, निवासी—शेरे
पंजाब मार्केट, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री जी. एस. भाटीया सुपुत्र एच. एस. भाटीया,
डी-26, नारायण विहार, नहर दिल्ली।

(अंतिमिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी द्वारा
पास लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. डब्ल्यू. जेड. 125-ए, नारायण, दिल्ली।

विमल विशेष
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-2, नहर दिल्ली

विनांक : 19-11-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकृष्ट शाहौ. टी. पर. एस. ——

बान्तरक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, हम्प्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सवीजीशन-2/एस-आर-2/
3-81/4358—चूंकि मैं, विमल विश्वास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है और

जिसकी संख्या प्लाट नं. 25/6 है एवं जो तिलक नगर,
नई दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के दिल्ली कार्यालय में दिनांक मार्च, 1981 को इतने प्रकट
प्रतिफल (अपार्ट कन्सीडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई
है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ज्ञा
नमान प्रतिष्ठात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरक द्वारा उत्तराधिकारी के
पास दिया जाना चाहिए तथा उसके अन्तरुण हिसाइड में वास्तुपूर्ण
मूल्य का अधिक नहीं (क्योंकि यह है) —

(ए) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की धारत उपर अधिक-
नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के वारियर में
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
जीर्ण/धा

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आत्मत्यों
के, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा
या या किया जाना चाहिए था, जिसने ने सुविधा
के लिए:

कहा था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुहार
है, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुपार (1)
के अधीन, विभूतिपूर्ण अविकृति, वर्तमान—

(1) श्री धूमन लाल और श्री. ए. श्रीमती सीता श्री
सेठी, निवासी 23/76-नी, तिलक नगर, नई
दिल्ली।

(बन्तरक)

(2) श्रीमती उषा श्री श्रीमती सुभाष चन्द्र, निवासी
17/41-ए, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाती करते पूर्णपूर्ण अन्तरित के वर्तमान में विक-
ारवाहियों सुन करता है।

इनके अन्तरित के वर्तमान में कोई भी बाल्फू—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील तक 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों तर यूनान
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस गृहस्थ के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर अन्तरित में हृष्ट-
मूल्य (किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के जैसे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया
जया है।

लाल

प्लाट नं. 25/6, तिलक नगर, नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 19-11-1981
नोटर : —

श्रावण पार्वती दीप एवं एस—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (नियोजित)

स्वास्थ्य रक्षण 'प्रकृति' न्यूक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ रोड
नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन-2/एस-आइ-2/
3-81/4364—चूंकि मैं, विकास विवरण,
आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विहे इसमें
इसके प्रधीन 'उचित अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-वा
के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, वह विवास बरते जा कारण
तैयारी की स्थान सम्पत्ति, विवास उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है और

जिसकी संस्था कृषि भूमि है एवं जो ग्राम होलम्बी लूद्दी में
स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय
में विनांक मार्च, 1981 को इन्हें प्रकट प्रतिफल (अपाराटे
कन्सिडरेशन) पर हस्तान्तरित कर दी गई है
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वा उत्तमात्मा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास
बरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उचित सूचना दी जाए तो, एवं उपर्यात प्रतिफल का
पन्द्रह वर्षावाले अधिक दूर और अन्तररक्ष (अन्तररक्ष)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तररक्ष के लिए
तब पाता जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य है उचित अन्तररक्ष
विविध में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तररक्ष से हुई किसी आय की बाबत उचित
अधिनियम के प्रधीन बर देने के अन्तररक्ष के
साथसाथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रधीनतावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना आविष्ट या, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उचित अधिनियम की धारा 269-वा की स्वरूप (1)
में, उचित अधिनियम की धारा 269-वा की स्वरूप (1)
के समैक्य, विवासिवित अधिकारी, अन्तररक्ष द्वारा

(1) श्री शेर सिंह एलीयस शेरु सुप्रति बगान, निवासी
ग्राम होलम्बी लूद्दी, दिल्ली।

(अन्तररक्ष)

(2) श्री मंशी राम और रामपत सुप्रति भी धीर राम,
निवासी ग्राम होलम्बी लूद्दी, दिल्ली।

(अन्तररक्ष)

जो वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बाद के लिए
कारंबाहिती करता है।

उचित सम्पत्ति के बर्बाद के संबंध में कोई भी वादेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि वा तस्मान्त्वी अविक्षितों पर सूचनाएँ की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के धीर दूरोक्त अविक्षितों में से
किसी अविक्षित द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रथम अविक्षित द्वारा विवासी के पास
सिवित में किए जा सकें।

लक्ष्मीनारायणः—इसमें प्रवृक्त कम्बों और पदों का, जो उचित
अधिनियम के अठवाय 269-वा परिपालित
हैं, वही जर्य होता, जो उचित अवधि में
दिया जाया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम होलम्बी लूद्दी, दिल्ली।

विमल विवरण
सहायक आवकर आयुक्त (नियोजित)
अन्तररक्ष-2, नई दिल्ली

दिनांक 3 19-11-1981
संस्करण

प्रत्यप आइ. डी. एन. पट्टम्पल्लीपुरम्

1. श्री अब्दुल्लाह

(अंतर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री जिक्र एसेक।

(अंतर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, एरणाकुलम्, कोणिक्कन-16
एरणाकुलम्, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निवेदा सं. एल. सी. 544/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. मार्गि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है और

जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, निकावकरा तेक्के
में स्थित है (और इससे उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एडप्पलि मे
रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
26-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है—

कौन यह सूचना आई करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी की
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
टीड/वा

मुद्रित

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आवश्यक नहीं था, जिसने में सुविधा
के लिए;

19.229 cents of land in Sy. No. 637/5 of Puttampallipuram
Kare Thukkakare Thekku Pakutu of Kanayannor Taluk.

टी. जेड. मार्गि
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आवृत्त (निरीक्षण)
अर्जन द्वारा, एरणाकुलम्

तारीख: 16-11-1981

मोहर

अतः बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प की अनुसन्धि
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जितः—

प्र० बाईं दी० प्र० ए०—

१. श्री ए० ए० करीम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

२. श्री जिकू एस०क।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम, कोम्प्लेक्स-16

हरणाकुलम, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निदेश सं. एल. सी. 545/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. मार्गि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृश्यके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो निकाकरा तेक
में स्थित है (और इससे उपावद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एडप्टेल मे
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 26-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कर से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे कानून वे
कमी करने या उससे बचने में सुविधा है जिस
मौजूदा/वा

अनुसूची

(ल) एसे किसी भाव या किसी भूमि या जन्म आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
है जिस;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिप
कार्यालयों कहता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
द्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधारोहस्ताक्षरी के
पास निम्निकृत में किए जा सकेंगे।

तथाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

20 cents of land in Survey No. 637/5 of Puthupallipuram
Kara, Thrikkakra Thekkumpakutty of Kanayannoor Taluk.

टी. जेड. मार्गि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारीख: 16-11-1981

मंदिर:

प्रकल्प धार्मिक दौ० एन० एस०—

भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदाएँ

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशण)

बजेंटन रोड, विहार, पटना

पटना, दिसंबर 20 नवम्बर 1981

निवैक्स सं. 111/जर्जन/81-82—जर्जन: मुझे, दूर्दय नामायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दूर्दय की पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

लौर जिसकी सं. सौंजी सं. 5854, थाना सं. 17, लाता सं. 174 लेसरा सं. 414 है तथा, जो सिकन्दरपुर महाल रस्तमपुर थानापुर थाना थानापुर जिला पटना में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण का 16) के अधीन तारीख 19-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूर्दयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्दयमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्दयमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रमात्रक (प्रमात्रकों) और प्रमात्रिती (प्रमात्रितियों) के बीच देते अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमात्रण सिद्धित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तर्मुख से दूर्दय किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक से अंतिम में कमी करने या उनसे लंबाएँ में सुविधा के लिए; और/या

(ख) हेसी किसी आप या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

मान्यता: उक्त प्रमात्रण की आदा 269-व के अनुसार वें, मैं उक्त अधिनियम की आदा 269-व की अनुसार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विमला जायसवाल जौजु श्री लालजी जायसवाल निवासी साकिन गामतल, दानापुर, थाना थानापुर जिला पटना।

(अन्तरक)

2. गुप्ता द्वेष्टर थैन बन भाफ दी डायरेक्टर श्री कृष्ण भगवान गुप्ता बल्द श्री सोहन लाल जी गुप्ता निवासी साकिन 210 पाटलीपुरा कालोनी, पश्चिम-पाटलीपुरा कालोनी, जिला-पटना।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आदे उक्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के विषय कार्यवाहियों द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में जोर्ड भी आज्ञेप।—

(क) इस सूचना के उक्त सम्बन्ध में वार्ता शी तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तर्वर्द्धी व्यक्तियों पर मूल्यानुसार लापील से 30 दिन भी अवधि, और भी अवधि द्वाद ते द्वावास्त शी तो ते शीत प्रार्थीन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उक्त सम्बन्ध में वार्ता शी तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उन्नति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

सम्पत्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 व में परिभ्रान्ति है, वही प्रार्थी द्वारा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन का रक्का 22 डीसम्बर जो माजा सिकन्दरपुर महाल रस्तमपुर थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से वरिसका संख्या 1144 विनाक 14-3-1981 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन अबर निबंधक पदाधिकारी दानापुर इवारा सम्पन्न हुआ है।

दूर्दय नारायण
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निर्देशण)
बजेंटन रोड, विहार, पटना

तारीख: 20-11-1981
मार्क्युल

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निम्नोंका सं. 111/523/अर्जन/81-82—अतः, मुझे, दृश्य
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. ताजी सं. 5854, धारा सं. 17, खाता सं.
174 लेसरा सं. 414 है तथा, जो सिकन्दरपुर महाल रस्तमपुर
शाहपुर धाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 3-3-1981

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-376G1/81

1. श्री शंकर दास श्रेष्ठता-बल्द-स्व. श्री नारायण महेता
निवासी साकिन गम्भ तल तरकारिया बाजार दानापुर
पत्रालय-दीधा, जिला पटना।
(अन्तरक)

2. गुप्ता द्वेष्टर्स थूं वन आफ दी डायरेक्टर श्री कृष्ण
भणवान गुप्ता बल्द श्री सोहन लाल जी गुप्ता निवासी
साकिन 210 पाटलीपुत्रा कालोनी, पत्रालय-पाटलीपुत्रा
कालोनी, जिला-पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्लेज़:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितेजदा,
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्का 22 डीसम्बर जो मौजा सिकन्दरपुर महाल
रस्तमपुर शाहपुर धाना दानापुर जिला पटना में स्थित है तथा
पूर्णसंरूप से वसिसका सं. 924 दिनांक 3-3-1981 में वर्णित है
एवं जिसका निर्बंधन अब निर्बंधक पदाधिकारी दानापुर द्वारा
सम्पन्न हुआ है।

दृश्य नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, बिहार, पटना

तारीख : 20-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आहू. टी. एन. एस. —

भाष्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 16 नवम्बर 1981

निदेश सं. ए. पी. नं. 2829—यतः, मुझे,
जे. एस. आहलवालिया

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
अगी, ताहि. नकोदर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है श्री भुज यह विश्वास
करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यूनतम प्रतिशत से अधिक है और अनुरोध (अन्तर्को) और
अन्तरिनी (प्रन्तरितियों) के बीच दोनों अनुरोध के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता प्रभारण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित रही किया गया है:—

(ल) प्रभारण ने दूई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के व्यापिक्ष में
कपी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(म) एसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
से जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
प्रदून्न प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनावानी द्वारा प्रदून्न नहीं किया
गया था या किया जाना जाता था, छिपान
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त कार्यालय, को धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जगदीश्वर सहाये पुत्र जवाला महाये वासी गांव अगी,
ताहि. नकोदर।

(अन्तरक)

2. श्री बचन सिंह पुत्र सुदागर सिंह वासी गांव अगी,
ताहि. नकोदर।

(अन्तरिनी)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रजिस्ट्री रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण्य में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूल्यानी की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में फ़िरे जा सकेंगे।

इष्टोहरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों भार तदि का, जो 350
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3143 दिनांक
मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

जे. एस. आहलवालिया

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालंधर

तारीख : 16-11-1981

माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश सं. ए. वी. 2830—यतः, मूर्ख, जे. एस. अहलवालिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबृथ अनुसूची में और पूर्ण स्थ भूमि वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

के पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापन्नकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य गं उक्त अन्तरण लिमिट में वास्तविक स्थ भूमि के कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात्:—

1. श्री हरबीर सिंह राजबीर सिंह पत्र जोगन्दर सिंह जोगन्दर सिंह पुत्र विश्वन सिंह व बेटां कीर पत्नी जोगन्दर सिंह, वासी गार्डन कालानी, जालंधर। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरमिंदर गिल पत्नी गुरदिलत मिंह व गुरदिलत सिंह गिल पुत्र सिंगारा सिंह, वासी, 429-मोता सिंह नगर जालंधर। (अन्तरीती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में वधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबृथ है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8054 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, जालंधर

तारीख: 13-11-1981

मोहर:

प्रस्तुप नाम० दी० एम० एस०—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोर्पोरेशन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

मिवेश नं. ए. पी. 2831—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव किंगरु में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
की कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः ।—

1. हरबीर सिंह राजबीर सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह व
जोगिन्द्र सिंह पुत्र विश्वास सिंह व वंशजकार पत्नी
'जोगिन्द्र सिंह वासी गाड़न' कालोनी-जालंधर।
(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार धीर पुत्र दीवान गुरखरण दास,
आज्ञा सिंह पुत्र हुक्म सिंह, 429-मोता सिंह नगर
जालंधर व उधमसंदेह पुत्र मंगत राम वासी 104/5,
प्रीत नगर, लालोवाली रोड जालंधर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को 'यह सूचना' जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8241, दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालंधर

तारीख: 13-11-1981
माहर:

प्रकल्प बाहर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा

269-प(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक १३ नवम्बर १९८१

निवेश नं.ए. पी. २८३२—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,आयकर प्रबिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा २६९-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
लाख से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मांब किंगरु में स्थित है (और इससे उपावधि अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८
(१९०८ का १६) के अधीन, तारीख मार्च १९८१
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे, दृश्यमान प्रतिफल का
पाछाहु प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रबिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर प्रबिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर प्रबिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की आरा २६९-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-प की उपधारा (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ८—

१. श्री हरबीर सिंह राजबीर सिंह पुत्र जोगिन्द्र व जोगिन्द्र
सिंह पुत्र बिशन सिंह व अंतर के पत्नी जोगिन्द्र
सिंह वासी गाड़न कालोनी जालंधर।

(अन्तरक)

२. श्री राजकिशन पुरी पुत्र हरीकिशन वासी शालीभार
रेड कपुरथला व श्रीमति गरबचन कौर पत्नी गुर-
दयाल सिंह वासी नवी हावली, हकीमांगेट, अमृतसर।
(अन्तरिती)

३. जैसा कि उपर नं. २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में संपत्ति है)

४. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहके :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रबिनियम के अध्याय २०-क में परिमाचित हैं,
वही वर्थे होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. ८११९ दिनांक मार्च
१९८१ को रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी जालंधर में लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालंधर

तारीख : १३-११-१९८१
मोहर :

प्रख्य आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवाश नं. ए. पी. 2833—यतः मुझे, जे. एस. आहलवालीया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्च अधीनियम' कहा गया है), की धारा 269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो प्रताप कालानी जालंधर में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

के, पूर्वोक्त सम्पादित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घारण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसके आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र वंतमासिंह वासी गांव जिन्डआला, तहिं : व जिला-जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार दत्ता पुत्र प्यारा लाल वासी गांव हंदिआबाद, तह. फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्तित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महान् शुभी

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखे नं. 7583 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. प्री. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालंधर

तारीख : 13-11-1981

माहर :

प्रस्तुप बाहू. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रॉज़, जानंदर

जालंधर, विनांक 13 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. 2834—यतः मूँझे, जे. एस.
आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उत्तराधार मूल्य
25,000/- रु. सं अधिक है'

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है नथा जो
प्रताप कालानी जालंधर में स्थित है (अौ छानसे उपरान्ध अल-
सूची में और पूर्ण संघ में वर्णित है), रजिस्ट्रीमॉर्ट अधिकारी
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रियर अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
पर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रीलिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रीलिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रीलिफल का
पन्द्ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तर्गती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
दन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिस आन जानिया था द्वारा रूप
संविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीनम रिंह पूर्व बहनमिंह दामी गांव नगरिजाला,
लहौ : द जिले-जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री यतीक कुमार दक्षा पूर्व प्यारा लाल वामी गांव
हाविराबाद, लहौ: लगवाल।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके प्रवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि काद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवोंक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 149, दिनांक
अप्रैल 1981 का रजिस्ट्री जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
मध्यम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़ जालंधर

तारीख : 13-11-1981

माहूर :

प्रकृष्ट आई० टी० ६०० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. 2835—यतः मझे, जे. एस.
आहुलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव सिंध में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पञ्चांशित अधिनियम से उक्त अन्तरित संपत्ति में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य को अधीन कर रखने के अन्तरक की वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर रखने के अन्तरक की वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः:—

1. श्री असीटा सिंह उर्फ बलदीनद सिंह द बूदा सिंह उर्फ
जोगिन्द्र सिंह पुत्र भगत सिंह वासी गांव सिंध तहिं
जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र सिंह, सुखदीनद सिंह पुत्र मन्त्यार सिंह,
वासी, गांव सिंध तहिं : जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानकारी है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीन करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मान्यता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तिः
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अभुत्तुली

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7910, दिनांक
मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहुलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2836—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गांव रिंग में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रातशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी [करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या]

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अप्रसितियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिनाने
में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---
8-376GI81

1. श्री घसीटा सिंह उर्फ दलविन्द्र सिंह व बूटा सिंह उर्फ
जोगिन्द्र सिंह पृथि भगत सिंह वासी गांव सिंध तहिं
जालंधर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सरिन्दर कार पत्नी कुलतार सिंह,
वासी गांव सिंध तहिं : जालंधर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय दस्तावेज़ दर्ता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संधी करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8095 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2837—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी भं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
न्यू विजय नगर जालंधर में स्थित है (और इससे उपादान अनु-
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कैलाश चंद्र पुत्र हरी किशन वासी 230-आवर्ष
नगर, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र अमीर सिंह गार्फत बी. आर.
इन्डस्ट्रीज, दादा कालोनी, इन्डस्ट्रीयल एरिया जालंधर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

यह सूचना आरी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहै भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विवेद नं. 7652 दिनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालंधर

जालंधर, विनांक 13 नवम्बर 1981

निषेध नं. ए. पी. 2838—यतः मुझे, जे. एस.,
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
परागपुर में स्थित है (और इससे इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
की कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्णरूप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे अनुसूचने में सूचिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिभा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तर्तु:—

1. श्री चरन सिंह पुत्र जावन्द सिंह वासी गांव परागपुर,
ताहि व जिला जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री नावर सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी गांव परागपुर,
ताहि व जिला जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7419 विनांक मार्च
1981 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, जालंधर

तारीख: 13-11-1981

मोहर

प्र० श्री अर्जन रंजन राजनीति विभाग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंजन, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2839—यतः मुझे, जे. एस. उपर्युक्त आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो परागपुर में स्थित है (और इसमें उपावदध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य गारितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अरन सिंह पुत्र जावंद सिंह गांव परागपुर तहसील व जिला जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री जरनैल सिंह, भजन सिंह तथा अवतार सिंह पुत्र नाजर सिंह, वासी गांव परागपुर, तहसील व जिला जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितब्रह्म है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

संपत्ति सभा व्यक्ति जैसा कि विलंब नं. 7588 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया
सक्षम प्राधिकारी
इयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंजन, जालंधर

तारीख : 13-11-1981
मुद्रित

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश नं. प. पी. 2840—पत: मुझे, जे. एस. आहलुवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती परिदाद खान जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत: मह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

१. श्री चमम लाल, सोहन लाल पूर्ण बेटी राम बासी, बस्ती, पीर दाद खान, जालंधर।

(अन्तरक)

२. एम. एस. विजय रबर इन्डस्ट्रीज, बस्ती ने, जालंधर, मार्फत श्री आम प्रकाश पार्टनर आफ दी कर्म।

(अन्तरिती)

३. जैसा कि उपर नं. २, में लिखा है।
(वह अवित्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपी रखता है।
(वह अवित्त, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8319 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 13-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदृश नं. ए. पी. 2841—यतः मुझे, जे. एस.,
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती ज्ञेय, जालंधर में स्थित है (और इससे उपायदृष्ट
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ तिसी आय की बाबत, उक्ता
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवृह था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी उमरजो सिंह, वासी
गांव बड़ाला, तीह, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रमजीत कौर पत्नी मनमोहन सिंह व
मनमोहन सिंह पुत्र सोभा सिंह, वासी डल्लू. क्यू.
143, बस्ती ज्ञेय, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सभा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 8020
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने
लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्र० रुपा आई० दी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवेदन नं. ए. पी. 2842—यतः मूर्ख, जे. एस.
आहलुवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं। जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेष, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का
संक्षिप्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः [ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; घर्षतः—

1. श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी उमराओं सिंह, वासी गांव बड़ाना, तहि. जालंधर।
(अन्तरक)
2. श्रीमती हरबीर कौर पत्नी मोहिन्दर सिंह, वासी बस्ती शेष, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्यं दोगा, जो उस धन्याय में दिवा धर्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7422, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

जे. एस. आहलुवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॅज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निवेश नं. ए. पी. 2843—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सभी प्राप्तकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेष, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशात्रा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्री बल्लादर सिंह पुत्र सतनाम सिंह व सुरेन्द्र
कौर पत्नी उमराओं सिंह व अमरजीत सिंह पुत्र
उमराओं सिंह, वासी गोथ बड़ाला, तहिं।
जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री बिक्रमजीत सिंह पुत्र जीत सिंह व सतवंत
कौर पुत्री जीत सिंह, वासी 413, माडल हाउस,
जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों कहुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के द्वायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमें स्थित व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के द्वायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकता:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7423,
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालंधर ने
लिखा है।

जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981

मोहर :

प्रृष्ठ प आइ.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मंत्रिकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, जालंधर

जालंधर, विनांक 13 नवम्बर 1981

निवेदित नं. ए. पी. 2844—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 437) (जिसे इससे
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है औरजिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
वस्ती शेष, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नहृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृहृ किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या(ब) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
के, जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचित के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—376GI/811. श्री बख्तावर सिंह पुत्र सतनाम सिंह व सूरिन्द्र
कौर पत्नी उमराओ मिंह व अमरजीत सिंह पुत्र
उमराओ सिंह, वासी गांव बड़ाला, तहि. :
जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतनाम कौर पत्नी हरभजन सिंह, वासी
डब्ल्यू. पी. 156, वस्ती शेष, जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7424,
विनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर नं
लिखा है।जे. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़, जालंधरतारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निक्षेप नं. प्र. पी. 2845—यतः मुझे, जे. एस.
आहलवालीया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेष, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावदध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंदे से दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/मा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

1. श्री उमराओ सिंह पुत्र बहुतावर सिंह व श्रीमती
सुरिन्द्र कौर पत्नी उमराओ सिंह, गांव बड़ाला,
तीहे, जालंधर।
(अन्तरक)
2. श्री बलबीर सिंह, इन्द्रपोहन सिंह पुत्र सजन सिंह,
बासी डल्लू, एस. 65, बस्ती शेष, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

कर्ते यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की ववधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7421,
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने
लिखा है।

— प्र. एस. आहलवालीया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्रकृत प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजू, जालंधर

जालंधर, विनांक 13 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. ए. पी. 2846—यतः मुझे, जे. एस.
आहुलवालीया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य भे उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रकृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधित्यों, अवैत्।—

1. श्री उमराओ सिंह पुत्र बस्ताकर सिंह, वासी गांव बड़ाला, तहिं. जालंधर।
(अन्तरक)
2. श्री चरनजीत सिंह, राविन्द्र जीत सिंह पुत्र हरभजन सिंह, वासी डब्ल्यू. पी. 156, बस्ती देश, जालंधर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपित रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्सवंधी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 7463,
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी जालंधर ने
लिखा है।

जे. एस. आहुलवालीया
सभम् प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजू, जालंधर।

तारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्रूफ बाइ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निदेश नं. ए. पी. 2847—यतः मुझे, आर. गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हाँशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाँशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया जाय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मह: नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्---

1. श्री रूप लाल पुत्र बैज माथ, वासी गीता मंदिर, नई आबादी, हाँशियारपुर।
(अन्तरक)
2. श्री बलदेव कुमार पुत्र सरैती राम मार्फत मंसरज नथुराम, सरैती राम, बाल बाजार, हाँशियारपुर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया गुण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि दिलेख नं. 4908, दिनांक मार्च, 1981, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हाँशियारपुर में लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालंधर

तारीख : 23-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत ग्राही ० टी० एम० एस०—

प्रधानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2852—यतः मुझे, आर.
गिरधर,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मण्डी अबोहर में स्थित है (और इसमें उपायदृष्टि अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) हें बोने रेटे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक
रूप से अनिवार्य नहीं किया जाया है।—1. श्री शेरजंग पुत्र राम नरेन, गांव दोगंरां वाली,
तहि. : फाजिलका।

(अन्तरक)

2. श्री जै किशन पुत्र चाननलाल, वासी मण्डी,
अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रजिस्ट्रेशन करता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिचालित
है, वही ग्रथ्य होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि लिखे नं. 3878,
दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में
लिखा है।(क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;आर. गिरधर
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, जालंधरवक्त: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के प्रमुखरूप
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन, गिर्वालीचित व्यक्तियों, अर्थात्:—तारीख: 23-11-1981
मोहर:

प्रकृष्ट बाईं टी० एस० एस०-----
प्राविकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा की

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंग, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2863—यतः मुझे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, तो से दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अमरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीधे ग्रंथनक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित रूप से उक्त पन्तरण लिखित पंक्ति वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण में कुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ब) ऐसो हिसी आय या किसी धन या भ्रन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतोप्र आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजा राम, पृथी राज, केवल कृष्ण, मोहन लाल पुत्र मोहकम चंद, वासी फाजिलका।
(अन्तरक)
2. श्री हंस राज पुत्र नरेण वास, वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि इखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम अविक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य अविक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिवारित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसनी

सम्पत्ति तथा अविक्ति जैसा कि विलेख नं. 4304, विनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकरी अधिकारी फाजिलका ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंग, जालंधर

तारीख : 23-11-1981

माहूर :

प्रकृष्ट शाहौं, टी. एन. एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, विनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2879—यतः मुझे, आर.
 गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
 फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची
 में और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के
 कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने के कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाइं किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
 के लिए; और/वा

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य आमिलियों
 को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 77)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था लिंगान में
 सुविधा के लिए;

1 श्री शांती मल्हप पृथि फकीर छत्ते, मुद्रण कमारी
 पत्नी सुरिन्द्र कमार, वासी मानवीय नगर, नई
 विली, श्री नरन्द्र नाथ, पृथि फकीर चंद, श्रीमती
 उषा रावल पृथि फकीर चंद, रमेश कमार पृथि
 फकीर चंद, वासी गोविन्द गढ़ बुआरा सतिया
 मीरा पत्नी रमेश कमार, वासी गोविन्द गढ़, तीहि.
 अमलोह।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक मुगा, अनिल मुगा पुत्र मनोहर लाल
 मुगा मार्फत और/एस, सलामत राज मनोहर
 लाल, फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहने वाला है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यदातियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

लिखितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो 'जक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
 है, वही वर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 6975, विनांक
 मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकरी अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा
 है।

आर. गिरधर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, जालंधर

अतः शब्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 23-11-1981
 मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2880—यतः मःके, आर. गिरधर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मण्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981 को पूर्णस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वायित्व में कमी करने या उससे उक्त में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोपत राय पुत्र कालू राम, आसी गली नं. 7, सकान नं. 1311, मण्डी अबोहर।
(अन्तरक)
2. श्री भीम सैन सचदेवा पुत्र मिलसी राम, वासी गली नं. 2, ठाकर आबादी, अबोहर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए कार्यबाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से हिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का जो उक्त प्रधिनियम के ग्रन्थाय-20क में परिभाषित है, वही ग्रन्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 4037, दिनांक मार्च, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

अ.र. गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज, जालंधर

तारीख : 23-11-1981

सोहर :

प्रस्तुप शाहै. टी. एन. एस. -----

(1) पारबती आनंद राम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) राम जी रहिमा वी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1981

निदेश सं. 16263—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 20, पूरम प्रकाश राव रोड, बालाजी नगर एक्सटॉफेन है तथा जो मद्रास-14 में स्थित है (और इसमें उपावदेश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकूमेंट सं. 451/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा आय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अनिवार्य में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(क्ष) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भूमि और निर्माण-20, पूरम प्रकाश राव रोड, बालाजी नगर एक्सटॉफेन मद्रास-14 (डाकूमेंट सं. 451/81)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-11, मद्रास

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—376GI/81

तारीख : 17-11-1981
मोहर :

प्रकृत प्राईडी० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) मै. जीवनलाल (1929) लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) अन्तपलम अम्माल चार्ट्टर्डीम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 नवम्बर 1981

निदेश सं. 103/मार्च/81—यतः मःके, आर. रवि-
चन्द्रन,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उत्तर प्रधिनियम' हारा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा. यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रितीय विवाही वारा मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं. डोर सं. 18, 19 और 20 है तथा जो
गोल्लवार अगरहारम रोड, मद्रास-21 (डाकूमेंट सं. 477/
81) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुरम
मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 31-3-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित ही गई है पौर पुर्खे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति द्वा. उचित वाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रमत्रिती (अन्तरिती)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा यादा यादा प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि फिसो आय को वायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसे इन में पुर्दिया हु लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी द्वा. या प्रत्ये आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) द्वा. उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वा. 1 प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना दिया या लिपाने में मुविद्या के लिए;

अन: आर. उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की संधारा (1)
श्रु अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात:—

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना दी तामील ते 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में विपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किमी प्रथम व्यक्ति द्वारा प्रयोग्यावाही के रास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रथम 20-क में परिभाषित हैं, वही
ज्यवं दीया, जो उम अहयाय में दिया गया है।

मृत्यु

भूमि और निर्माण, डोर सं. 18, 19 और 20,
गोल्लवार अगरहारम रोड, मद्रास-21 (डाकूमेंट सं. 477/
81)।

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रोज़-1, मद्रास

तारीख : 17-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेरि. तिम्मा नरसिंहा जायलक्षण्यि वरमा द्रुस्ट
(अन्तरक)आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री एम. एस. रामचन्द्रन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, मद्रास

मद्रास, विनाक 13 नवम्बर 1981

निवेदा सं. 88/मार्च/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है औरऔर जिसकी सं. एस. सं. 203/1 (वार्ड सं. 13) है
तथा जो मन्त्रारकोट्टे रोड, साट्टूर (डाकमेंट सं. 792/
81) में स्थित है (और इससे उपावद्वय में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय साट्टूर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 30-3-1981को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिल में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए और/या;(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
प्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ब के अनुसरण
में, मेरि. उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ब की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों अर्थात्:—को यह सूचना जारी नहीं पूर्वोक्त प्रधानि + प्रहंग के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मम्पति के प्रधीन के मम्पति में कोई भी ग्रामेषः:—

(क) इस सूचना के ग्रामपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तस्वीरधी अधिनियमों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में मम्पति होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिनियमों में से किसी अधिकत द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवद्ध
किसी अन्य अधिनियम द्वारा, अवोडस्टाकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उन प्रधाय वें दिया
गया है।

मन्त्रसूची

भूमि-वार्ड सं. 13, एस. सं. 203/2, मन्त्रारकोट्टे
रोड, साट्टूर-डाकमेंट सं. 792/81।आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-1, मद्रासतारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्रधान आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैं तिम्मा नरसिम्मा नागलक्ष्मी दस्त दस्त।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए. एस. संकरसेवरन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आलोचना:

अर्जन रोज-1, मद्रास

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1981

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं. 89/मार्च/81—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. एस. सं. 203/1 (वाड़ सं. 17) जो
मन्नारकोट्टै रोड है, जो साटटूर में स्थित है (और इससे
उपांडध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय साटटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-3-81
(डाकमूँट सं. 760/81)को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ही प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
पात निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आथ-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि, वाड़ सं. 17, एस. सं. 203/1, मन्नारकोट्टै
रोड, साटटूर (डाकमूँट सं. 760/81)।आर. रविचन्द्रन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, मद्रासयतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अभास्ति:—तारीख : 13-11-1981
मोहर :

श्रीमत् बाबू. डी. एन. एस. -----

1. मैं. तिम्मा नरसिम्मा शागलकशमी दरम द्रष्ट।
(अन्तरक)भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना2. मैं. श्री वेंकटेश्वरा इन्डस्ट्रीज।
(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश सं. 91/मार्च/1981—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. एस. सं. 2-डी-3/1, (वार्ड सं. 13)
मन्नारक्केटट्टै रोड में जो साटटूर में स्थित है (और इससे उप-
त्रिव्युध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, साटटूर (डाकूमेंट सं. 729/81) में
जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 27-3-1981

तो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
द्वारा का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा गया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयितां शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शुतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वहां अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(गोड़ैन और भूमि एस. सं. 203/1, वार्ड सं. 13),
मन्नारक्केटट्टै रोड, साटटूर-डाकूमेंट सं. 729/81)।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

मात: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन है—

तारीख: 13-11-1981
मोहर:

प्रृष्ठ ३४० टो० एन० एस०-----
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलाभाई बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 621 माउन्ट
रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 13 नवम्बर 1981
अर्जन रेज-1, कलाभाई बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, 621
माउन्ट रोड, मद्रास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 203/1, (वार्ड सं. 13),
मन्नारकोट्टे रोड है जो माटटूर (डाकूमैट सं. 753/817 में
स्थित है (और इससे उपादाद में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृत्तमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
निवित में वास्तविक रूप में नहिं नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी विस्तीर्ण या किसी वार या प्रत्य विस्तियों
को, जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
विविध रिट्रिविंग

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैं तिम्हा नरसिंहा नागरेकाशमी वरम दस्ट।
(अन्तरक)
- मैं श्री वेंकटेश्वरा इन्डस्ट्रीज।
(अन्तरीक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां रखता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्षित द्वारा, अधोदत्साक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि - एस. सं. 203/1, (वार्ड सं. 13), मन्नारकोट्टे
रोड, साटटूर-डाकूमैट सं. 753/81)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 12 नवम्बर 1981

निर्देश मं. सू. आर. 62/30407/81-82/ए.सी.क्यू. बी. —यतः मुझे, डा. वी. एन. ललितकमार राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 150 है तथा जो इनफल्टी रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अन्यसभी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम वे अधीन राज देने के अन्तरक के दायित्व में कर्त्ता करने या उससे बचने में सहित के लिए; और/या

(ख) नामी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अली अस्कर मिर्भा, इंग्लैण्ड के रहवासी है। रेप्रेजेंट करते हैं, इनके पी. ए. होल्डर-श्री के रहमान मान, चॉट्टेंड अकोट्टेंट, मं. 200/मी, मातवां मैन, तीमरा ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर। (अन्तरक)

2. मैं सैमा एक्सपोर्ट्स प्रायिवेट लिमिटेड, सं. 135-डा. अन्नीबेसेंट रोड, वोलीं बंदर्गढ़ रेप्रेजेंट करते हैं इसके डायरेक्टर, श्रीमरोश वी. वोरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

(दस्तावेज सं. 4477/80-81 ता. 20-3-1981)

संपत्ती जिसका सं. 150 है जिसमें खला जगह रहने का घर कोटेजिस, सर्वटर्स क्वार्टर्स, औउट बिल्डिंग और अदर कन्स्ट्रक्शन्स है, तथा जो इनफल्टी रोड, डिविजन मं. 59, बंगलूर में स्थित है। चकबन्दी है :—

उ-में इनफल्टी रोड।

द-में राज भवन रोड।

पू-में प्रिमैसिस सं.-149।

प-में कापोरेशन रोड।

डा. वी. एन. ललितकमार राव
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 12-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज़, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 नवम्बर 1981

निदेश सं. आ०-15/अर्जन-यतः, मृक्ष, अमर सिंह विसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 12/13 है तथा जो सिविल लाइन्स, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा रक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अल्प: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मृ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कुंवर आम प्रकाश ।
श्रीमती प्रभारानी।

(अन्तरक)

2. मै. धामपुर सुगर मिल्स लि. । 13, सिविल लाइन्स, बरेली द्वारा श्री अशोक कमार गोयल (आयरेक्टर) ।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अतिरिती ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों प्रति सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्की

भूरेण्ड मंस्या 12/13 पैशमाइशी 2300 वर्गफिट स्थित सिविल लाइन्स बरेली, तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एंड फार्म 37-जो संस्था 1986 में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 25-3-1981 को पंजीकृत किये जा चुके हैं।

अमर सिंह विसेन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रौज़, लखनऊ

तारीख : 18-11-1981

मोहर :

प्रत्येक ग्राही ३० रुपू. एवं ५० एस०—

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के ग्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रँज, 57-राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 नवम्बर 1981

निवैश सं. एम-223/अर्जन—अतः, मूर्ख, अमर सिंह
विसेन,

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या भूखण्ड है तथा जो रामनो स्टेट के दक्षिण में
जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनी-
ताल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 11-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के नियंत्रणरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या
धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अ०: अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
में ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीतः—

11-376GI/81

- सेवने वाले ग्राही ग्राही नैनीताल, जाहू, बी. एम. बी. ।
- श्री शशील मालामन।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- उपरोक्त अन्तरिती।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ट्यूबीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूखण्ड क्षेत्रफल 550 वर्गमीटर स्थित रमनो इस्टेट के दक्षिण
नैनीताल तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म-37 जों
संख्या 107 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार नैनी-
ताल के कार्यालय में दिनांक 11-3-1981 को किया जा चुका
है।

अमर सिंह विसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रँज, लखनऊ

तारीख : 20-11-1981
माहूर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 19 नवम्बर 1981

निवेश सं. अण्डी/361/80-81—यतः, मूर्ख, मूल देव
चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 205 है तथा जो सैक्टर 36-ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्णोर्क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. नं. कर्नल सोहिन्द्र सिंह मार्फत 170 पम. सी./पम.
एफ. डिटेक्टर मार्फत 56 ए.पी.ओ.।
(अन्तरक)

2. डाक्टर (श्रीमती) शान्ता किशोर, पम-28, ग्रेटर
कैलाश-11, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्युचंद्री

प्लाट नं. 205 सैक्टर 36-ए, चण्डीगढ़।

(जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख सं. 2063 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

मूल देव अन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 19-11-1981
माहेन :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश सं. अण्डी/351/80-81—यतः, मुझे, सूच वेव
चन्द्र,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा० से
अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 2370 है तथा जो सैकटर 23-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावदाध अनूसूची में और पर्याप्त
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तररूप के वायिष्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को
चिन्ह भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
जनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के
लिए;

यद्यपि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुवर्तन में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षित :—

1. श्री रोशन लाल जैन सुप्रब्ल जंगी लाल, निवासी मकान
नं. 1167, सैकटर 21-सी, चण्डीगढ़ साध्यम श्री
शिवदेवसिंह निवासी 274, सैकटर 10-ए चण्डी-
गढ़।

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल गखड़ सुप्रब्ल श्री रोशन लाल मार्फत
मै. एम. एल. डिपार्टमेंटल स्टोर, एस. सी. आ०
नं. 7, सैकटर 17ई, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यबाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्पावर संपत्ति में हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनूसूची

प्लाट नं. 2370, सैकटर 23-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख संख्या 1987 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सूच वेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश सं. चण्डी/357/80-81—यतः, मुझे, सूख देव
चन्द्र,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

आर जिसकी सं. प्लाट नं. 253 है तथा जो सैक्टर 37-ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है (आर इससे उपायदूध अनुसूची में और पूर्णरूप
संदर्भित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आद या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे. एस. भूलर सुपुत्र श्री बचितर सिंह माध्यम
श्री धनश्याम दास सुपुत्र श्री जमुना प्रसाद, निवासी
एस. सी. एफ. नं. 25, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कवीता मंसिरा पत्नी सुभाष मंसिरा निवासी
519, सैक्टर 15-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

क्षे पह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 253 सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विनेश संख्या 2024 मार्च, 1981 के अधीन वर्ज है)।

सूख देव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रस्तुत जाइ, टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत वर्षानु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश मं. लूधि/576/80-81—यतः मुझे, सुख देव
चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार भूम्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान नं. बी-11, 1745 को पार्ट (1745)
है तथा जो चौड़ा बाजार, लूधियाना-। मं. स्थित है (और इसके
उपाबूध अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्ति में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसके बचाने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी भू. या जन्य आवृत्तयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने भौ-
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्रीमती प्रेम प्रकाश कौर पत्नी एस. जसवन्त सिंह, 7
गुरदेव नगर, लूधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक कपूर सुपुत्र श्री शमी कपूर मार्फत मै. राज
फुटवीयर चौड़ा बाजार, लूधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अस्तरीय व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथापरि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अमृसूची

मकान नं. बी-11, 1745 चौड़ा बाजार, लूधियाना का।
पार्ट ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के कार्या-
लय के विनेम संख्या 7296 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुख देव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती ब्रेम प्रकाश करे पत्नी श्री जसवन्त सिंह, 7,
गुरुदेव नगर, लूधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री दोपक कपूर सुपुत्र श्री शमी कपूर मार्फत मै. राज
फूटवीयर चौड़ा बाजार, लूधियाना।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. लूधि/583/80-81—यतः, मूर्ख, सूख देवे
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं. मकान नं. बी-11-1745 का पाट है तथा जो
चौड़ा बाजार, लूधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय लूधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(क) ऐसी इक्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

पाट मकान नं. बी-11-1745 चौड़ा बाजार, लूधियाना।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के कार्या-
लय के विलेख संख्या 7346 मार्च, 1981 के अधीन
दर्ज है)।

सूख देवे चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

ग्रन्थ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 19-11-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डो/358/80-81—अतः मूर्ख, सूखदेव चन्द्र,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. प्लाट नं. 269 है तथा जो सेक्टर 35-ए,
 चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्सूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, भारतीय मार्ग, 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केवल सिंह सुपुत्र जय राम माध्यम श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र देवा सिंह, निवासी गांव व डाकखाना पूरनपुर, जिला जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री सतबीर सिंह कोहली सुपुत्र श्री शिलोचन सिंह कोहली और श्रीमती जोगिन्द्र कोहली पत्नी श्री सतबीर सिंह कोहली, निवासी मकान नं. 1025, सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीशां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइर भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें व्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 269, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।
 (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनेश मन्द्या 2025, मार्ग, 1981 के अधीन दर्ज है।)

सूखदेव चन्द्र
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981
 माहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

प्रधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 19 नवम्बर 1981

निवैश सं. चण्डी/366/80-81—अतः मुझे, सुस्वदेव
चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. मकान नं. 556 में आधा हिस्सा है तथा
जो सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें
उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
न्द्रै प्रतिगत से अधिक है और यह यह उक्त अन्तरक (अन्तरकों)
और अस्तित्व (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पाया जाना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) नेमो हिमी आय या किसी भ्रन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरमें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपाधा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- श्रीमती दिवशा चर्मा पर्सी श्री पाल. चन्द, निवासी 556, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)
- श्री धर्मवीर सभरवाल और श्रीमती उर्मिला सभरवाल
निवासी 556, सेक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारीयों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, तो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से
किसी अधिकतम द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता किसी
अन्य अधिकतम द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इप्पमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं; वही
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 556 में आधा हिस्सा, सेक्टर 16-डी चण्डीगढ़।
(जायदाद ओं कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेन संख्या 2093 के अधीन मार्च 1981 में दर्ज है)सुस्वदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियानातारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रकाश प्राईंट श्री० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेदित सं. चण्डी/350/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विधान करने
का कारण है कि स्थावर संरक्षण, जिसका उचित वारार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. आधा बना हुआ भकान नं. 1603 है तथा
जो सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे
उपादृध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक
है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए नव पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(अ) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ब) ऐसी छिसी आय या किसी घन १० अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

12-376GI/81

1. सकै. ली. ए. एस. गुगलानी मूल्य श्री जै. डी.
गुगलानी, दिवासी मकान नं. 1604, सैक्टर
33-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत मकान अडवोकेट और श्रीमती बरीज
मोहिनी, निवासी 1603 सैक्टर 33-डी, चण्डी-
गढ़।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्त हैं वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा बना हुआ भकान नं. 1603 सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख संख्या 1963 मार्च 1981 के अधीन दर्ज है)।सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन राज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/362/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1533/34-डी. है तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखदध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षम से कठित नहीं किया गया है:—

(ए) दस्यमान से होइ ट्रिक्सी बाब की बाबत, उक्त
लूधियाना के अधीन कर देवे के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उक्त बाब में सुविधा के लिए;
आठु/वा

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लूधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के बनासरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः:—

1. लै. कर्त्ता एस. के. विज सुपुत्र श्री इन्द्र दत्त,
निवासी 4201, सिरहिन्दी गेट, पटियाला
माध्यम श्री विनोद विज सुपुत्र श्री आई. डी.
विज।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमला रानी पत्नी श्री रत्न चन्द, निवासी
मकान नं. 121, सैक्टर 23-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
व्यक्तियों, जो अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं,
यही अर्थ होता जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1533 सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख संख्या 2084 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 19 नवम्बर 1981

निवेदण सं. चण्डी/356/80-81—अतः मुझे, सुखवेव
चन्द,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3363 है तथा जो सैक्टर 32-डी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपादान बनावटी में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, एसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और
अन्तारकी (अन्तारकीतयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चावशेष से उक्त अन्तरण
प्रतिवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी बाय पर कावत उक्त अधिनियम की विभिन्न कानूनों के अन्तरण के द्वारा अन्तरण में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय पा किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तारकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या पा किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुदरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उमिला रानी सूद पत्नी श्री रोशन लाल
सूद माध्यम श्री कुलवीप कुलाला, निवासी
105, सैक्टर, 27-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री तरलोक चन्द सुपूत्र श्री किरण राम सूद
माध्यम श्री हरिश कुमार सूद, निवासी 3363,
सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़।
(अन्तारकीती)

को यह सूचना जाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
मतुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 3363 सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख संख्या 2022 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखवेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवैश सं. चण्डी/354/80-81—अतः मुझे सूख देव
चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 1060 है तथा जो सैक्टर
36-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से केम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यक्रम नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. वि. कमा. सी. एस. सन्धू सुपुत्र वि. प्रीतम
सिंह माध्यम अटोरनी श्री जगपाल सिंह, निवासी
1061, सैक्टर 36-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसरामद कारे पत्नी श्री जगपाल सिंह
चहल, निवासी 1061, सैक्टर 36-सी, चण्डी-
गढ़।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की ताप्रिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1060, सैक्टर 36-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विनेम संख्या 1993 मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सूखदेव चन्द
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश सं. चण्डी. '368/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. गो अधिक है

और जिसकी सं. आशा हिस्सा एस. एफ. नं. 9 सैक्टर 27 सी.
है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वान्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्रिया निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरक (अन्तरिती) के
रूप में की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1. श्री राम सरन दाम सुपुत्र श्री धूल चन्द
2. श्रीमती पंगिला भट्टेजा पत्नी श्री राम सरन
दाम, निवासी मुकान नं. 212, सैक्टर
18-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्रीमती हरमजन कौर पत्नी श्री जोगा सिंह सन्धू
मार्कत माध्यम श्री शाम लाल अग्रवाल, निवासी
मुकान नं. 3454, सैक्टर 27-डी., चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. (1) मै. न्यू इंडिया एस्टरेन्स कं. लिमिटेड
(2) श्री मुभाप चन्द
(3) श्री दवीन्द्र कुमार
(4) श्री शिव पाल
(5) श्री मानहिन्द्र सिंह

सभी निवासी एस. सी. एफ. नं. 9, सैक्टर
27-डी., चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायांहियों करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा एस. सी. एफ. नं. 9, सैक्टर 27-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद ओ कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 2094, मार्च,
1981 के अधीन वर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981
मोहर :

प्रधान बाई. टी. एल. पट.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना
 लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेद सं. चण्डी./353/80-81—अतः मूर्ख, सुखदेव चन्द,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं. प्लाट नं. 185 है तथा जो सैक्टर 33-ए,
 चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपरांत अनुसूची
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विवास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप में कीदित नहीं किया गया है:—

1. लै. कर्नल किरपाल सिंह बिन्दरा सुप्रिया डा. सी.
 एस. बिन्दरा, निवासी ए-3/153, जनकपुरी
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्रपाल भण्डारी और श्रीमती वीना भण्डारी
 निवासी 1170/सैक्टर 15-बी, चण्डीगढ़।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में 'किए जा सकें'।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
 और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सुखदेव चन्द
 कम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 19-11-1981
 मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. दी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी./349/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 317 है तथा जो सैक्टर 33-ए,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबृंध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावें अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम, भी धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवलियों अवैत :—

1. बि. बाबा ईश्वर सिंह भला सुपुत्र श्री बाबा
कहान सिंह, निवासी मकान नं. बी-91-ए,
ग्रेटर कलाश-1, नई शिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह सुपुत्र श्री नाजर सिंह और श्रीमती
दलबीर कौर पत्नी श्री गुरदेव सिंह माध्यम श्री
नारिन्द्र सिंह मकान नं. 214, नई दिल्ली
जवाहर नगर, जालनकर सिटी।

(अन्तरिगती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घरें के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोइस्टारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्यों

प्लाट नं. 317, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय
के विलेख संख्या 1961, मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रेसप्रधार्ष ०८० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

राष्ट्रीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निदेश सं. चण्डी/348/80-81—अतः मर्फ़े, मुख्यमन्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं. मकान नं. 1176 है तथा जो सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायदृश बनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित रहो किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण में, भौत अधिनियम की धारा 260-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कमलेश कमार मल्होत्रा सुप्रति श्री बालमुकुद, 1176, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री भगवान दास और कृष्ण लाल सुप्रति श्री लक्ष्मण दास आफ 35-इंडस्ट्रीयल पार्सिया, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1176, सैक्टर 8-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकरी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख में स्थित 1959, मार्च 1981 के अधीन दर्ज है)।

मुख्यमन्त्री चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लूधियाना

तारीख : 19-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत जाहूँ.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालिंग, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निर्देश सं. चण्डी/352/80-81—अतः मुझे, सुसदेव
चन्द्र,बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)’ (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से जटिक हैऔर जिसकी सं. मकान नं. 3023 है तथा जो सैक्टर
35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाध्याध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में, रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981में उक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से एसे अद्यमान प्रतिफल के
प्रद्वय प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी जात की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/वा(ब) एसी किसी जात या किसी अन्य अधिनियमों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्याया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में
सुविधा वा लिए।1. श्री मनोहर सिंह औलखा सुपुत्र श्री हरनाम सिंह
माध्यम उसके बाटीनी श्री सोहन सिंह सुपुत्र
श्री गुराधियाल सिंह, बाच मेकर बूथ नं. 3,
सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री इन्ह सिंह सुपुत्र श्री हरी चन्द मार्केट मै. खालसा
बूट हाउस, गंज बाजार, शिमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं. 3023, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद
जो कि रीजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख
संस्था 1988, मार्च, 1981 के अधीन दर्ज है)।सुसदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियानाअनु० चन्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के, अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा(1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीस्तः:—

13—376GI/81

तारीख: 19-11-1981
मोहर

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, निधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 नवम्बर 1981

निवेश सं. चण्डी/370/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 35,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 1608 है तथा जो सैक्टर 18, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपांच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16 के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्णिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुरूप भवति तथा उक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का परिवर्तन से प्रधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिक्त (प्रस्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण ने दृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दारिद्र्य में फ़ूलों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या निसी सम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (के 422 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 के 269-ब (1957 का 27) के द्वारा बनाए अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, लिपने में सुविधा के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के भन्नरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थान (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

1. श्री निरंजन सिंह गोल्कर सुपूत्र श्री जगत सिंह निवासी 1608 सैक्टर 18-जी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री हरपाल सिंह गोल्कर श्री निरंजन सिंह निवासी मकान नं. 1246 सैक्टर 20-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिक्त)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए गए सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधार्य 10-क में परिभाषित हैं, वही इन शब्दों को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1608 (के 1000 वर्ग गज) सैक्टर 18-जी चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के द्वितीय मंड्या 1943 मार्च, 1981 के अधीन धर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
संक्षम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नई दिल्ली

तारीख : 19 नवम्बर 1981
मोहर :

प्रस्तुत धार्षा ३० एवं ४०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1070--यतः मुझे, एम. एल. चौहान,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन प्रमाण प्राप्तिकारी को, प्रह विश्वास करने का कारण है, कि व्यापक उम्मति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावदक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1981

को पूर्वोक्त संपर्कित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्स्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचन में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी वन वा धन शास्त्रियों को जिन्हें भारतीय लाय-हाई अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरितों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया वा या किया जाता जाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातः--

1. श्री गुभान सिंह राठोड उपमंत्री विद्या प्रचारिणी सभा, उदयपुर।
(अन्तरक)
2. श्री गोपाल सिंह जी, राणावत पोल्ट्री कार्म, उदयपुर।
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति तं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापकः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तक अवधि या तात्पर्यव्यवस्थी व्यक्तियों पर दृश्यमान वा उनमें से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी अवधि वाले वर्ष में उक्त वाही हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न हिली अवस्था;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन तक भी उक्त वाहार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्त व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वापर विविध में हिले जा सकेंगे।

उपर्योगतः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, व अध्याय 20 के परिभाषित हैं वा पर्याप्त ही वाचीय, जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्लाट 70X105 वर्गफिट जो उप पंजियक, उदयपुर इवारा कम संख्या 724 दिनांक 25-3-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981
माहर :

श्रीमद भारत दी, पंजाब प्रस.—

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन दखला

१५ श्री गुरुनानीसिंह राठौड़ उपमंत्री विद्या प्रब्लासिणी सभा, उदयपुर।

(वास्तविक).

२. श्री रामभवर सिंह राणावत, राणावत पोल्ट्री फार्म,
उदयपुर।

(अन्तर्रिती)

धार्म संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन हैंज, अयपर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

को यह सूचना जाती करके पूर्वान्वय समर्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

आदेश सं. राज. /सहा. आ. अर्जन/1071—यतः मुझे,
एम. एल. चाहियान,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वां के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर समीति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 475 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावदध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रीजिस्ट्रीकेट अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रीजिस्ट्री-कारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-3-1981

को पूर्वोंका सम्प्रति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थाना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूची के द्वाब्दपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारणः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्यरण से हाई कोर्टी नाम की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तर्क के वायिष्य में कोई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

四

(क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा अन्तर्नार्थ वस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या इन्काया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुरक्षा के लिए।

प्लाट नं. 475 हिरण्य मर्गरी सैटर नं. 4 उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संस्था 723 दिनांक 27-3-81 पर पंजियाधृ विक्रय पत्र में और विस्तर रूप से विवरणित है।

एम. एल. आहान
सभस्थ प्राधिकारी
सहायक आयकर आमुख (निरीक्षण)
बर्जन रुद्धि, प्रदेश

असः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अधिकारि ८—

तारीख : 12-11-1981
मोहर :

इस्पृष्ठ भार्ती द्वारा एन.एस.-----

आदानप्रदान अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदानप्रदान सं. राज. /सहा. आ. अर्जन/1072—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आदानप्रदान अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इन्हें उक्त 'अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 477 है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-3-1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कर्म, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी कहने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ॥—

1. श्री गुमानसिंह राठोड़ उपमंत्री विद्या प्रबारिणी सभा,
उदयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार सिंह राणावत, राणावत पोल्ली
फार्म, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों को द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 477 हिरण्यमग सैक्टर नं. 4, उदयपुर जो उप
पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 722 दिनांक 27-3-81
पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण),
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख: 12-11-1981
माहर ॥

प्रृष्ठ नार्ह.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1073—यतः मुझे, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 476 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रोजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. श्री गुमानसिंह राठोड उपमंत्री विद्या प्रचारिणी सभा, उदयपुर।

(अन्तरक)

2. कुमारी प्रभाकुमारी, राणावत पोल्ट्री फार्म, उदयपुर।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना प्रारंभ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृश्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 476 हिरण्यमगरी सैक्टर नं. 4, उदयपुर जो उप प्रीष्यक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 725 दिनांक 28-3-81 पर पंजियां विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981

मोहर :

प्रेस बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज.सहा.आ. अर्जन/1066—यतः मुझे, एम. एल. जीहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 15 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, राजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्षमते में सुविधा के लिए; और/या

(ल) एसे किसी आय या किसी भूमि या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवी लाल पुन मूनमचन्द जी कोठारी, मालदास स्टोर, उदयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द जैन एण्ड सन्स, हिरन मगरो सैक्टर नं. 11, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 15 वाके हिरनमगरी सैक्टर नं. 11, उदयपुर में है जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 534 दिनांक 4-3-81 पर पंजियक विक्रय पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. जीहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुरतारीख : 12-11-1981
माहूर :

प्रस्तुत आइंट दी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रूपेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1067—यतः मुझे, एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकारात्मकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबूध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कल्याण मल पिता नानक रामजी नि. जयपुर। (अन्तरित)
2. श्री प्रकाश चन्द्र सरेश चन्द्र कैलाश चन्द्र पिता कन्हैयालाल जी जैन निवासी कांकरांली। (बन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के विषय कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र-बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 3 वाके सुन्दरवास गैलड़ा कालोनी, उदयपुर में है जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 521 दिनांक 4-3-81 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से दिवरणित है।

एम. एल. चौहान
सकारात्मकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रूपेज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981
मोहर द्वारा

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्रीमती पंखा शर्मा पत्नी शगड़नी दयासजी शर्मा निवासी उदयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना.

2. श्री गौरी शंकर पिता रामस्वरूप बन्सन नि. उदयपुर।
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. गज./सहा. आ. अर्जन/1068—यतः मृझे, प्रमः एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. न्याय नं. 36-वी है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनूसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्लाट नं. 36 भी वाके उदयपुर अम्बागढ़ योजना में है प्लाट का परिया 9079 वर्गफीट है जो कम संख्या 553 दिनांक 6-3-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों अधीन:—

14—376GT/81

तारीख : 12-11-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1060—अतः मूर्ख,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 36 है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबृध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7-4-1981
को धूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से की थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय की आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दारिद्र्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

1. श्रीमती राजमाता विष्णु कुवर जी पत्नी स्व. श्री
भूपाल सिंह जी उदयपुर।
(अन्तरक)

2. श्री जगन्नाथ सिंह पूर्ण मालम सिंह गलूरडीया नि.
मोगरा बाड़ी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 36, सर्वश्रूतविलास, उदयपुर जो उप पंजीयक,
उदयपुर द्वारा कम संख्या 813 दिनांक 7-4-81 पर पंजी-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-11-1981
मोहर :

प्रख्यात आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन /1097—यतः मुझे, एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पायात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन वक्तव्य प्राधिकारी को, यह विवाद करने
का छारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

मौर्यजिसकी सं. एस-19 है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कारण उक्त स्थावर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-4-1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और प्रश्नरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन वा धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए.

1. श्री गिरीश पुत्र श्री प्रो. सुलतान सिंह जी जैन निवासी
कुन्दीगढ़ भैरों का रास्ता, जीहरी बाजार, जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती बंदना पत्नी डा. चन्द्रकुमार सचेतीर हाल
निवासी अमेरीका निवासी बी-121 भंगल मार्ग, बापू-
नगर, जयपुर।
(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. एस-19, भवानी सिंह मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो
उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1010 दिनांक 28-4-81
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

यतः प्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-11-1981
मोहर :

प्रध्यप आई. टी. एस. एस.-----

श्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेशक स. ए. सी./रेज-4 कल/टी. आर.-592/80
81/सं. न. 597—यतः मुझे, आई वी. एस. जूनेजा,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 2 एन्ड 1/1 सेरीफ लेन कलकत्ता स्थित है
और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्णलिपि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तर यारा गण प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उत्तरेश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धरा-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थापा (1) के
के अधीन, निम्ननिमित्त व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. हरिनारायण टन्डन एन्ड आदर्श (अन्तरक)
2. डि कलकत्ता मुस्लिम अरफयनेज (अन्तरिती)
2. डि. कलकत्ता मुस्लिम, अरफयनेज
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिलित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 30-क में परिभाषित हैं, वही
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं. 2 सेरीफ लेन कलकत्ता में अवस्थित एक बिला 4 कट्टा 15
छटाक जमीन और 1/1, नं. सेरीफ लेन में 2 कट्टा 2 छटाक
जमीन और स्टाकचार जो 14-3-81 तारीख में डीड नं. 3215
अनुसार रजिस्ट्रार आफ एशुरेंस का वफतर में रजिस्ट्री हुआ।

आई वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 6-11-1981

माहर:

प्र० र० जा० ई० टी० ए० ए० स०

1. श्री धीरेन्द्र नाथ बांस एण्ड आर्स।

(अन्तर्राष्ट्रीय)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री जगन्नाथ अगरवाल एण्ड आर्स।

(अन्तर्राष्ट्रीय)

भारत सरकार
सामर्थ्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन र०ज०, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश सं. रेफ नं. टी. आर.-614/80-81/एसएल. नं.
598 आई० ए. सी. एसीकू. आर-1/कल.-यत: मूर्ख,
आई० वी. एस. जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिगका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 26 ए. है नथा जो पार्क लेन कलकत्ता में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-3-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किभी नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में छित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मूल्य

26 ए. पार्क लेन कलकत्ता में अब स्थित लगभग 6 कट्टा
जमीन पर तीन तल्ला मकान जो डीड नं. आई-2692 अनुसार
28-3-1981 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आई० वी० ए० स० जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र०ज०-111, कलकत्ता-16

नथ: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की दृष्टिका (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-11-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एस० एस०—

(1) श्रीमती बाणी वर्सत

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जर्लि साहा

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निवेश सं. रैंफ नं. 970/एसीक्यू. आर.-111/81-82—यतः मुझे, आई० टी० एस० जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हसके परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 149 है तथा जो श्री अर्विंग सरणी मिथ्या है।
(और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) का अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा या गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में धारालिखित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवती करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पदनी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिमत्ता द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय
बदल किसी अन्य व्यक्तिमत्ता द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रार्थना :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

149 श्री अर्विंग सरणी कलकत्ता में अब स्थित 4 कट्टा 7
लटाक, 22 वर्ग फिट जमीन पर मकान का अविभक्त आधा हिस्सा
जो 2618 डीड नं. अनुसार 27-3-81 तारीख में रजिस्ट्रार
आफ एन्सरेस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० टी० एस० जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 10-11-81
मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रास्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती वाणी दस्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बंगलाल दास प्रवं रणजीत कमार दास

(अन्तरिती)

भारत गवर्नर

कार्यालय, राज्यायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निदेश सं. रेफ नं. 969/एसीकग. आर.-111/81-
82—यतः मुझे, आई.टी.एस. जनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन गवाह प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं. 149 है तथा जो श्री अरविन्द सरणी मिथ्या है।
और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
27-3-81को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
सिद्धित में नास्तिक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में लार्ड किमी आग की प्रावन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अन्सूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।149 अरविन्द सरणी कलकत्ता में अब स्थित 4 कट्टा 7
चटांक, 22 वर्ग फिट, मकान का आधा हिस्सा जो 27-3-81
तारीख से डीड नं. 2617 अन्सूची रजिस्ट्रार आफ एम्सरेन्स का
दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।आई.टी.एस. जनेजा
सभम प्राधिकारीस्वायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-111, कलकत्ता-16अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्सूचण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 10-11-81
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

प्राग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का-43) की धारा
269-ब(1) के अधीन मुक्ता

भारत सरकार

कार्बालियः सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकाता : दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदेश सं. रेफ नं. 968/एसीक्यू. आर.-111/81-
 82—यतः मुझे, आई. वी. एस. जुनेजा,
 प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 नं 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
 प्रधीन संक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 ल्यावर संपत्ति जिसका उत्तिवाजार मूल्य 25,000/- रु. में
 प्रतिष्ठा है।

और जिसकी सं. 171/ए, है तथा जो सरकार बोस रोड, कलकत्ता स्थित है। और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है।, रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-3-1981

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिकल निष्पालित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रम्माण में हुई फिसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के यस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(v) ऐसी किसी प्राय या किया थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या थन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती प्रर्णिमा सरकार

(अंतरक)

(2) श्री अमल कमार राय

(अंतर्रक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित यम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त धर्मसंस्थ के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य अक्षित हारा, अधोहस्ताक्षरी के पापु लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

४८५

71/ए, सरस बोस रोड, कलकत्ता। 2 कट्टा 3 छटाक 37
स्व. फीट जमीन पर मकान। (1/3 शेयर)

आई. वी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी,
संहायक आयकर आयक्ता (निरीक्षण)
अर्जन रॉज़-111, कलकत्ता-16

बतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अन्तिम सिद्धान्तिकृत व्यक्तियों, अर्थात् 1-

तारीख : ९-१-१९८१
साहुर ॥

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती पूरनिमा सरकार

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) कमल कुमार राय

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवैश सं. रेफ नं. 967/एसीक्यू. आर.-111/81-82—यतः मुझे, आई. वी. एस. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है।

और जिसकी सं. 171/ए, है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता
स्थित है। और इससे उपायक अनुसूची में और, पूर्ण रूप से
वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
प्राप्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्राप्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिये
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदूस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही
मर्यादित होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

171/ए, सरत बोस रोड, कलकत्ता। 2 कट्टा 3 छाटाक
37 स्के. फिट जमीन पर मकान। (1/3 शेयर)

आई. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-111, कलकत्ता-16

अतः अन्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15-376GI/81

तारीख : 9-11-81

मोहर :

प्र० र० आ० ई० टी० ए० ए०

(1) कार्तिक चन्द्र पाइन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) उक्त राई पान एण्ड चन्द्र शेखर पान

(अन्तरिरी)

भारत सरकार

कर्वालय, सहायक आयकर भाष्यका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदै० ई० सं. टी० आर०-607/80-81/एस० ए० ए०. 594/
आ० ए० सी०/अर्जन आर०-1/कलकत्ता—यतः मूँह, आ० वी०
ए०. जूनेजा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं. 2 है तथा जो मैन नेन, कलकत्ता-16 स्थित
है। (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-3-81

को पूर्णरूप सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
आस्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

फे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्न के लिए
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरणः—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है तथा उनका वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
किया गया है।

मानसूची

(क) अन्तरण में हूँ इ किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/था

(घ) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

2 नं. मैन लेन, कलकत्ता अवस्थित, 12 कट्टा 8 छाटांक,
जमीन पर तिन तल्ला मकान का अविभक्त 1/5 हिस्सा जो
6-3-1981 तारीख में डीड नं. 1-1772 अनुसार रजिस्ट्रार
एस्योरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आ० वी० ए० जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, 54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 16-11-1981
माहूरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अंजित कुमार भूयालका

(अन्तरक)

(2) मैसर्स कोठारि एण्ड कॉ. (प्रा.) लि.।

(अन्तरिक्षी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेश सं. ए. सी./रोज- IV कल./966/एसीक्यू.
आर.-111/81-82—यतः मूर्ख, आई. बी. एस. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लाट-16 है तथा जो 50बी, गरियाहट, रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल-
कत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिष्ठा के लिए;

प्लॉट सं.-16, 8 प्लॉर, 50बी, गरियाहट रोड,
कलकत्ता।आई. बी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-111, 54 रुफी अहमद किरवाई रोड, कलकत्ता-16तारीख : 7-11-1981
माहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित :—

प्राप्त आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवैश सं. ए. सी./रेज-4 कल./965/ए. सी. क्यू. आर.-111/81-82—यतः मुझे, आई. वी. एस. जूनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन उक्त सम्बन्धीय आयकरी की यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं. फ्लैट-सी है तथा जो 2 मान्डीविले गाड़ेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायवृथ अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बोय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त बाजार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षितयों, अपौतु :—

(1) सालनि आनंदीषप फ्लैट्स स्कम्स प्रा: लि: (अन्तरक)

(2) रुमा घोष (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तरस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सीधे व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं. सी 11 th फ्लोर, 2, मान्डीविले गाड़ेन, कलकत्ता।

आई. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-411, 54 रकी अहमद किलबद्द रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981
माझर [■]

प्रह्लप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 6 नवम्बर 1981

निदैैश सं. ए. सी./रेंज-IV /कल./964/एक्यू.
आर.-111/81-82—यतःमुझे, आई. वी. एस. जूनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने
का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. प्लैट-एफ है तथा जो 2, मांडीविले गाडेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विषयास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरितण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यक्षण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत।—

(1) मालोनि. आनरशिप प्लैट स्कीम्स प्रा: लि:
(अन्तरक)
(2) श्रीमती अमिता बिश्वास
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लग्नदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं.-एफ., 5th फ्लोर, 2, मांडीविले गाडेन,
कलकत्ता।

आई. वी. एस. जूनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-111, 54 एफी अहमद किदवर्स रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 4-11-81
संहर :

प्रकल्प आई-टी-इन-एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
268-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेदन नं. 963/एक्टी. आर-111/81-82/कल.—
यतः, मुझे, आई वी. एस. जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की
भारा 268-व के प्रधीन सम्म साधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट-डी है तथा जो 2, मांडीविले गाड़ौन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के प्रमाण प्रतिकाल से अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रत्यक्ष) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित) के बीच ऐसे
प्रत्यक्ष के लिए तथा यादा बना प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष निम्नित में वास्तुविक रूप से कथित
नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 268-व के प्रत्यक्षण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 268-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. सालनि आनरीशप फ्लैट्स स्कीम्स, प्रा. लि.
(अन्तरक)

2. श्री मृताल कान्ति विश्वास।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वालोप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी प्रत्यक्ष
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्णोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी, प्रबोहस्ताकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

दण्डीहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अन्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उम्म अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं. 'डी', पांचवी प्लॉर, 2, मांडीविले गाड़ौन,
कलकत्ता।

आई वी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, 54, रफीवहमद किदवार्ड रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 6-11-1981
माहर:

प्रृष्ठा आई. टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती संध्या रानी बोराट।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. रत्नजीत, राय पुन एंड चंद्र शेखर पान

(अन्तरिती)

(3) एम. ए. शाह एंड आदर्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेदा नं. टी. आर. 608/80-81/एसएन. 595
आई. ए. सी./एक्वी. आर-।/कल.—यतः मँझे, आई.
वी. एस. जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2 है तथा जो मेज लेने कलकत्ता-16 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ त्रिकों आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

2 मेज लेने कल-16 में अवैस्थत, 12 कट्टा 8 छटाक,
जमीन पर तिन तला भवान का अविभक्त 1/5 हिस्सा जो 6-3-
81 तारीख में डीड नं. 1-1774 अनुसार रजिस्ट्रार आफ
एश्यूरेन्स का दफतर में रजिस्टर हुआ।

आई वी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-111, रफीजहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 6-11-1981
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रॉज़, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

नंदेश नं. टी. आर. 615/80-81/एसएल. 596
 आई० ए. सी./एक्वी. आर-1/कल.—यतः, मुझे, आई०
 वी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2 तथा जो मेज लेने कलकत्ता-16 में स्थित
 है (और इससे उपायवर्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण,
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
 प्रत्यक्ष प्रतिक्षेप से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा यथा गया प्रति-
 कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित महीने किया गया है:—

(ब) अन्तरण से हृदृ लिखी जाए की कल उक्त अधिनियम को बदल कर इनके अन्तरक को बायित्य में
 कामी करने वा उसके बदले में सुविधा के लिए;
 और/वा

(क) ऐसी किसी जाव वा किसी भन या अन्य जास्तियों
 को, जिस्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था लिखने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. राधा राणी पाइने एण्ड आवर्सै।
 (अन्तरक)
2. रजिस्ट नाय पन एण्ड अन्द शेलर पन।
 (अन्तरिती)
3. एम. ए. सा. एण्ड आवर्स।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
 वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौई भी व्यापेष।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

मृदूची

2 नं. मेज लेने, कलकत्ता में अवस्थित, 12 केट्टा 8
 छटाक, जमीन पर तिनतल्ला मकान का अविभक्त 1/5 हिस्सा जो
 डीड नं. 1-1956 अनुसार 11-3-81 तारीख में रजिस्ट्रार
 आफ एयसूरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई वी. एस. जूनेजा
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रॉज़-111, रफी अहमद किंवद्वाई रोड,
 कलकत्ता-16

तारीख: 6-11-1981

मोहर :

प्र० आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेश नं. टी. आर. 605/80-81/एस.एल. 592/आई. ए. सी./एक्सी. आर-1/कल.—यतः, मूँझे, आई. वी. एस. जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पावत उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर संतात जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 2 है तथा जो मैं लेने कलकत्ता-16 में स्थित है (और इसमें उपावक्त्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-81 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम संतात का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल तिम्तिक्रिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं लिया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमो हरे या उपरे बरो में युक्तिश्वास के लिए; और/या

(ख) ऐसी फिरी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह—

16-376GI/81

1. श्री लाल चंद पाइरेन।

(अंतरक)

2. रमेश राई पान एण्ड चन्द्र शेखर पान एम. ए. सा. एन्ड आर्द्दा।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 नं. मैन लेने, कलकत्ता-16 में अवस्थित, 12 क्लॉ 8 छटाक, जमीन पर तिनतल्ला मकान जो 6-3-81 तारीख में डीड नं. 1-1772 अनुमार रजिस्ट्रार आफ एयसूरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई वी. एस. जुनेजा
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, रफीउहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख: 6-11-1981

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रौज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेश नं. टी. आर. 606/80-81/एस.एल. 593
आई० ए. सी०/एक्सी. आर-1/कल.---पतः, मुझे, आई०
वी० एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में 2 है तथा जो मेन लेन कलकत्ता-16 में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-11-1981

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, स्थिति में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी रानी मल्लक।

(अन्तरक)

2. रमेश राहूँ. पान एण्ड चंद्र शेखर पान एम. ए. साहा
एन्ड आदर्म।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यादिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोक्षणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 न. मेन लेन, कलकत्ता में अवस्थित, 12 कट्टा 8
छटाक, जमीन पर तिनतल्ला मकान का अविभक्त 1/5 हिस्सा जो
जो 6-3-81 तारीख में डीड नं. 1-1772 अनुसार रजिस्ट्री
आफ एस्युरेन्स के दफ्तर में रजिस्ट्री है।

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रौज, रफीअहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981
माहेर :

प्रृष्ठ पा० ३० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1981

निदेश सं. ए. वार.-3/1971-4/81-82—अतः मूर्ख, सुधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एस. नं. 274 हिस्सा नं. 1(पार्ट) करके नगर सीटी एस नं. 18 (पार्ट उड्डवे भाल एल 749) (3) 100 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपालूच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-1981 डाक्यूमेंट नम्बर एस-918/80 को पूर्वोक्त कारण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विव स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितात्मयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तविक रूप में निया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् (1) —

1. श्री मोहम्मद मसूल बादल करके

(अन्तरक)

2. (1) हाजी मुरुखीगार अहमद
- (2) जा मिल अहमद
- (3) मुस्ताक अहमद
- (4) मुमताज अहमद
- (5) इस्तीकार अहमद
- (6) शकील अहमद
- (7) अकिल अहमद
- (8) वकिल अहमद

(अन्तरिती)

3. (1) अब्बूल बाबू
- (2) एम बी फेरो
- (3) हावी बुल्ला खान
- (4) पीरजादा रम्लूल मीया
- (5) समी उल्ला खान
- (6) पन्डी मन्नी सा
- (7) मोहम्मदखान मर्जिद खान
- (8) अहमद अब्बूल शेख
- (9) मुसा खान
- (10) अबदूल कर्यम

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिल कार्यवारीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहे हैं भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नंबर बम्बई/एस-918/80 उप रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 18-8-1980 को रजिस्टर्ड किया गया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 13-11-1981
मोहर :

प्र० ५५० आई० टी० एन० एस०---

१. श्री कीविराज मेटारस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

२. बनेक आफ तनजावूर।

(अन्तरिरती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर पायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निवेद्या सं. 16250—यतः मूर्ख, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 477-482 है जो मौंड रोड मद्रास में स्थित है (और इससे उपाल्डूध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास मौंड (डाकमूँट सं. 734/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 81

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वाईट्रिट रूप से निम्न रूपों निम्न गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के यज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

5339/36550 अन्य भाग इंन 477-482 मौंड रोड, मद्रास-6 (डाकमूँट सं. 734/81)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, मद्रास

यतः धन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 10-11-1981
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1981

आर. ये. सी. नं. 170/81-82—यतः मुझे, एस.
गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी म. 14/55ए है, जो उप्पल, हैदराबाद-39 में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मार्च 1981को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्रित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अत्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिएअस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—1. मेसर्स लक्ष्मी आइल मील्स, सोलवेंट एक्सट्रक्शन प्लाट
इंडस्ट्रीयल एरीया प्लाट नं. 9, ब्लॉक नं. 3,
उप्पल, हैदराबाद-29। बाह श्री एम. वेंकट सूर्य
लक्ष्मी नरसीम्हाराव और अन्य नं. 92 वेंट मारेंड-
प्लली, थर्ड लेन स्कन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. मेसर्स यल. व्ही. आर. आइल अन्ड फ्लैट्स प्रा. लि.
रजिस्ट्रेड आफीस-2, तातामधीयापान स्ट्रीट, मद्रास-
600001, फैक्ट्री : प्लाट नं. 9, ब्लॉक नं. 3,
इंडस्ट्रीयल एरीया, उप्पल, हैदराबाद-39।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत और गोदाम नं. 14/55ए, जिस प्लाट पे बांधा गया
उसका नं. बी. 9 ब्लॉक नं. 3, आद्योगिक विकास क्षेत्र, उप्पल,
हैदराबाद-39 (22050 चौ. फूट बनाया हुआ क्षेत्र) कल क्षेत्र
4-789 एकड़। रजिस्ट्रीकृत विलख नं. 963/81 है। रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन,
सकूम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 20-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निवेदन नं. आर. ये. सी. न. 171/81-82—यतः मूल्य, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. आफीस नं. 117 है, जो सागरवीव, दोमलगुडा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की शिक्षण;

यतः अब, उक्त अधीन यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) मैसर्स स्वस्तीक बील्डर्स 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)
(2) मैसर्स सुमन चौटांड, 5-4-32/2, सैकंड फ्लौर, ज़वाहर लाल नेहरू रोड, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्तमान्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफीस नं. 117, पहाली भंजील, सागरवीव, दोमलगुडा, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1112 चौ. फुट रजीस्ट्रीकूल विलेय नं. 1056/81। रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख : 23-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निवैश सं. आर. ये. मी. नं. 172/81-82—यह: मुझे,
 एस. गोविन्द राजन,
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है जो बंडालगडा गांव, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

(1) श्रीमती अले वरधेस पति श्री के. एम. वरधेस 5-9-347, हैदराबाद, हैदराबाद।
 (अन्तरक)

(2) (1) श्री नंदलाल शारदा पिता जहनारायण शारदा (2) श्री सीताराम शारदा पिता जहनारायण शारदा (3) श्री कचरुलाल शारदा पिता लेट रामकीण शारदा (4) श्री नारायणदाम आसवा पिता चूनीलाल आसवा (5) श्री श्रीतीवाम आसवा पिता नारायणदाम, केर आफ मैसर्स विण्ण आठले इंडस्ट्रीज, 5-2-936, अस्मान गूहन, हैदराबाद (घर नं. 18-4-538/1, शमशीर गंज, हैदराबाद।)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक लिए के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं. 240, 241, 242 और 244 विस्तीर्ण 8 एकड़, 7 गृह्ठ, बंडाला गांव, हैदराबाद, चंद्रायन गंटा, महबूबनगर रोड। रजिस्ट्रीकृत विलेज नं. 1110/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख: 23-10-1981

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 173/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/श्र. मेरे अधिक है

और जिसकी म. 1-2-412/12 है, जो गगन महल, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981

को पर्याकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकैत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नमें वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः:—

(1) (1) श्री नरसी विश्वाम पिता लेट विश्वाम नातु (2) श्री मनोहर विश्वाम पिता वही 67 वर्ष की वर्षीय सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2) श्री राजाराम पिता श्री इश्वरदास, 5-9-42/6, व्यू.एम.एल. क्वार्टर्स लेन, बसीरबाग, हैदराबाद। (अन्तरिती)

क्वों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीसे से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीसे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितच्छ्रव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का भाग एम. नं. 1-2-412/12 (नं. ए-9) विस्तीर्ण 800 चौ. गज. गगनमहल, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेस नं. 1301/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 28-10-1981
माहर १

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 28 अक्टूबर 1981

निदर्शन. आर. ये. सी. नं. 174/81-82—यतः मूर्ख,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है, जो चीना, थोकटा, सिकंदरा-
बाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, एसे दूसरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौं वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मुम्पति है—

17-376GI/81

(1) श्री के. बाल रेड्डी पिता के. मूर्खम रेड्डी (2)
श्री के. मूल्ला रेड्डी पिता लेट वैकट रेड्डी (3)
श्री के. मूल्ला रेड्डी पिता के. मूर्खम रेड्डी,
बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दी अमर ज्योती विकर सेक्शन को-आपरेटीव्ह
हाउसींग सोसाइटी लि. (टी. ए. बी.) आफीस नं.
11-4-322/20/43, चीलकलगडा, सिकंदरा-
बाद। अध्यक्ष श्री पी. पांडुराव पिता लेट आर.
पैट्व्या।

(अन्तरिती)

क्वों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वोड भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि। एकर सबै नं. 36, 87 और 92, चीना
थोकटा, बोयेनपल्ली, सिकंदराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.
453/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख: 28-10-1981

माहूर []

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी नं. 175/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 2-2-135/1, 136, 137 है जो महात्मा-
गांधी रोड, सिकंदराबाद स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री राजिंद्र कुमार राठी पिता लक्ष्मीनारायण राठी
घर नं. 61, महात्मागांधी रोड, सिकंदराबाद (158
सी रोड लाइन्स, शोलापूर-413001)
(अन्तरक)

(2) मेरसर्स काबू आन्ड कं. 61 एम. जी. रोड,
सिकंदराबाद। वाइ मनेजिंग पार्टनर श्री शंकरलाल
काबू पिता न्लेटमोहनलाल काबू, घर नं. 3-2-853,
चौपकुट बीलडोंग, काजीगूड़ा, हैवराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, ये अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अनुसूची

पराना घर एम. नं. 2-2-135/1, 136, 137, महात्मा-
गांधी रोड, सिकंदराबाद। विस्तीर्ण 778 चौ. गज। रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं. 147/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकंदरा-
बाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैवराबाद

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 31-10-1981
मोहर :

प्रकृप श्राई० टी० एन०, एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 176/81-82—यतः मूर्खे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सबम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इये से अधिक है और
जिसकी सं. 2-2-136/1, 137/1, 138, 139 है जो एम.
जी. रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृष्ट अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और भूमि यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रन्तः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती माहीनीबाई राठी पित रखीद्रकुमार राठी,
61, महात्मागांधी रोड, सिकन्दराबाद (158 सी
रुल्य लाइन्स-413001)

(अन्तरक)

(2) मैसर्स काब्रा एण्ड कं. 61 एम. जी. रोड, सिकन्दराबाद। बाई मनोजींग पाटेनर श्री शंकरलाल काब्रा
पिता लेट मोहन लाल काब्रा, घर नं. 3-2-853,
चौकटु शील्डींग, काचीगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रधोद्धसाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पूराना घर एम. नं. 2-2-136/1, 136/1, 138 और
139, महात्मागांधी रोड, सिकन्दराबाद। विस्तीर्ण 870 चौ.
गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख -नं. 148/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सिकन्दराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 31-10-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 2 नवम्बर 1981

निर्देश स. आर. ये. सी. नं. 177/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 6-3-1186 है, जो बैगमपेट हैदराबाद
स्थित है (और इससे उपाबूध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मार्च, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
दायित्व में कर्ता करने या उससे बचतें में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मंसर्स धनलक्ष्मी का. आपरेटोरिक्स लि. टी. ए. बी.
109, शाप नं. 16, इन्डोर स्टेडीयम, फतेमहालन,
हैदराबाद बाइ सेक्टरी डी. रामकीणा रेड्डी पिता
पिता डी. पूला रेड्डी

(अन्तरक)

(2) मंसर्स इंडो स्टीग लि. नरसापूर रोड, बालानगर,
हैदराबाद-37 बाइ श्री वाह. रामा शर्मा पिता लेट
वाह. डी. शास्त्री घर नं. 36-ए. एम. आई. जी.
एम. सजीदारेड्डी नगर, हैदराबाद-38।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि एम. नं. 6-3-1186, बैगमपेट, हैदराबाद। विस्तीर्ण
1,000 आ०. गज रजिस्ट्रीकूट विलेस नं. 1266/81 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 2-11-1981
मोहूर

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1981

निवर्ण सं. आर. ये. सी. नं. 178/81-82—यतः मःके, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सभी अधिकारी को, पूर्ण विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 3-4-1005/5/1 है, जो बरकतपूरा, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपादवृथ अनुसूची में और पर्याप्त संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिफल से अधिक है और अस्तरण (अस्तरणों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण के बायित्र में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए। योग्यता

(ख) दूसी किसी आय या किसी बन या प्रम्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री पी. रम्याम रेड्डी पिता श्री पी. रामचंद्र रेड्डी, घर नं. 3-3-76, कुतबीगुडा, हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती देवी सुतालीया पिता पुनमचंद्र, घर नं. 3-4-16, डा. भूमना मार्ग, लिंगमपल्ली, हैदराबाद-27
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

खूली जमीन एम. नं. 3-4-1005/5/1, बरकतपूरा लोकपालीटी हैदराबाद में स्थित है। विस्तीर्ण 265 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 207/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीकडपल्ली, हैदराबाद।

एस०. गोविन्द राजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1981
मोहर : ३

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, हन्दप्रस्थ स्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. /एक्वलीजिंग-2/एस-आर-4/3-81/787—कृति में, विमल विशेष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 3480 (3/10 हिस्सा) है एवं जो निकोलसन
रोड, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण मंलग्न अनुसूची में विद्या गया की पंजीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के
दिल्ली स्थित कार्यालय में मार्च 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप में कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी बाय की बाबत, उच्च
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य
में कोई कठुने वा उससे बहुत से सुविधा के लिए।

नमूना

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा वस्तु आस्तवी
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने से
सुविधा के लिए।

एक मकान जोकि 1043 वर्ग गज भूमि पर बना हुआ है और
जिसका नं. 3480, निकोलसन रोड, मोरी गेट, दिल्ली पर
स्थित है का 3,10 वा अधिभाजित हिस्सा।

विमल विशेष्ट
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपाय (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वायाः—

1. श्री राधे शाम पुत्र श्री श्रीमारायण शर्मा निवासी एवं
डी. सी. ई. पार्ट-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार (2) श्री तर्विन्द्र कुमार सुप्रति श्री
बोध राज, निवासी 3489, निकोलसन रोड,
मोरी गेट, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों कहुया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्री आक्षेपः—

(क) इस सूचना को राष्ट्रपति भू प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः

(ख) इस सूचना को राष्ट्रपति भू प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्ट
किसी वस्तु व्यक्ति द्वायारा वापसीकरी के पास
प्रिवित में दिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

नमूना

तारीख : 26-11-1981

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th November 1981

No. A.32013/1/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on an *ad-hoc* basis for the period shown against each:—

S. No., Name and Period

S/Shri

1. H. L. Biswas—20-8-81 to 19-11-81.
2. Y. R. Gandhi—27-8-81 to 26-11-81.
3. P. C. Gupta—19-8-81 to 18-11-81.
4. R. Sahai—1-9-81 to 30-11-81.
5. S. S. Nagar—1-9-81 to 30-11-81.
6. R. G. Purang—1-9-81 to 30-11-81.
7. M. P. Jain—1-9-81 to 30-11-81.

H. C. JATAV
Jt. Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 24th November 1981

No. A.12024/2/80-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 9-9-81, the President is pleased to appoint Shri V. Ramabhadram, an officer of C.E.S. (Exe. Engg. C.P.W.D.-1971) as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 19-11-1981, until further orders.

Y. R. GANDHI
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th November 1981

No. R/95/66/Ad.V.—Consequent on his repatriation from the Office of the Central Provident Fund Commissioner, Shri R. N. Kaul, Dy. Supdt. of Police, CBI joined CBI in the same capacity on the forenoon of 17-11-1981.

No. B/2/70/Ad.V.—Consequent on his repatriation from Government of Nagaland, Shri B. N. Sinha, Dy. Supdt. of Police, CBI, joined CBI in the same capacity on the forenoon of 1-11-1981.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL CRPF

New Delhi-110022, the 23rd November 1981

No. F.8/4/81-Estt. (CRPF).—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri Ranjit Singh Bhatti, Dy. S.P. 66 Bn CRPF from 31-10-81.

2. The Officer will be deemed to have been struck off strength of the Unit from the same date.

The 25th November 1981

No. O.II-325/69-Estt.—Consequent on his deputation to C.I.S.F., Shri K. D. S. Dullat, Commandant, 52 Bn, CRPF relinquished charge of the post of Commandant, 52 Bn CRPF on the afternoon of 16-11-1981.

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer in the C.R.P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 18th November 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 28th November 1981

No. O.II-1519/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. (Mrs.) S. A. Devikar, General Duty Officer Grade-II of

Base Hospital-I CRPF New Delhi with effect from the afternoon of 23rd November 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (T.S.) Rules, 1965.

The 1st December 1981

No. O.II-1613/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Shiva Prasad Kakumanu as General Duty Officer Grade II (Deputy Supdt. of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th November 1981, subject to his being medically fit.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 18th November 1981

No. A.12012/1/80-Admn.—Shri R. K. Kotnis, Technical Supdt. (Cipher) of Directorate of Coordination (Police Wireless) has been promoted as Extra Assistant Director (Cipher) in Directorate of Coordination (Police Wireless) on *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 3rd November 1981, upto 28th February 1982 or till the vacancy is filled up on regular basis which ever is less.

C. P. JOSHI
Director
Police Telecommunications

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 25th November 1981

No. P/I(1)-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri A. C. Bal, an officer belonging to the Nagaland Civil Service, and at present working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Nagaland, Kohima, on deputation basis, to the Government of Nagaland, with effect from the forenoon of the 26th October, 1981. Consequently, the services of Shri Bal, are replaced at the disposal of the Government of Nagaland with effect from 26-10-1981.

No. 11/119/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri H. C. Sharma, an officer belonging to the Government of Arunachal Pradesh, and at present working as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, on deputation basis, to the Government of Arunachal Pradesh with effect from the afternoon of the 31st October, 1981. Consequently his services are replaced at the disposal of the Government of Arunachal Pradesh with effect from that date.

No. 10/4/80-Ad.I.—The President is pleased to grant pro forma promotion, under second proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule), to Shri N. C. Sharma, Console Operator in the office of the Registrar General, India, New Delhi who was earlier on foreign service to Government of Zambia as System Analyst, to the post of Assistant Director (Programme) in the same office with effect from the 15th October, 1980, the date on which Shri R. N. Talwar his next junior in the grade of Assistant Director (Programme) was promoted to the grade of Assistant Director (Programme).

2. On expiry of his foreign assignment as System Analyst in the Government of Zambia and leave sanctioned to him by this office, Shri N. C. Sharma took over charge of the post of Assistant Director (Programme) in this office with effect from the forenoon of the 19th August, 1981.

3. The headquarters of Shri Sharma will be at New Delhi.

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion Smt. U. Basak, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of 19th October, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Smt. Basak will be at Bombay.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon the officer concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by her on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

No. 11/9/81-Ad.I.—The President is pleased to terminate the Services of Shri M. Krishnamoorthy a retired officer of the Government of Kerala, and at present working as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, on re-employment basis, with effect from the afternoon of the 31st October, 1981.

The 26th November 1981

No. 11/10/78-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 3rd December, 1980, the President is pleased to appoint Shri Mohd. Abdus Sattar, an officer belonging to the Manipur Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, by transfer on deputation and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 30th June, 1982 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Sattar will be at Imphal.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 20th November 1981

F. No. BNP/C/43/80.—In continuation of this Office notification of even number dated 12-10-80 the term of appointment of Shri K. M. Saksena as Administrative Officer on deputation is extended upto 22-9-82 on the same terms and conditions.

M. V. CHAR
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 30th November 1981

No. Admn.I/O.O.No. 330.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri J. P. Kaushik a officiating Audit Officer of this office will retire from service of the Government of India w.e.f. the afternoon of 30th November, 1981. His date of birth is 5-11-1923.

No. Admn.I/O.O. No. 331.—Consequent on his attaining the age of Superannuation Shri Jit Singh a permanent Audit officer of this office will retire from Service of the Government of India w.e.f. the afternoon of 30th November 1981. His date of birth is 10-11-1923.

Sd/- ILLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn. I)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 24th November 1981

No. Admn.I/8-312/81-82/382.—Sri M. N. Prabhakaran, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I, Andhra Pradesh expired on 17-11-1981.

R. HARIHARAN
Senior Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MAHARASHTRA

Bombay the 23rd November 1981

No. Admn.I/Genl./31-Vol.III/C-1(1)/6.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their

names; until further orders:—

Shri C. N. Pitkar—17-11-81 F.N.

Shri S. S. Kudalkar—17-11-81.

R. S. SHARMA
Sr. Dy. Accountant General/A

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
(SOUTH EASTERN RAILWAY)

Calcutta-700043, the 27th November 1981

No. Admn./33-2A/75/3814.—Shri Purn Behari Ray, a member of the subordinate Railway Audit Service in the Office of the Director of Audit, South Eastern Railway, Calcutta has been promoted to officiate as Audit Officer from the forenoon of the 31st October, 1981 until further orders.

A. N. CHAKU
Director of Audit

OFFICE OF THE JOINT DIRECTOR OF AUDIT
(DEFENCE SERVICES)

Bombay-400039, the 19th October 1981

Notice of termination of services issued under Rule 5(1) of C.C.S. (Ty. Service) Rules 1965

No. 1875/E.3/RJM.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of C.C.S. (Ty. Services) Rule 1965, I, R. A. BORKAR, Joint Director of Audit, Defence Services, Bombay hereby give notice to Shri R. J. More that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or as the case may be tendered to him.

To

Shri R. J. More,
Barrack No. 1397, Section 32,
Ulhasnagar-4,
Thane District

The 22nd October 1981

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of C.C.S. (Ty. Service) Rules 1965

No. 1878/E.3/SCS.—In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of C.C.S. (Ty. Services) Rules 1965, I R. A. Borkar, Joint Director of Audit, Defence Services, Bombay hereby give notice to Shri S.C. Sharma that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or as the case may be tendered to him.

To

Shri S. C. Sharma,
C/o H. P. Sharma,
V. Kherli Hafizapur,
P.O. Gurukul Sikandarabad,
Dist. Bulandshahr (U.P.)
Pin-203 202.

R. A. BORKAR
Joint Director of Audit,
Defence Services, Bombay

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
(OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS)

New Delhi-110022, the 12th November 1981

AMENDMENT TO NOTIFICATION

No. AN-II/2603/81-I.—In partial modification of this office Notification bearing No. AN-II/2603/81-I dated 26th October, 1981, the name of the Officer shown against Serial No. 74 may be amended to read as Sohan Singh Nanda instead of Sohan Lal Nanda as already notified.

A. K. GHOSH
Dy. Controller Genl. of Defence Accts. (Proj)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 20th November 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/723/64-Admn. (G)/6449-A.—On attaining the age of superannuation, Shri D. D'Souza Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay is permitted to retire from

Government service with effect from the 31st October, 1981 afternoon.

A. N. KAUL
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 25th November 1981

No. A-19018/448/79-Admn. (G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri K. C. Varghese, Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation) Small Industries Service Institute, Trichur as Asstt. Director (Gr. II) (Economic Investigation) on ad-hoc basis at S.I.S.I., Bangalore with effect from the forenoon of 12th October, 1981, Until further orders.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th November 1981

No. A-1/1(1066).—The President has been pleased to appoint the following Assistant Directors of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Directors (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7-11-1981 for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier :—

1. Shri G. M. Rao
2. Shri S. Ganapathy

2. The above officers relinquished charge of the post of Assistant Directors of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 7-11-81.

No. A-1/1(1185)/81.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri S. B. Punde, J.F.O. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate on Local and ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the same office with effect from the afternoon of 9-11-81 and until further orders.

2. The ad-hoc appointment of Shri Punde as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him any claim for regular appointment and that ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

The 30th November 1981

No. A-1/1(1058).—The President has been pleased to appoint the following Assistant Directors of Supplies (Grade II) to officiate as Assistant Directors (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the dates mentioned against their names, for a period of six months or till the UPSC nominees become available, whichever is earlier :—

- (1) Shri M. I. R. Ramakrishnan—6-11-81 (FN).
- (2) Shri C. Arumugam—6-11-81 (FN).
- (3) Shri L. Lakshminarayana—10-11-81 (FN).

2. The above officers relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the Directorate of Supplies & Disposals, Madras with effect from the dates mentioned against their names.

S. J. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

18—376GT/81

(ADMN. SECTION A—6)
New Delhi-110001, the 17th November 1981

No. A-32013/9/80-A6.—The President is pleased to appoint S/Shri D. Ramanujam and S. Sengupta as Assistant Directors of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' on regular basis w.e.f. the forenoon of 22-9-1981.

S/Shri Ramanujam & Sengupta will be on probation for a period of 2 years from 22-9-1981.

P. D. SETH
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 21st November 1981

No. 3/4/62-E(I).—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri N. Narasingha Rao, permanent cameraman Films Division, Bombay to officiate as Chief Cameraman in the same office with effect from 2-11-1981 (FN) until further orders vice Shri M. M. Vaidya, Permanent Chief Cameraman on deputation to Film and Television Institute of India, Pune.

The 23rd November 1981

No. 5/30/60-E(I).—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri B. V. Krishnan officiating Maintenance Engineer in the Films Division, New Delhi to officiate as Laboratory Engineer, in the same office w.e.f. 1-10-1981 (FN) vice Shri Y. J. Kenny, Laboratory Engineer retired.

The 25th November 1981

(CORRIGENDUM)

No. A-12026/5/81-Est. I.—In partial modification of this office notification of even number dated the 19th October, 1981 the name of the Accounts Officer may please be read as AJIT KUMAR DATTA CHAUDHURY and not Ajit Kumar Dutta Chaudhary as mentioned therein.

S. K. ROY
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th October 1981

No. A-32013/1/80 (HQ) Admn-I.—The President is pleased to appoint Kum. L. M. Rebello to the post of Deputy Assistant Director General (DHE) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services New Delhi with effect from the forenoon of 5th June, 1981 in a temporary capacity until further orders.

2. Consequent upon her appointment as Deputy Assistant Director General (DHE), Kum. L. M. Rebello relinquished the charge of the post of Deputy Assistant Director General (R) in the Central Health Education Bureau with effect from 5-6-81 (forenoon).

O. P. BALI
Deputy Director Adminstration (PH)

New Delhi, the 27th November 1981

No. A. 12025/25/80(NMEP)/Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Mathur to the post of Assistant Director (Entomology) in the National Malaria Eradication Programme in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 14th October, 1981 and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Assistant Director (Entomology) under the National Malaria Eradication Programme Directorate, Shri K. K. Mathur relinquished the charge of the post of Deputy Assistant Director (Entomology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from 13-10-1981 (A.N.).

No. A. 31014/6/80(NICD)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. L. Wadhwa in a substantive capacity to the permanent post of

Administrative Officer at National Institute of Communicable Diseases, Delhi, with effect from the 1st September, 1979.

No. A.31013/4/81-Admn.I.—The President is pleased to appoint M. V. Singh in the post of Director, Child Guidance Clinic, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi in a substantive capacity with effect from 14th February, 1980.

The 30th November 1981

No. A. 32014/4/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri L. Navaneeth Krishnan to the post of Assistant Administrative Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from the afternoon of 19th October, 1981, on a purely *ad-hoc* basis and until further orders.

Consequent on his appointment as Assistant Administrative Officer Shri L. Navaneeth Krishnan relinquished charge of the post of Assistant Accounts Officer at Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the afternoon of 19th October, 1981.

No. A. 32014/4/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. Vangadasamy to the post of Assistant Accounts Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from the forenoon of 21st October, 1981, on a purely *ad-hoc* basis and until further orders.

No. A. 32014/4/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Gnanaswamy to the post of Assistant Administrative Officer at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, from the afternoon of 19th October, 1981, on a purely *ad-hoc* basis and until further orders.

T. C. JAIN,
Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND
COOPERATION)
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 23rd November, 1981

No. F. 2-10/81-Estt.(I):—Shri H. S. Gautam, Supdt. (Gr. I) is appointed to work as Hindi Officer Group 'B' (G.C.S.) (Gazetted) (Ministerial) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Dept. of Agriculture & Cooperation) purely on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 12th November 1981 until further orders.

K. G. KRISHNA MOORTHY
Director (Admn.).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Fardibabad, the 18th November 1981

No. A-19023/9/81-A.III.—The *ad-hoc* appointment of Shri N. J. Pillai to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay has been extended upto 31-12-1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

B. I. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 21st November 1981

No. Ref. PA/79(4)/80-R.III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints to the following officials to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on *ad-hoc* basis for the period indicated against each:

S. No.	Name	Present designation	Period From	To
1.	Shri J. A. Lasne	Assistant	5-10-81	13-11-81
2.	Shri S. R. Pingre	SGC	12-10-81	13-11-81

The 23rd November 1981

No. PA/76(3)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Navnitlal Mansukhdas Shah, Section Officer from Western Railway, Bombay on deputation as Assistant Accounts Officer in BARC in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from November 13, 1981 (FN), to November 12, 1983 (AN), or until further orders, whichever is earlier.

The 30th November 1981

No. PA/73(13)/81-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Pramod Jagdishandra Sharma as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of October 21, 1981 to the afternoon of November 22, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON,
Dy. Establishment Officer.

Bombay-400 085, the 26th November 1981

No. J-425/Fstt.II/4615.—Shri Cherumode Puthanveed James, a permanent Assistant and officiating Asstt. Personnel Officer in this Research Centre voluntarily retired from Government service under FR 56(k) on the afternoon of August 4, 1981.

KUM. H. B. VIJAYAKAR,
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 18th November 1981

No. DPS/21/1(2)/78-Est. 22558.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Damodar Devappa Nayak, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from November 16, 1981 (FN), in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer.

ATOMIC MINERALS DIVISION

Begumpet, Hyderabad-500 016, the 24th November 1981

No. AMD-1/37/80-Recrt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Jagat Kumar Dash as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 23, 1981 until further orders.

The 25th November 1981

No. AMD-1/1/81-Recrt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Satya Deo Rai as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from afternoon of November 18, 1981 until further orders.

The 27th November 1981

No. AMD-1/1/81-Recrt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Rajender Prasad Balwan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 13, 1981 until further orders.

The 28th November 1981

No. AMD-1/7/79-Adm.—In continuation of this Office Notification of even number dated August 21, 1980, Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on *ad-hoc* basis with effect from 10-2-1981 to 29-3-1981.

No. AMD-4, 2/81-Rect.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Dinesh Kumar Gupta, permanent Draftsman 'C', as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders.

The 30th November 1981

No. AMD-1/1/81-Rect.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Abhiram Singh Sachan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of November 19, 1981 until further orders.

M. S. RAO
Sr. (Admn.) & Accounts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603 102, the 2nd November 1981

No. A.32013/13/81/11988.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints the under mentioned officials of this Centre as temporary Scientific Officers/Engineers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from August 1, 1981 until further orders.

Sl. No.	Name	Present status
1.	Shri A. D. Varadhan, Quasi-permanent Assistant Foreman and Officiating Foreman.	
2.	Shri A. L. Palaniappan, Quasi-permanent Assistant Foreman and Officiating Foreman.	
3.	Shri R. Veluswamy, Permanent Scientific Assistant (B), and Officiating Foreman.	
4.	Shri N. Easwaran, Quasi-permanent Assistant Foreman and Officiating Foreman.	

S. PADMANABHAN,
Administrative Officer,

DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 24th November 1981

No. 9/58/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from the State Public Works Department, Government of Tamil Nadu, Shri P. Mydeen Maluk Mohamed, Assistant Engineer of that Office as Engineer SB in an officiating capacity with effect from the forenoon of November 9, 1981 and until further orders.

M. P. R. PANICKER
Administrative Officer-II
for Chief Engineer.

Bangalore-560 009, the 12th November 1981

No. 6/2/81-CED(H)/9428.—The Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to promote Shri S. K. Abdul Jaleel, Technical Assistant-C, Civil Engineering Division, Department of Space as Engineer-SB in an officiating capacity in the same Division with effect from the forenoon of October 1, 1981 and until further orders.

M. P. R. PANICKER
Administrative Officer-II

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 058, the 13th November 1981

No. 020/3(061)/A/81.—As per ISRO Headquarters Office Order No. HQ-ADMN : 4.20(5)-3 dated April 15, 1981 and on transfer from Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum Shri K. Sreenivasan has assumed charge as Assistant Accounts Officer in the ISRO Satellite Centre, Bangalore with effect from the forenoon of May 8, 1981.

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer-II

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 30th November 1981

No. A. 32014/4/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists, in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

1. Shri T. K. Basu, 27-4-1981.
2. Shri H. L. Chakraborty, 15-4-1981 allowed to officiate as Assistant Meteorologist on short term basis w.e.f. 4-3-81.
3. Shri Vishnu Sahai, 1-10-1981.
4. Shri Rabindra Mohan, 8-6-1981.
5. Shri I. C. Ganda, 1-10-1981.
6. Shri P. C. Datta, 15-4-1981 allowed to officiate as Assistant Meteorologist on short term basis w.e.f. 3-3-81.
7. Shri P. B. Majumder, 1-10-1981.
8. Shri Rangi Lal, 11-6-1981.
9. Shri S. R. Halder, 1-10-1981.
10. Shri Moti Lal Sarkar, 1-7-1981.
11. Shri S. R. Roy, 29-6-1981.
12. Shri Bhajan Lal, 13-8-1981.

K. MUKHERJEE,
(Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology.

New Delhi-3, the 26th November 1981

No. A. 12040/181-E.I.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Meena as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders.

No. A. 12040/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders :—

1. Shri L. S. Rathore.
2. Shri R. P. Samui.
3. Shri S. Krishnaiah.
4. Shri Brij Bhushan.
5. Shri B. Mukhopadhyay.
6. Dr. S. R. H. Rizvi.
7. Shri B. S. Jadaun.
8. Dr. O. P. Singh.
9. Shri Y. E. A. Raj.

S. K. DAS,
Additional Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 26th November 1981

No. A. 32014/5/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. M. Kattermal, Technical Assistant, Aero. Comm. Stn., Washim to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis w.e.f. 5-11-81 (AN), and to post him in the same station.

No. A. 38013/1/81.—Shri M. K. Gore, Assistant Technical Officer in the office of the Director of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay relinquished charge of his office on 31-10-81 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

PREM CHAND
Assistant Director (Admn.)

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 25th November 1981

C. No. 12/81.—Shri Purusottam, Sahu, Superintendent, Central Excise & Customs Group 'B' posted at Collectorate Hdqrs. Office, Bhubaneswar retired from Government Ser-

vice from this Department on Superannuation in the afternoon of 31st October, 1981.

C. No. 13/81.—Shree Ramakanta Naik, Superintendent, Central Excise and Customs, Group 'B' posted at Balasore Range under Cuttack Division retired from Government Service from this Department on Superannuation in the afternoon of the 31st October, 1981.

P. N. SARANGI,
Assistant Collector (HDQRS)
Central Excise & Customs Bhubaneswar

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 28th November 1981

No. 2-SH(1)/80.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mahendra Singh, as Engineer & Ship Surveyor, in the Mercantile Marine Department, Bombay, in a temporary capacity with effect from 8th July, 1981 (F.N.) until further orders.

S. M. OCHANAY
Sr. Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Pioneer Savings Private Limited*

Shillong, the 14th October 1981

No. 1504(560)(3)/2197-98.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Pioneer Savings Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 as of
M/s. Phono Panacea Private Limited.*

Shillong, the 14th October 1981

No. 1600/560(3)/2201-02.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Phono Panacea Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. KOM
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Rammohan Films Private Limited.*

Pondicherry-1, the 26th November 1981

No. 95/(560)(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the "RAM MOHAN FILMS PRIVATE LIMITED" has this day been struck off and the said Company dissolved.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies
Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ramakrishna Agencies Private Limited.*

Hyderabad, the 30th November 1981

No. 422/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Ramakrishna Agencies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7587.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3480, situated at Nicholson Road, Mori Gate Delhi (3/10 undivided shares) (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Radhey Sham s/o Late Pandit Siri Narain Sharma, r/o N.D.S.E. Part-II, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar, and
(2) Sh. Tarvinder Kumar
ss/o Shri Bodh Raj,
r/o 3489, Nicholson Road, Mori Gate,
Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/10 undivided share of built property bearing No. 3480, situated in Nicholson Road, Mori Gate, Delhi, with the 3/10 share of the land measuring 1,403 sq. yds. under the said share of the said property.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Date : 26-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st December 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-1/3-81/7510.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7976, situated at Mohalla Sheikhan, Bara Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Hafeez Ullah, Shafiqullah, Jamilurrahman, ss/o Shariat Ullah, and others, r/o 6544, 7974, 7983, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Naseez s/o Hafeez Ullah, 7976, Mohalla Sheikhan, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 7976, Mohalla Sheikhan, Bara Hindu Rao, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Date : 1-12-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4283.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 62, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kishan Handa s/o L. Boota Mal, r/o J-5/62, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harkishan Lal Sabharwal s/o Lachhman Dass, r/o 16/1022, Main Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62, Block J-5, Rajouri Garden, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Om Parkash, Hari Parkash & Jai Bhagwan,
s/o Malkhan,
r/o Village & P.O. Holumbi Kalan,
Delhi.
(Transferor)

(2) Ch. Kesar Singh s/o Salig Ram,
r/o Village Shahpur Garhi, P.O. Narela,
Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4296.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Village Holumbi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land Village Holumbi Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sacha Nand
s/o Shri Maya jemi
R/o 4/12, East Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Goel, s/o
Shri Bansi Ram, r/o
17/16, Shakti Nagar, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4301.—Whereas I,

VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land,

situated at Block Alipur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land, Block Alipur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—376GI/81

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-II/3-81/4312.—Whereas, J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-13/A, situated at New Multan Nagar,
Main Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Devi Dass Sardana w/o
Shri Nathu Ram Sardana,
r/o No. 963, Farash Khana,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Kumar Goel s/o Moji Ram,
r/o 7055, Gali Tanki Wali,
Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property No. C-13/A, New Multan Nagar, Main Rohtak Road, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7633.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 622 (old) 1863 New
situated at Chirakhana, Maliwara, Ward V, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Kumar alias Surendra Singh,
alias Munna Babu alias Kanti Kumar s/o
L. Sardar Singh, r/o Indra Spinning & Weaving
Mills, Jeoni Mandi, Agra.
(Transferor)

(2) Smt. Shalini Rakya, w/o
Shanti Kumar Rakyan,
r/o 1863, Chira Khanna,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 662(old), 1863(New) at Chirakhana, Maliwara, Ward V, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan, I.P. Estate,
New Delhi.

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITMS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Shri Pawan Kumar s/o Suman Chand, and others, r/o Roshan Mahal, Mohalla Sapatuwalan, Panipat, Distt. Karnal.
(Transferor)

(2) Shri Lal Chand s/o Kanshi Ram Khurana, and others, r/o H. No. 2, Silver Park, Shivpuri, Krishan Nagar, Delhi.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7690.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3618, situated at Chawri Bazar, Ward No. VI, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Property No. 3618 Chawri Bazar, Ward No. VI, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
H-Block, Vikas Bhavan
I.P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7626.—Whereas J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

981-982, situated at Raja Wali Gali, Farash Khana, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) L. Shri Krishan Gupta, s/o Piare Lal Gupta & others, r/o 982, Raja Wali Gali, Farash Khana, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Makhan Lal Piare Lal HUF Karta Ram Avtar Gupta, & Others, r/o 981, Raja Wali Gali, Farash Khana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 981-982, Raja Wali Gali, Farash Khana, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7615.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
13A, situated at 1st Floor, Qutab Road Flat, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on March, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(1) Shri Surinder K. Paul,
s/o Ram Dass Paul,
r/o 2-C/29, New Rohtak Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jain Kumar Jain,
s/o Chhottey Lal,
r/o 4799, Deputy Ganj, Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 13A, 1st Floor, Qutab Road Flat, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Veer Singh s/o Jeeta Singh,
1/o 2564, Mohalla Nai Wara, Chawri Bazar,
Delhi
(Transferor)

(2) Shri Tara Chand Jha, & other sons of
Sh. Ram Parshad Jha,
H. No. 2453, Mohalla Nai Wara,
Chawri Bazar, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. JAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7809.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section
269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

2453, situated at Ward No. 5 Mohalla Nai Wara, Chawri
Bazar, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective person
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

H. No. 2453, Ward No. 5, Mohalla Nai Wara, Chawri
Bazar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7555.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 843-44, situated at Kt. Ghee, Nohar Sadat Khan, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vijay Kumar Jaipuria
s/o L. Chiranjit Lal,
r/o 340 Naya Katra,
Chadni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi w/o Suraj Bhan,
and others,
r/o 1938, Katra Subedar Khan, Lal Kuan,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 843-44, Katra Ghee, Naya Sadat Khan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7490.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
841-842,

situated at Ward III, Katra Ghee, Nahar Sadat Khan, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on March, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(1) Shri Vijay Kumar Jaipuria,
s/o Seth Chiranji Lal Jaipuria,
r/o 340 Naya Katra,
Chadni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Bhan s/o Radha Kishan,
r/o 1038, Lal Kuan Katra Subedar Khan,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA, of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property Nos. 841-842 Ward III, Katra Ghee, Nahar Sadat
Khan.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
20—376GI/81

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7617.—Whereas I,

VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 309 & 309A situated at Karta Gouri Shanker, Chandni Chowk Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Banarsi Dass s/o Kanhya Lal,
r/o 421, Haveli Haider Kuli,
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Mala, w/o
Tanu Lal, r/o
2/5, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 309 & 309A, Kt. Munshi Gouri Shanker, Chandni Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I. P. Estate, New Delhi

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. P. Sharma s/o Pt. Ram Chand,
r/o 36, Sri Nagar Colony,
Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
ACQUISITION RANGE-II,
'H' BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 6th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ. II/SR-I/3-81/7507.—Whereas I,
VIMAL, VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 11568, situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 11568, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kirti Parshad
R/o 51, Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/ACQII/SR-I/3-81/7575.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. 1892 situated at Chandani Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal HUF
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh,
Dr. Sen Road, Fountain,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandani Chowk, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Mojed 5412 Kucha Rehman,
Chandani Chowk Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mst. Logioli Bi, Mehfabuddin Suladdin
2351, Saraj Masjid, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7498.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.
Mpl. No. 5005 to 5008 situated at Ward No. 41, Kucha
Rehman, Ch. Ch. Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mpl. No. 5005 to 5008, Ward No. 41, Kucha Rehman,
Ch. Ch. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7577.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Mpl. 1892 situated at Chandani Chowk, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Annpurna Devi
W/o Shri Ram Parshad
R/o 81, Friends Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal HUF
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh,
Dr. Sen Road, Fountain,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandani Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
H-Block, Vikas Bhavan,
I.P. Estate, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 12-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kashi Ram adopted s/o
Shri Nandu Mal & others
r/o 185, Ward No. 10,
Mohalla Damdama, Jhajjar,
Distt. Rohtak, Haryana.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar Gupta
s/o Shri Begraj Gupta
r/o 27/26, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7608.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Mpl. No. 437/487 situated at Katra Ishwar Bhawan, Khari
Baoli, Ward No. III, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

THE SCHEDULE

Mpl. No. 437/487 Kt. Ishwar Bhawan at Khari Baoli,
Ward No. III, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 16-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/3-81/7578.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. 1892 situated at Chandani Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rajol Farshad
R/o 51, Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal HUF
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh,
Dlt. Sen Road, Pothi
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandani Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Dated : 12-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7616.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. XI/2805 situated at Kucha Chelan, Daryan Ganj, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(1) Shri Ramsaran Dass
s/o Shri Dula Ram
R/o 2804 Kucha Chelan,
Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata Tripathi
w/o Shri Raj Kishore Tripathi
r/o 2805 Kucha Chelan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. XI/2805, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

21—376GI/81

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/4310.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H-93/1 situated at Shivaji Park, Vill. Madipur, Delhi
State, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at
New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(1) Shri Sardari Lal Mehra
s/o Shri Sham Dass Mehra
C/o Central Bank of India,
Pathankot, Punjab.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Wati Sachdeva
w/o Shri Krishan Chand Sachdeva
R/o H-93/1, Shivaji Park,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. H-93/1, Shivaji Park, Vill. Madipur, Delhi State.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Dated : 19-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Smt. Maharaji Devi
w/o Shri Hanuman Giri
R/o No. D-43, Kamla Nagar, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh
s/o Shri Sarup Singh
R/o 8/5 Singh Sabha Road, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-I/3-81/7542.—Whereas, I,

SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Mpl. 6187 to 6189 situated at Ward No. XXII, on plot No. 3, Block F, Kamla Nagar, S/Mandi, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 6187 to 6189 Ward No. XII, on plot No. 3 Block F Kamla Nagar, S/Mandi, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Dated: 19-11-1981
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7538.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. 3/7 situated at West Patel Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March, 1981for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—(1) Smt. Ram Piari Sehgal
wd/o Shri Chunilal Sehgal
lessee of property No. 3/7
West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand
s/o Shri Chhango Mal
R/o C-37, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 3/7, West Patel Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New DelhiDated : 19-11-1981
Seal :Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.I4/SR-I/3-81/7567.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3499 situated at Faiz Bazar, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri K. K. Sharma alias Kishan Kumar
s/o Shri Om Parkash
R/o 3491, Kucha Lalman,
Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Devi
w/o Shri Kirpa Shanker Shastri
R/o 255, Delhi Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 3499, Kucha Man, Faiz Bazar, Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Siri Ram Sharma
R/o DCM Qr. No. 5, Bara Hindu Rao,
Delhi.
(Transferor)

(2) Miss. Asha Kumari Aggarwal
R/o 2003, Katra Lachhu Singh,
Fountain, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7554.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mpl. Nos. 2115, 2116-17 situated at Chan Indara, Jubilee Cinema, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mpl. Nos. 2115 to 2117, Chan Indara, Jubilee Cinema Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Iqbal Nath
s/o Shri Dina Nath
R/o B-82, Wazirpur Industrial Area,
Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi
w/o Shri Suraj Bhan
R/o Kothi No. 15, on Road No. 6,
Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-81/7649-A.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value ~~exceed~~ Rs. 25,000/-
and bearing
No. 90/100 situated at Plot No. B-82, Wazirpur Industrial
Area, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

90/100 on Plot No. B-82, Wazirpur Industrial Area, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated : 12-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4323.—Wheeras, I,
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) S/Shri Ram Pat & Munshi
ss/o Shri Jit Ram,
R/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jit Kaur
w/o Mahipal Singh
R/o Vill. Ali Pur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land. Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangeII,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Padma Punjabi
w/o Shri Om Parkash Punjabi
R/o 1870-B, Tri Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACQ.II/SH.I/3-81/7597.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Shop No. 2 situated at property No. 6514 in ward No. XII,
Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Property No. 6514 in ward No. XII, Kamla
Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
22—376GI/81

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahabir Parshad
R/o 51, Friends Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Saran Aggarwal, HUF
R/o 2003, Kt. Lachhu Singh Fountain,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SH-I/3-81/7576.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 1892 Chandni Chowk, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mpl. No. 1892, Chandni Chowk, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 12-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SH-I/3-81/4336.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri. land situated at Killa Nos. 3 & 4, Vill. Palam,
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) S/Shri Jug Lal and Jai Lal
s/o Shri Goverdhan
R/o Vill. Palam, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Kumar Dey
s/o L. C. H. Dey
R/o 11/6, Malviya Extn.
New Delhi & others

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Killa Nos. 3 and 4, Vill. Palam, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981.

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4376.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Tikri Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Dhari
s/o Shri Jat Ram
R/o V&PO Tikri Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi
w/o Shri Ishwar Singh
R/o WZ 1817, Multani Mohalla, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Tikri Kalan, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN.
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4324.—Whereas, I,

SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Ram Pal & Munshi
s/o Shri Jit Ram
r/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahipal Singh
s/o Shri Dharam Singh
r/o Vill. Alipur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Ram Pat and Munshi
s/o Shri Jit Ram
r/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) S. Joginder Singh
s/o Shri Ram Pat and
Shri Rohtash Singh
r/o Shri Munshi Rani
r/o Holambi Khurd, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4325.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Holambi Khurd, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/ACq.II/SR-II/3-81/4367.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WZ-125-A situated at Naraina, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mehar Chand
s/o Shri Binda Mal
R/o Shere Punjab Market,
Patiala.

(Transferor)

(2) Shri G. S. Bhatia
s/o Shri H. S. Bhatia
R/o D-26, Narain Vihar
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. WZ-125-A, Naraina, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Dated : 19-11-1981
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4358.—Whereas, I,
SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 25/6 situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Chaman Lal
as GA Smt. Sita Rani Sethi R/o
23/768, Tilak Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani, W/o
Shri Subhash Chander, R/o
17/41A Tilak Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 25/6 Tilak Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1981

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-81/4364.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Holambi Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—376GI/81

(1) Shri Sher Singh alias Shere, s/o Shri Jaggan, r/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Munshi Ram and Ram Pat s/o Shri Jit Ram R/o Vill. Holambi Khurd, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, Vill. Holambi Khurd, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Aboobaker, s/o Moideen, Anjikkath House, Thrikakara, B.M. College P.O., Cochin-21.
(Transferors)

(2) Jikku Issac, Palathinkal, Palarivattom, Cochin-25.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682 016

Cochine-682 016, the 16th November 1981

Ref. L.C. 544/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Thrikkakara Theku (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappally on 26-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

19.229 cents of land in Survey No. 637/5 of Puthuppalli-prum Kara, Thrikkakara Thekkum Pakutty of Kanayannoor Taluk.

T. Z. MANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Dated 16-11-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) A. M. Kareem, S/o Moideen, Anjikathu House,

Thrikkakara, B.M. College P.O., Cochin-21.

(Transferor)

(2) Jikku Issac, "Palathinkal", Palarivattom, Cochin-25.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682 016

Cochine-682 016, the 16th November 1981

Ref. L.C. 545/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Thrikkakarathoku (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Edappally on 26-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

20 cents of land in Survey No. 637/5 of Puthupallipuram kara, Thrikkakra thekkumpakuthy of Kanayannoor Taluk.

T. Z. MANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 16-11-1981
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 20th November 1981

Ref. No. III 524/Acq./81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

bearing Tauzi No. 5854 Thana No. 17 Khata No. 174 No. 414, situated at Sikendarpur Mahal Rustampur Sahpur P. S. Dinapore Dist. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dinapore on 19-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Bimla Jaiswal W/o Sri Lalji Jaiswal R/O Gavtal Dinapore Dist. Patna. (Transferor)

(2) Shri Gupta Traders through one of the Director Shri Krishna Bhagwan Gupta S/O Shri Sohanlalji Gupta, R/O 210 Patliputra Colony P.O. Patliputra Colony Dist. Patna. (Transferee)

(3) SHRI (Person in occupation of the property)

(4) SHRI (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 22 decimals at Mouza Sikendarpur Mahal Rustampur Sahpur PS. Dinapore Dist. Patna morefully described in deed No. 1144 dated 19-3-1981 registered with Sub-registrar Dinapore.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated : 20-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 20th November 1981

Ref. No. III-523/Aiq./81-82.—Whereas, I,
H. NARAIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Khesara No. 414, situated at Sikendarpur Mahal Rustampur
Sahpur P. S. Dinapore Dist. Patna.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dinapore on 3-3-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shaker Das Mahta S/O Late Narain Mahta
R/O Gaytai Tarkaria Bazar Dinapore P.O. Digha
Dist. Patna.
(Transferor)

(2) Shri Gupta Traders through one of the Director
Shri Krishna Bhagwan Gupta S/O Shri Sohanlal Gupta
R/O 210 Patliputra Colony P.O. Patliputra
Colony Dist. Patna.
(Transferee)

(3) SHRI
(Person in occupation of the property)

(4) SHRI
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 22 decimals at mouza Sikendarpur Mahal Rustampur
Sahpur P. S. Dinapore Dist. Patna morefully described in
deed No. 924 dated 3-3-1981 registered with Sub-registrar
Dinapore.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 20-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1981

Ref. No. A.P. No./2829.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated Vill. Ugg Teh. Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagdiswar Sahai S/o Jowala Sahai R/O Vill. Ugg Teh. Naodar.
(Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh S/O Sudagar Singh R/O Vill. Ugg Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3143 of March, 1981 of the Registering Authority, Nakodar.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 16-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2830.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA
being the Competent Authority,
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jullundur on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Harbir Singh, Rajbir Singh S/o Joginder Singh and Joginder Singh S/o Bishan Singh and Beant Kaur W/O Joginder Singh, R/O Garden Colony, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Harminder Gill W/O Gurdit Singh and Gurdip Singh Gill S/O Shingara Singh, R/O 429, Mota Singh Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8054 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2831.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harbir Singh, Rajbir Singh S/o Joginder Singh and Joginder Singh S/O Bishan Singh and Meant Kaur W/O Joginder Singh, R/O Garden Colony, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Vijey Kumar Dhir S/O Dewan Gurcharan Dass, Agya Singh S/O Hukam Singh, 429, Mota Singh Nagar, Jullundur and Udhampur Chand S/O Mangat Ram R/O 104/S, Preetnagar, Ladowali Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8241 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2832.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at V. Kingra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the office of the Registering
Officer at Jullundur on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

24—576GI/81

(1) Shri Harbir Singh, Rajbir Singh S/o Joginder
Singh and Joginder Singh S/O Bishan Singh and
Beant Kaur W/O Joginder Singh R/O Garden
Colony, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Raj Krishan Puri S/O Hari Kishan R/O
Shalimar Road, Kapurthala and Smt. Gurbachan
Kaur W/O Gurdial Singh R/O Navin Haweli,
Kakiman Gate, Amritsar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 8119, of March, 1981 of the Registering Authority,
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2833.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per schedule situated at Partap Colony, Jullundur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Jullundur on March 1981
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Pritam Singh S/O Batten Singh R/O Village Jandiala Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar Dutta S/O Shri Piara Lal R/O Village Hadaibad, Tehsil Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7583 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2834.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Partap Colony, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Pritam Singh S/O Batten Singh R/O Village Jandiala Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)
(2) Shri Satish Kumar Dutta S/O Sh. Piara Lal R/O V. Hadiabad Teh. Phagwara.
(Transferee)
(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 149 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 13-11-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2835.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per schedule situated at V. Singh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Ghasita Singh alias Balvinder Singh and Buta Singh alias Joginder Singh S/o Sh. Bhagat Singh R/O V. Singh, Tehsil Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Surinder Singh, Sukhvinder Singh S/o Mukhtiar Singh R/O V. Singh Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 7910 of March, 1981 of the Registering Authority,
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 13-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2836.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said' Act), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Village Singh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Ghasita Singh alias Balvinder Singh and Buta
Singh alias Joginder Singh S/o Sh. Bhagat Singh
R/O Village Singh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Surinder Kaur Wife of Sh. Kultar Singh R/O
Village Singh Tehsil Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
and shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 8095 of March, 1981 of the Registration Authority,
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 13-11-1981
Seal :

FORM FTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2837.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at New Vijay Nagar, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kailash Chander s/o Hari Kishan r/o 230, Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh s/o Shri Amir Singh c/o B. R. Industries, Dada Colony, Industrial Area, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7652 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Charan Singh s/o Jawand Singh r/o V. Pragpur Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Nazar Singh s/o Shri Sohan Singh r/o V. Pragpur Teh. & Distt. Jullundur.
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2838.—Whereas, I,

J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situate at V. Pragpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7419, of March, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2839.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Pragpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly, stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Charan Singh s/o Shri Jawand Singh r/o V. Pragpur Teh. & Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Jarnail Singh, Bhajan Singh & Avtar Singh S/o Shri Nazar Singh r/o V. Pragpur Teh. Distt. Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7588 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, JullundurDated : 13-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2840.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Basti Pir Dad Khan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Chaman Lal, Sohan Lal &/o Shri Beli Ram r/o Basti Pir Dad Khan, Jullundur. (Transferor)
- (2) M/s Vijay Rubber Industries, Basti Nau, Jullundur through Shri Om Parkash Partner of the firm. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 8319 of March, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—376GI/81

Dated: 13-11-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2841.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Smt. Surinder Kaur Wife of Sh. Umrao Singh R/O
Village Wadala, Teh. Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Ranjit Kaur wife of Sh. Manmohan Singh and
Manmohan Singh S/O Sh. Sobha Singh R/O W.Q.
143, Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 8020 of March, 1981 of the Registration Authority,
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 13-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2842.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Smt. Surrinder Kaur Wife of Sh. Umrao Singh r/o
Village Wadala Teh. Jullundur:
(Transferor)
- (2) Smt. Harbir Kaur w/o Sh. Mohinder Singh r/o
Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 7422 of March, 1981 of the Registering Authority,
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 13-11-1981

Seal :

FORM F1NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2843.—Whereas, I,
I. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Sh. Bakhtawar Singh s/o Sh. Satnam Singh and
Smt. Surinder Kaur Wife of Sh. Umrao Singh and
Amarjit Singh s/o Sh. Umrao Singh r/o Village
Wadala Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Bikramjit Singh s/o Jot Singh and Smt. Satwant Kaur d/o Sh. Jot Singh, r/o 413, Model
House, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 7423 of March, 1981 of the Registering Authority,
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 13-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR
Jullundur, the 21st November 1981

Ref. No. A.P. No./2844.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Bakhtawar Singh s/o Sh. Satnam Singh & Surinder Kaur w/o Sh. Umrao Singh, and Amarjit Singh s/o Sh. Umrao Singh r/o Village Wadala, Teh. Jullundur. (Transferor)
(2) Smt. Satnam Kaur Wife of Sh. Harbhajan Singh r/o W.P. 156, Basti Sheikh, Jullundur. (Transferee)
(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7424 of March, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 13-11-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2845.—Whereas, I,
J. S. AHLUWALIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. As per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Jullundur on March 1981
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consider-
ation and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Umrao Singh s/o Sh. Bakhtawar Singh and
Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Umrao Singh r/o
Village Wadala Tehsil Jullundur.
(Transferor)
- (2) Sh. Balbir Singh, Inder Mohan Singh S/o Sh. Sajan
Singh r/o WS-65, Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 7421 of March, 1981 of the Registering Authority,
Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 13-11-1981
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th November 1981

Ref. No. A.P. No./2846.—Whereas, I, J. S. AHLUWALIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Basti Sheikh Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Umrao Singh S/o Sh. Bakhtawar Singh R/o Village Wadala Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Charanjit Singh & Ravinder Jit Singh S/o Shri Harbhajan Singh R/O W.P. 156, Basti Sheikh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7463 of March, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

J. S. AHLUWALIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 13-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2847.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Rup Lal S/O Balji Nath R/O Gita Mandir, Nal Abadi, Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Baldev Kumar S/O Kharati Ram C/o M/S Nathu Ram Kharati Ram Dal Bazar, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4908 of March, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 23-11-1981
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Sh. Sherjang S/O Ram Narain Vill. Dutaram Wali, Teh. Fazilka.
(Transferor)
- (2) Sh. Jai Kishan S/O Chanan Lal R/O Mandi Abohar.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2852.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. As per schedule situated at Mandi Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Abohar on March 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the Registration sale
deed No. 3878 of March, 1981 of the Registering Authority,
Abohar.

R. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 23-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

26—376GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Raja Ram, Prithi Raj, Kewal Krishan, Mohan Lal S/O Mehmuk Chand R/O Fazilka. (Transferor)
 (2) Shri Hans Raj S/O Narain Dass R/O Sukhara Basti, Abohar. (Transferee)
 (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4304 of March, 1981 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 23-11-1981
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2879.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Shanti Swaroop S/O Faqir Chand Smt. Sudershan Kumar W/O Surinder Kumar R/O Malvia Nagar, New Delhi. Sh. Narinder Nath S/O Shri Faqir Chand, Smt. Usha Rawal D/O Sh. Faqir Chand, Sh. Ramesh Kumar S/O Sh. Faqir Chand R/O Gobindgarh Through Smt. Satya Monga W/O Ramesh Kumar R/O Gobindgarh Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) S/Sh. Ashok Monga, Anil Monga Ss/O Sh. Manohar Lal Monga C/O M/S Salamat Rai Manohar Lal, Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6975 of March, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 23-11-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd November 1981

Ref. No. A.P. No./2880.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Sopat Rai S/O Kalu Ram R/O Gali No. 7, House No. 1311, Mandi Abohar. (Transferor)
- (2) Shri Bhim Sain Sachdeva S/o Sh. Milkhi Ram R/o Gali No. 2, Thakar Abadi, Abohar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 4037 of March, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 23-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 17th November 1981

Ref. No. F. 16263.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20 situated at Puram Prakash Road, Balaji Nagar Extension, Madras-14 (Doc. 451/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Parvathi Ananda Ram
20, Puram Prakash Rao Road,
Balaji Nagar Extension,
Madras-14.

(Transferor)

(2) M. G. Rahima Bee.
30, Niyiappa Maistry St.,
Madras-640 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 20, Puram Prakash Rao Road, Balaji Nagar Extension, Madras-14.
(Doc. 451/81)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jeewanlal (1929) Limited,
No. 23, Braboune Road,
Calcutta (West Bengal).

(Transferor)

(2) Annapalam Ammal Charities,
No. 8, Thiruvotriyur High Road,
Madras-19.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,
621 MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th November 1981

Ref. No. 103/March/1981.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door Nos. 18, 19 and 20,
situated at Gollawar Agrahavam Road, Madras-21
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram, Madras on 31-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at Door Nos. 18, 19 and 20, Gollawar Agrahavam Road, Madras-21—Document No. 477/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust,
No. 43-A, Manjanakara Street,
Madurai.

(Transferors)

(2) Shri M. S. Ramachandran,
No. 15, Harvey Nagar,
Madurai-16.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 88/Mar./81.—Whereas I. R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 203/1, (Ward No. 13), situated at Mannarkottai Road, Sattur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sattur on 30-3-1981 (Document No. 792/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site at Ward No. 13, S. No. 203/1, Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 792/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
KANNAMAI BUILDING, 2ND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 89/March/1981.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 203/1, situated at Ward No. 17, Mannarkottai Road, Sattur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur on 26-3-1981

(Document No. 760/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust, No. 43-A, Manjanakara Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Sankareswaran, S/o Shri Sankara Reddiar, Zamin A. Remalingapuram Village, Sattur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site at Ward No. 17 (S. No. 203/1), Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 760/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,
KANNAMMAI BUILDING, 2ND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006
Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 91/March/1981.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 203/1, Ward No. 13,
situated at Mannarkottai Road, Sattur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur on 27-3-1981
(Document No. 729/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust,
No. 43-A, Manjanakara Street,
Madurai.
(Transferor)

(2) M/s. Sri Venkateswara Industries,
Zamin A. Ramalingapuram,
Sattur Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Godown and vacant site at S. No. 203/1, Ward No. 13, Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 729/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—376GI/81

Date : 13-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMAI BUILDING, 2ND FLOOR,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th November 1981

Ref. No. 92/March/1981.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 203/1, situated at Ward No. 13, Mannarkottai Road, Sattur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sattur on 28-3-1981

(Document No. 753/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Timma Narasimma Nagalakshmi Dharma Trust, No. 43A, Manjanakara Street, Madurai.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Venkateswara Industries, Zamin A. Ramalingapuram, Sattur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Vacant site at S. No. 203/1, Ward No. 13, Mannarkottai Road, Sattur—Document No. 753/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th November 1981

Ref. No. C.R. No. 62/30407/80-81/ACQ/B.—Whereas I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 150 situated at Infantry Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar Bangalore, Document No. 4477/80-81 on 20-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ali Asker Mirza,
Residing at England,
Rep. by P.A. holder, Mr. K. Rehman Khan,
Chartered Accountant
No. 200/C, 7th Main, 3rd Block, Jayanagar,
Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Cyma Exports Pvt. Ltd.,
No. 135, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay
Rep. by its Director,
Mr. Suresh V. Vora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4477//80-81 Dated 20-3-1981]

Property bearing No. 150, having land with a dwelling house Cottages, Servants quarters, Out buildings and other constructions. Situated at Infantry Road, Bangalore.

Division No. 59.

Bounded on :

North by : Infantry Road
South by : Raj Bhavan Road
East by : Premises No. 149
West by : Corporation Road.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Kr. Om Prakash, and
Smt. Prabha Rani.

(Transferor)

(2) M/s. Dhampur Sugar Mills Limited
13, Civil Lines, Bareilly,
Through its Director,
Shri Ashok Kumar Goel.(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 18th November 1981

Ref. No. G.I.R. No. O-15/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12/13, situated at Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 25-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 12/13, measuring 2300 sq. ft. situated at Civil Lines, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 1986 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 25-3-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Reverend Mother M. Margarate Selmeiner,
I.B.M.B.
(Transferor)

(2) Shri Sushil Solomon.
(Transferee)

(3) Shri Sushil Solomon.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 18th November 1981

Ref. No. G.I.R. No. S-223/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land—550 sq. mtrs.

situated at in the south of Ranney State, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nainital on 11-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 550 sq. mtrs. situated in the extreme south of Ranney State, Nainital, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 107 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Nainital, on 11-3-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/361/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 205, situated at Sector 36A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. Mohinder Singh, c/o 170 MC/MF Detachment, c/o 56 A.P.O.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Shanta Kishore, S-28, Greater Kailash-II, New Delhi. . .

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 205, Sector 36A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2063 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/351/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 2370, Sector 23-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Roshan Lal Jain s/o Jangi Lal, r/o H. No. 1167, Sector 21-B, Chandigarh through Shri Shivdev Singh, r/o 274, Sector 10-A, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Gakhar s/o Shri Roshan Lal, c/o M/S Eamm Ell Departmental Store, SCO No. 7, Sector 17-E, Chandigarh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 2370, situated in Sector 23-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1987 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FROM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/357/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 253, Sector 37-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri J. S. Bhullar,
s/o Shri Bachittar Singh,
through Shri Ghanshyam Dass,
s/o Shri Jammuna Parshad,
r/o SCF No. 25, Sector 7-C,

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita Marriya, w/o
Shri Subash Marriya,
r/o 519, Sector 15-A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 253, situated at Sector 37-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 2024 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Prem Parkash Kaur,
Wd/o S. Jaswant Singh,
7, Gurdev Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kapoor, s/o
Shri Shammi Kapoor, c/o
M/s Raj Footwear, Chaura Bazar,
Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. LDH/576/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. B. II 1745 (1745), situated at Chaura Bazar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No. B. II. 1745, Chaura Bazar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 7296 of March, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—376GI/81

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Prem Parkash Kaur,
Wd/o Shri Jaswant Singh,
7, Gurdew Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kapoor, s/o
Shri Shammi Kapoor, c/o
M/s Raj Footwears,
Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. LDH/583/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of House No. B. II. 1745, situated at Chaura Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. B. II. 1745, Chaura Bazar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 7346 of March, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kewal Singh,
s/o Jai Ram,
through Shri Gurbachan Singh,
s/o Deva Singh
r/o VPO Puranpur,
Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Satbir Singh Kohli,
s/o Shri Tirochan Singh Kohli, and
Smt. Joginder Kohli, w/o
Shri Satbir Singh Kohli,
r/o H. No. 1025, Sector 21-B,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/358/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 269, Sector 35-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 269, situated at Sector 35-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 2025 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981
 R.L. No. CHD/366/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/ share in House No. 556, situated at Sector 16D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Vimla Verma, w/o
 Shri M. L. Verma,
 r/o 556, Sector 16D,
 Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dharamvir Sabharwal &
 Mrs. Urmilla Sabharwal,
 r/o 556, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/ share in House No. 556, Sector 16D, Chandigarh.
 (The property as mentioned in the sale deed No. 2093 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 19-11-1981
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sgn. Ldr. A. S. Guglani
s/o Shri J. D. Guglani
R/o House No. 1604, Sector 33D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Markan Advocate, &
Mrs. Brij Mohini,
r/o 1603, Sector 33D,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/350/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Incomplete House No: 1603,
situated at Sector 33D, Chandigarh
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Chandigarh in March, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Incomplete House No. 1603, Sector 33D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1963 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lt. Col. S. K. Vij s/o Sh. Inder Datt Vij
r/o 4201, Sirhind Gate,
Patiala through Sh. Vinod Vij
s/o Sh. I. D. Vij.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Rani w/o Shri Rattan Chand
r/o House No. 121, Sector 23-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/362/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1533/34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 1533, situated in Sector 34-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No 2084 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUHKDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 2669D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX .

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/356/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3363, Sector 32-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Smt. Urmila Rani w/o Sh. Roshan Lal Sood through Sh. Kuldip Kuthala r/o 105, Sector 27-A, Chandigarh
(Transferor)

(2) Sh. Tarlok Chand Sood s/o Sh. Kirpa Ram Sood through Sh. Harish Kumar Sood r/o 3363, Sector 32-D Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3363, situated in Sector 32-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in registered deed No. 2022 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Wg. Cdr. C. S. Sandhu S/o Brig Pritam Singh through attorney Sh. Jagpal Singh R/o 1061, Sector 36C, Chandigarh. (Transferor)

(2) Mrs Jaswinder Kaur w/o Sh. Jagpal Singh Chahil R/o 1061, Sector 36C, Chandigarh (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/354/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1060 situated at Sector 36C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 1060, Sector 36C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1993 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/368/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share of SCF No. 9, Sector 27-C situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) (i) Sh. Ram Saran Dass s/o Sh. Dhul Chand
(ii) Smt. Promila Bhateja w/o Shri Ram Saran Dass
r/o H. No. 212, Sector 18-A, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Smt. Harbhajan Kaur w/o Shri Joga Singh Sandhu
c/o & through Shri Sham Lal Aggarwal
r/o H. No. 3454, Sector 27-D, Chandigarh.
(Transferee)

(3) (1) M/s. New India Assurance Co. Ltd.
(2) Sh. Subash Chander
(3) Sh. Davinder Kumar
(4) Sh. Shiv Pal
(5) Sh. Mohinder Singh
all rs/o SCF No. 9, Sector 27-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1 share of SCF No. 9, situated in Sector 27-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 2094 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29 —376GI/81

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Lt. Col. Kirpal Singh Bindra s/o Dr. C. S. Bindra, A-3/153, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Pal Bhandari & Mrs. Veena Bhandari, R/o 117Q/Sec. 15B, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXCENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/353/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 185, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Plot No. 185, Sector 33A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1992 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/349/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 317, Sector 33-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Brig. Bawan Ishar Singh Bhalla S/o Bawa Kahan Singh R/o H. No. B91-A, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdev Singh s/o Sh. Nazar Singh & Smt. Dalbir Kaur w/o Sh. Gurdev Singh through Sh. Narinder Singh H. No. 214-215, New Jawahar Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 317, situated in Sector 33-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1961 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kamlesh Kumar Malhotra
S/o Sh. Bal Mukhand,
R/o 1176, Sector 8C, Chandigarh.
(Transferor)

(2) S/Shri Bhagwan Dass & Krishan Lal
S/o Shri Lachhman Dass,
R/o 35, Indl. Area, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. CHD/348/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1176, situated at Sector 8C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1176, Sector 8C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1959 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM TENS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. GHD/352/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3023, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Manohar Singh Aulakh s/o Sh. Harnam Singh through his attorney Sh. Sohan Singh S/o Sh. Gurdial Singh, Watch Maker, Booth No. 3, Sector 19D, Chandigarh. (Transferor)

(2) Shri Inder Singh S/o Shri Hari Chand C/o M/s, Khalsa Boot House, Ganj Bazar, Simla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3023, Sector 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1988 of March, 81 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 19-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 CENTRAL REVENUE BUILDING
 ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th November 1981

Ref. No. SHD/370/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1608, situated at Sector 18D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Niranjan Singh Golar
 S/o Sh. Singh,
 R/o 1608, Sector 18D, Chandigarh.
 (Transferor)

(2) Shri Harpal Singh S/o Shri Niranjan Singh,
 R/o House No. 1246, Sector 20B,
 Chandigarh.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1608, Sector 18-D, Chandigarh.
 (The property as mentioned in the sale deed No. 1943 of March, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-11-1981
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Guman Singh Rathore, Asstt. Secretary,
Vidhya Pracharini Sabha,
Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopal Singh Ji,
Ranawal Poultry Farm,
Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq/1070.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 25-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 70 x 105 sq. ft. at Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S R., Udaipur vide his registration No. 724 dated 25-3-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-11-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS.

(1) Shri Guman Singh Rathore, Asstt. Secretary, Vidhya Pracharini Sabha, Udaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravi Bhanwar Singh Ranawat, Ranawat Poultry Farm, Udaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref No. IAC/Acq/1071.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding:

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 475 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 27-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 475 at Hiran Magari Sector No. 4, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 723 dated 27-3-81.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec persons, namely:—

Date : 12-11-81
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Guinan Singh Rathore, Asstt. Secretary, Vidhya Pracharini Sabha, Udaipur.
 (Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Singh Ranawat, Ranawat Poultry Farm, Udaipur.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1072.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 477 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Udaipur on 27-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 477, Hiran Magri, Sector No. 4, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 722 dated 27-3-81.

M. L. CHAUHAN,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 30—376GI/81

Dated : 2-11-81
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 2nd November 1981Ref. No. IAC Acq./1073.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 476 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Officer at Udaipur on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Guman Singh Rathore, Asstt. Secretary, Vidhya Pracharini Sabha, Udaipur.
(Transferor)

(2) Kumari Prabha Kumari, Ranawat Poultry Farm, Udaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 476, Hiranmagri Sector No. 4, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 725 dated 28-3-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 2-11-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Devi Lal S/o Poonam Chand Ji Kothari,
Maldas Store, Udaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Suresh Chand Jain and Sons, Hiran Magari
Sector No. 11, Udaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1066.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 15 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Udaipur on 4-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 15, at Hiranmagri Sector No. 11, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 534 dated 4-3-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-11-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Kalyan Mal S/O Nanak Ram Ji, R/O Jaipur.
(Transferor)(2) Sh. Prakash Chand, Suresh Chand, Kailash Chand
sons of Kanhiya Lal Jain, R/o Kakroli.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1067.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot No. 3 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 4-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 3 at Sunder Vas, Gelda Colony, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide registration No. 521 dated 4-3-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 12-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpa Sharma W/O Bhagwati Dayal Ji
Sharma R/O Udaipur.
(Transferor)

(2) Sh. Gouri Shankar S/O Ram Swaroop Bansal R/O
Udaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1068.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the
'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 36B situated at Udaipur
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer
at Udaipur on 6-3-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the aforesaid property,
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 36B at Ambawgarh Yojana, Udaipur measuring
9079 sq. ft. & more fully described in the sale deed registered
by S.R., Udaipur vide his registration No. 553 dated
6-3-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Dated: 12-11-1981
Seal:

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Rajmata Vishnu Kunwar Ji W/O late Shri Bhoopal Singh Ji, Udaipur.
(Transferor)

(2) Sh. Jagannath Singh S/O Malam Singh Ji Galundia R/o Mogara Bhai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1060.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 36 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 7-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 36 at Sravanti Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 813 dated 7-4-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Seal :
Dated : 12-11-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Girish S/O Shri Prop. Sultan Singh Ji Jain
R/O Kundigaron Bhenro Ka Rasta, Johari Bazar,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Vandana W/O Dr. Chandra Kumar Sacheti
at present R/O America, B-121 Mangal Marg,
Bapu Nagar, Paipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1097.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. S19 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Officer at Jaipur on 28-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. S-19, Bhawani Singh Marg, C-Scheme, Jaipur &
more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur
vide his registration No. 1010 dated 28-4-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 12-11-1981
Seal :

FORM ITN8

(1) Hari Narayan Tandon & ors. (Transferor)
 (2) The Calcutta Muslim Orphanage. (Transferee)
 (3) The Calcutta Muslim Orphanage. (Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-592/80-81/Sl.597/IAC/Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 and 1/1 situated at Sheriff Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 2 Sheriff Lane, Calcutta on land measuring 1 bigha 4 cottacks 15 chittacks and Premises No. 1/1, Sheriff Lane, Calcutta on land measuring 2 cottah 2 chittacks together with structure registered vide Deed No. 3215 dated 14-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Dhirendra Nath Bose & ors.

(Transferor)

(2) Mr. Jagannath Agarwala & ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th November 1981

Ref. No. TR-614/80-81/598/IAC.Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26A situated at Park Lane, Calcutta.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee by
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two storied building with land area of 6 cottahs more or
less behind premises No. 26A, Park Lane, Calcutta regis-
tered vide Deed No. I-2692 dated 28-3-81 before the Regis-
trar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
31—376GI/81

Date : 13-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Banu Dutt.

(Transferor)

(2) Sm. Joly Saha

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1981

Ref. No. 970/Acq/R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 149 situated at Sri Arabindu Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided half share of premises No. 149, Sri Arabindu Sarani, Calcutta on land admeasuring 4 Cottahs 7 ch. 22 sft. registered before the Registrar of Assurance, Calcutta, vide deed No. 2618, dt. 27-3-81.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 9-11-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Smt. Bani Dutt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Benu Lal Das &
2. Sri Ranjit Kumar Das

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
Calcutta, the 10th November 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 969/Acq./R-III/81-82.—
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 149 situated at Sri Arabindu Sarani, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 27-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided half share of premises No. 149, Sri Arabindu
Sarani, Calcutta on land admeasuring 4 Cottahs 7 ch. 22 sft.
registered before the Registrar of Assurance, Calcutta, vide
deed No. 2617 dt. 27-3-81.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 10-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Purnima Sarkar

(Transferor)

(2) Sri Amal Kumar Roy

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1981

Ref. No. 968/Acq.R-III/81-82/Cal.—
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 171/A situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of the house property being premises No. 171/A, Sarat Bose Road, Calcutta, containing an area of 2K 3Ch. 37 Sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Purima Sarker

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kumar Roy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1981

Ref. No. 967/Acq.R-III/81-82/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 171/A situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 28-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of the house property being premises No. 171/A, Sarat Bose Road, Calcutta, containing an area of 2K 3Ch. 37 Sq. ft.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 9-11-1981
Seal :

FORM IFN8

(1) Kartick Chandra Pyne

(Transferor)

(2) Ranjit Rai Pun &
Chandra Sekhar Pun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-607/80-81/Sl.594/IAC[Acq.R-I]Cal —
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Madge Lane, Calcutta-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-1981

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch. registered vide deed No. I-1773 dt. 6-3-81 before Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ajit Kumar Bhuwalka.

(Transferor)

(2) M/s. Kothari & Co. (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. 966/Acq.R-III/81-82.—
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 50B(Fl. 16) situated at Gariahat Rd, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta on 25-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 16 on the 8th Floor of the building known as "Gagandeep" at premises No. 50B Gariahat Road, Calcutta, vide deed No. 2523 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 25-3-81.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Solani Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ruma Ghosh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. 965/Acq.R-III/81-82/Cal.—
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. C situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C on 11th floor of the building known as 'Jay Jayanti' situate, lying at and being portion of premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date . 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Solani Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd.
(Transferor)

(2) Smt. Anita Biswas.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 964/Acq.R-III/81-82/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. F situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. F on 5th floor of the building known as 'Jay-Jayanti' situate, lying at and being portion of premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—376GL/81

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Solani Ownership Flats Schemes Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. 963/Acq.R-III/81-82/Cal.—
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. D, situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. D on 5th floor of the building known as 'Jay Jayanti' situated, lying at and being portion of premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITN—

(1) Smt. Sandhya Rani Borat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjit Rai Pun &
Chandra Sekhar Pun.

(Transferee)

(3) M. A. Shah & ors.
(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-608/80-81/Sl.595 IAC/Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 6-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch registered vide Deed No. I-1774 dt. 6-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(2) Radha Rani Pyne & ors.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Ranjit Rai Pun &
Chandra Sekhar Pun.

(Transferee)

(3) M. A. Shah & ors.
(Persons in occupation of the property)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-615/80-81/Sl.596 IAC/Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 6-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch registered vide deed No. I-1956 dt. 11-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwal Road,
Calcutta-700016

Date : 6-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Lall Chand Pyne.

(Transferor)

(2) Ranjit Rai Pun &
Chandra Sekhar Pun.

(Transferee)

(3) M. A. Shah & ors.
(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-605/80-81/Sl.592 IAC/Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. V. S. JUNEJA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 6-3-81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated
at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch
registered vide deed No. I-1771 dt. 6-3-81 before the Registrar
of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-11-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Lakshmi Rani Mullick. (Transferor)
 (2) Ranjit Rai Pun & Chandra Sekhar Pun. (Transferee)
 (3) M. A. Shah & ors. (Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. TR-606/80-81/Sl.593,IAC/Acq.R-I|Cal.—
Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 situated at Madge Lane, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlined :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or****(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);****THE SCHEDULE**

Undivided 1/5th share of a two storeyed building situated at 2, Madge Lane, Calcutta-16 on land measuring 12K 8Ch registered vide deed No. 1-1772 dt. 6-3-81 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-700016

Date : 6-11-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Mohamed Masood Badal Qureshi
(Transferor)

(2) 1. Haji Mukhtiar Ahmed.
2. Jamil Ahmed
3. Mustaq Ahmed
4. Mumtaz Ahmed
5. Iftikhar Ahmed
6. Shakil Ahmed
7. Aqil Ahmed and 8. Vakil Ahmed.
(Transferee)

(3) 1. Abdul Baboo
2. M. B. Fero.
3. Habibulla Khan.
4. Peerzada Rasul Mian
5. Samiulla Khan
6. Fahimunnisa.
7. Mohd. Khan Majid Khan
8. Ahmed Abdul Shaikh.
9. Moosa Khan
10. Abdul Qayum.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1981

Ref. No. AR-III/1971-4/81-82.—Whereas, I,
SUDHAKAR VARMA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 274, Hissa No. 1(pt) CTS No. 18 (part with Chawl
L-749(3) 100 situated at Quarashi Nagar, Kurla (East)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Bombay on 26-3-1981 Document No. S-918/80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of the such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of the publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in the
Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-918/
80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on
26-3-1981.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 13-11-81
Seal :

FORM ITNS(1) Khivraj Motors Ltd.
623, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Bank of Thanjavur Ltd.,
Thanjavur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II,
621, MOUNT ROAD, MADRAS-6**

Madras, the 10th November 1981

Ref. No. F.16250.—Whereas, I, RADHA BALA-KRISHNAN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 477 to 482 situated at Mount Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE5339/36550th undivided share in land at 477 to 482, Mount Road, Madras-6.
(Doc. 734/81)**RADHA BALAKRISHNAN**
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th October 1981

Ref. No. RAC 170/81-82—S. GOVINDARAJAN
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 14/55A situated at Uppal Hyderabad 39
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Hyderabad on March 81
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Sri Lakshmi Oil Mills
Solvent extraction plant
Industrial area Plot No. 9,
Block No. 3 Uppal Hyderabad-29.
Rep. By Sri M. Venkata Surya Laxmi Narsimha
Rao & others No 92 West Maredpally 3rd lane
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s L. V. R. Oil & fats Pvt. Ltd.
Reg. Office L-2, Tha Tha-muthiappan Street,
Madras-60001
Factory : Plot No. 9 Block No. 3
Industrial area Uppal Hyderabad-39.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, and shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

THE SCHEDULE

Building and godown bearing No. 14/55 A built on plot
of land bearing No. B-9 Block No. 3 Industrial Develop-
ment area Uppal Hyderabad 39 (22050 sq. ft. built up
area) total area 4.798 Acres registered with Sub-Registrar
Hyderabad vide Document No. 963/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Hyderabad

Date : 20-10-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
23—376GI/81

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd October 1981

Ref. No. RAC 171/81-82.—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 117 situated at Sagarview Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Swastik Builders
1-2-524/3 Domalguda,
Hyderabad,
(Transferor)

(2) M/s. Suman Chit Funds
5-4-32/2 1nd Floor,
Jawaharlal Nehru Road,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Office No. 117 first floor Sagarview Domalguda, Hyderabad area 1112 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1056/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 23rd October 1981

Ref. No. RAC.172/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Bandalaguda village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. M/s. Aley Varghese
W/o Mr. K. M. Varghese
5-9-347 Hyderguda
Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Nandlal Sarda S/o Sri Jainarayan Sarda
2. Sri Sitaram Sarda S/o Sri Jainarayan Sarda
3. Sri Kacharulal, Sarda S/o Late Ramkrishna Sarda
4. Sri Narayandas Asawa S/o Sri Chunnilal Asawa
5. Sri Srinivas Asawa S/o Sri Narayandas,
C/o M/s. Vishnu Oil Industries 5-2-936 osmangunj
Hyderabad (H. No. 18-4-538/1 Shamsheergunj,
Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 240, 241, 242 & 244 area 8 acres 7 guntas at Bandalaguda village, Hyderabad on Chandrayangutta, Mahboobnagar Road registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1110/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 23-10-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Sri Narshi Vishram S/o Late Vishram Nathoo.
 (2) Sri Manoharlal Vishrami S/o Late Vishram Nathoo.
 67-A Kingsway Secunderabad.

(Transferee)

(2) Sri Rajaram S/o Sri Ishwardas,
 5-9-42/6 New M.L.A. Quarters Lane Basheerbagh,
 Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th October 1981

Ref. No. RAC-173/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-2-412/12 situated at Gaganmáhal Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land M. No. 1-2-412/12 (No. A-9) area 800 sq. yards at Gaganmáhal Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1301/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-10-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 28th October 1981

Ref. No. RAC-174/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agil. Land situated at Chinna Thokatta Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Sri K. Bal Reddy S/o Shri K. Muthyam Reddy.
(2) Sri K. Malla Reddy S/o Late Venkat Reddy.
(3) Sri M. K. Malla Reddy S/o Shri K. Muthyam Reddy.
Bownepally Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. The Amar Jyothi Weaker section Co-operative Housing Society Ltd. (TAB. 38).
Office No. 11-4-322/20/34 Chilkalguda, Secunderabad, President Sri P. Pandu Rao S/o Late R. Pentaiah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Acre in Survey No. 86, 87 and 92 at Chinna Thokatta Bownipally Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 453/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 28-10-1981
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1981

Ref. No. RAC-175/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-135/1, 136, 137 situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Ravindra Kumar Rathi S/o Shri Lakshminarayan Rathi, R/o 61, Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, (158 C Railway Lines Sholapur-413001). (Transferor)

(2) M/s. Kabra & Co., 61, M.G. Road, Secunderabad, By Managing Partner Sri Shankarlal Kabra S/o Late Mohanlal Kabra, H. No. 3-2-853, Chitrakoot Bldg. Kachiguda Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old house and structures M. No. 2-2-135/1, 136, 137 Mahatma Gandhi Road, Secunderabad area 778 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Document No. 147/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 31-10-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Mohini Bai Rathi W/o Shri Ravindra Kumar Rathi, 61, Mahatma Gandhi Road, Secunderabad (158 C Railway Lines Sholapur-413001).
(Transferor)

(2) M/s. Kabra & Co.,
61, M.G. Road, Secunderabad.
By Managing partner Sri Shankarlal Kabra S/o Late Mohanlal Kabra,
H. No. 3-2-853 Chitrakoot Bldg. Kachiguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1981

Ref. No. RAC-176/81-82.—Whereas, I. S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-136/1, 137/1, 138, 139 situated at M.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old House and structure M. No. 2-2-136/1, 137/1, 138 and 139 Mahatma Gandhi Road, Secunderabad area 870 sq. yds. registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 148/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 31-10-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd November 1981

Ref. No. RAC-177/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 6-3-1186 situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Dhanalakshmi Co-operative Housing Society Ltd. TAB 109 Shop No. 16 Indoor Stadium Fathemaidan Hyderabad, By Secretary D. Ramakrishna Reddy S/o D. Pulla Reddy.

(Transferor)

(2) M/s. Indo Swing Limited. Narsapur Road, Balanagar, Hyderabad-37. Rep. By Sri Y. Rama Sarma S/o Late Y. D. Sastri, R/o 36-A MIGH Sanjeevreddy Nagar Hyderabad-38. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land M. No. 6-3-1186 Begumpet Hyderabad area 1,000 sq. yds. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1266/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 2-11-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. Raghuram Reddy S/o Sri P. Ramachandra
Reddy.
H. No. 3-3-76 Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sampath Devi Sutaliya W/o Poonamchand,
H. No. 3-4-16 Dr. Bhoomanna Marg Lingampally,
Hyderabad-27.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1981

Ref. No RAC-178/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-1005/5/1 situated at Barkatpura Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Chikadpally on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have aforesaid
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer.
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

THE SCHEDULE

Vacant land M. No. 3-4-1005/5/1 situated at Barkatpura
locality Hyderabad area 265 sq. yards registered with Sub-
Registrar Chikadpally vide Doc. No. 207/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 3-11-1981

Seal :

